हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 मार्च, 2008

खण्ड–1, अंक–16

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भुकवार 28 मार्च, 2008

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(16)1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र न एव उत्तर	(16)21
नियम 64 के अधीन वक्तव्य	(16)22
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव की सूचना	(16)25
वाक आउट	(16)29
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(16)30
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(16)30
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(16)32
विधान सभा की समितियो की रिपोर्टस पे ा करना	
(i) कमेटी आन सबओर्डिनेट लैजि ाले ान की 37वीं रिपोर्ट	

(ii) कमेटी आन गवर्नमैंट अ योरैंस की 37वी रिपोर्ट	
(iii) कमेटी आन पब्लिक अकाउंटस की 62वीं रिपोर्ट	
(iv) कमेटी आन पब्लिक अंडरटेकिंग्ज की 54वीं रिपोर्ट	
(v) कमेटी आन एस्टीमेटस की 37वीं रिपोर्ट	
(vi) कमेटी आन दि वैल्फेयर आफ ि ाडयूल्ड कास्टस, ि ाडयूल्ड ट्रांईब्ज एंड बैकवर्ड क्लासिज की 31वीं रिपोर्ट	
(vii) कमेटी आफ हरियाणा विधान सभा टू एग्जामिन दि फिगर्ज आफ वेवड लोन्ज आफ फारमर्ज इन हरियाणा रिपोर्ट	
हरियाणा के किसानो के माफ किए गए ऋणों के आंकडो की जांच के लिए हरियाणा विधन सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा	(16)34
सदस्य का नाम लेना	(16)44
सदस्य का नाम लेने का निर्णय को रद्द करना	(16)44
हरियाणा के किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जांच के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा (पुररारम्भ)	(16)47

बैठक का स्थगन	(16)49
हरियाणा के किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जांच के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा (पुररारम्भ)	(16)50
बैठक का स्थगन	(16)51
वाक आउट	(16)51
हरियाणा के किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जांच के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा (पुररारम्भ)	(16)53
विधान कार्य–	(16)63
दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 2008	
दि हरियाण स्टेट बोर्ड आफ टैक्नीकल एजुके ान बिल, 2008	
दि हरियाणा लैजीस्लेटिव असैम्बली (फैसीलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैडमैंट बिल, 2008	
दि हरियाणा लैजीस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) सैकेण्ड अमैडमैंट बिल, 2008	
गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी आफ साईंस एंड	

टैक्नोलोजी हिसार (अमैडमैंट) बिल, 2008	
चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा (अमैडमैंट) बिल, 2008	
भगत फुल सिंह महिला वि ववविद्यालय खानपुर कलां (अमैडमैंट) बिल, 2008	
दि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी (अमैडमैंट) बिल, 2008	
दि हरियाण लैजीस्लेटिव असैम्बली स्पीकर्स एंड डिप्टी स्पीकर्स सेलरीज एंड अलाउंसिज (अमैडमैंट) बिल, 2008	
दि हरियाणा सेलरीज एंड अलाउंसिज आफ मिनिस्टर्ज (अमैडमैंट) बिल, 2008	
दि हरियाण लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) थर्ड अमैडमैंट बिल, 2008	
पंडित भगवत दयाल भार्मा यूनिवर्सिटी आफ हैल्थ साईंसिज रोहतक बिल, 2008	
अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद	(16)97

हरियाणा विधान सभा

भुकवार, 28 मार्च, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 09.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री रघुबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगें।

Upgradation of 33 K.V. Sub-station at Urlana Kalan

***990. Smt. Parsanni Devi:** Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governemnt to upgrade the existing 33 KV Sub-Station at Urlana Kalan in district Panipat to 66 KV Sub-station; if so, the time by which the said sub-station is likely to be upgraded?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, there is no proposal to upgrade the existing 33 KV Sub-station at Urlana Kalan to 66 KV Sub-Station Speaker Sir, however, I want to inform the Hon'ble Member that we have added an additional transformer on 23rd November, 2007 on this Sub-station at a cost of Rs. 1.5 crore.

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, उरलाना कलां, अहर और कुराणा इन तीनो गावों मे 33 केवी के सब स्टे ान है

जिससे बिजली की सप्लाई की बहुत दिक्कत रहती है, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या इन तीनो गावों मे से किसी सब–स्टे ान को अपग्रेड करने का सरकार का कोई विचार है। अध्यक्ष महोदय, सीख पाथरी गांव बिल्कुल बोर्डर पर है। 7 जनवरी, 2006 को मुख्यमंत्री महोदय इस गांव मे गए थे और लोगो ने उनसे यहां सब स्टे ान की मांग भी की थी। लोगों ने इसके लिए रैजोल्यू ान भी भेजा हुआ है तो मै मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगी कि सरकार इस सब स्टे ान को कब तक बना देगी?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने 2 प्र न पूछे है। एक तो एडी ानल ट्रांसफार्मर जिसकी मैने चर्चा की है वह हमने लगाया है। इसके अलावा 33 के वी का सब–स्टे ान ब्रहमण माजरा मे और एक 33 के वी का सब–स्टे ान डाहर में बना रहे है। इसके बनने से पूरे इलाके को फर्दर रिलीफ हो जाएगा। जहां तक माननीय सदस्या ने सीख पाथरी गांव के बारे में कहा है तो मै इनको कहना चाहूंगा कि ये बहुत सीनियर सदस्या है इसलिए इसके बारे में ये लिखकर भिजवा दें। सरकार इस पर अव य ही सकारात्मक रुप से विचार करेगी। हम लिखकर विभाग को भी कहेंगे और पूरे लाट की जांच करके अगर जरुरत है तो इस सब–स्टे ान को अव य बनाएंगे।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगी कि ब्राहमण

माजरा तो इस एरिये से बहुत दूर है, उससे बहुत ज्यादा लाभ नही हो पाएगा। जैसे मैने उरलाना कलां, अहर और कुराणा मे 33 के वी सब स्टे ान को अपग्रेड करने की बात की है तो मै कहना चाहूंगी कि इसराना से पहले कोई सब स्टे ान अपग्रेड नही हुआ है। इन तीनो गावों मे से किसी भी जगह 133 के वी का सब स्टे ान जहां बन सकता हो क्या वहां पर बनाने की कृपा करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, पानीपत का काफी इलाका माननीय सदस्या श्रीमती प्रसन्नी देवी जी की कांस्टीच्युएंसी मे पडता है। हमने पानीपत मे काफी सब स्टे ानो को इन्ही दिनो मे मौजूदा सरकार मे आगुमैंट किया है। मै बताना चाहूंगा कि नौलथा के 33 के वी सब स्टे ान पर 3 एम वी ए का ट्रांसफार्मर लगाकर 21 जून, 2005 को 20 लाख रुपए की लागत से आगुमैंट किया है। नौलथा हल्के मे एक और 33 के वी सब स्टे ान पर 3 एम वी ए का ट्रांसफार्मर लगाकर 40 लाख रुपए की लागत से 14 जून, 2006 को आगुमैंट किया है। नौलथा हल्के मे ही एक और सब स्टे ान पर 1.7 एम वी ए का ट्रांसफार्मर लगाकर 28 लाख रुपये की लागत से दिसम्बर, 2005 को आगुमैंट किया है। बापौली मे 33 के वी सब स्टे ान पर 35 लाख रुपए की लागत से 5 एम वी ए का ट्रांसफार्मर लगाकर आगुंमैंट किया है। छाजहपुर मे 132 के वी सब स्टे ान पर 113 लाख रुपए की लागत से 16 एम वी ए का ट्रांसफार्मर लगाकर 30 सितम्बर, 2005 को आगुमैंट किया है। अध्यक्ष महोदय, इनके यहां लोड लगातार

बढ रहा है इसलिए हमने इनके इलाके मे इतने ज्यादा सब स्टे ांज की आगुमैंटे ान की है क्योंकि पानीपत लगातार इंडस्ट्रीज और कृशि दोनो क्षेत्रों मे प्रगति कर रहा है। इस प्रकार आगुमैंटे ान की बहुत लम्बी लिस्ट है और अगर माननीय सदस्या हमें और भी सब स्टे ानो की आगुमैंटे ान के लिए लिखकर देगी तो हम उस पर पोजीटिवली विचार करेंगे।

श्री साहिदा खानः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे प्र न पूछने का अवसर दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि तावडू क्षेत्र के लोग टोटली टयूबवैल्ज पर निर्भर करते है और वहां पर 66 के0 वी0 का सब स्टे ान है। जब सारी लाईने भ्ाुरु हो जाती है तो लोड की कमी की वजह से वहां ट्रीपिंग बहुत ज्यादा होती है। क्या मंत्री जी तावडू के 66 के वी के सब स्टे ान की क्षमता बढाने की कृपा करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी का पृथक प्र न है। माननीय साथी ने जो चिंता जाहिर की है इस बारे में वे लिखकर भिजवा दें। उसके बाद मै अपने विभागीय अधिकारियो को आदे ा दूंगा कि वे इसको चैक करें और वाकई मे इनकी प्रोब्लम सही है तो उसकी कैपेसिटी जरुर बढवाई जायेगी।

श्री ई वर सिह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या रादौर हल्के मे किसी सब स्टे ान की क्षमता बढाने या नया सब स्टे ान लगाने का कोई प्रावधान सरकार के विचाराधीन है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी का प्र न पृथक है। इस समय मेरे पास हल्कावाईज डिटेल्ज नही हैं। ये इस बारे में लिखकर जवाब मांग लें, इनका लिखित मे जवाब दे दिया जायेगा कि इनके हलके में अब तक क्या क्या कार्य किए है। और अगले दो साल के दौरान क्या क्या कार्य करने का प्लान है। हमने माननीय सदस्य के हल्के में काफी व्यापक आगुमैंटे ान की है फिर भी मै माननीय सदस्य की और सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पिछले तीन साल के दौरान पूरे प्रदे ा मे 68 नये सब स्टे ांज लगाये है जो अपने आप मे एक रिकार्ड है। जिनमे 220 के वी के तीन सब स्टे ांज 58.2 करोड रुपए की लागत से, 132 के वी के 8 सब स्टे ांज 47.498 करोड रुपए की लागत से और 33 के वी के 46 सब स्टे ांज 47. 63 करोड रुपए की लागत से बनवाये गये है। कुल 188.7 करोड रुपए इन पर खर्च हुए है। इसके अलावा 220 के वी के, 132 के वी के, 66 के वी और 33 के वी के 182 सब स्टे ांज को 170.14 करोड रुपए की लागत से आगुमैंट किया गया है। इसी तरह से हमने 1137.73 कि मी0 यानि तकरीबन 1138 कि0मी0 की नई लाईने 138.86 करोड रुपए की लागत से पूरे प्रदे ा में बनाई है।

अध्यक्ष महोदय, अगले दो साल मे हम क्या क्या कार्य पूरे प्रदे ा मे करने वाले है उसके बारे मे भी मै बताना चाहूंगा जिससे मेरे माननीय साथी के हल्के मे भी काम किए जाएंगे। आने वाले दो वर्शो के दौरान 164 नये सब स्टे ांज लगाये जायेंगे जिनमे 400 के वी के दो सब स्टे ांज 185 करोड रुपए की लागत से, 220 के वी के 11 सब स्टे ांज, 286.20 करोड रुपए की लागत से, 66 के वी के 21 सब स्टे ांज 239.7 करोड रुपए की लागत से और 33 के वी के 94 सब स्टे ांज 136.19 करोड रुपये की लागत से बनायें जाएंगे। इन 164 नये सब स्टे ानो पर कुल 1146.55 करोड रुपए खर्चा आएगा। इसके अतिरिक्त आने वाले दो सालो में 94 सब स्टे ांज 223.33 करोड रुपए की लागत से आगुमैंट भी किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 2678 कि0 मी0 की नई लाईने 772.62 करोड रुपए की लागत से बिछाई जाएंगी। अध्यक्ष महोदय, कुल 2142.52 करोड रुपए बिजली के सुधार पर खर्च किए जाएंगे जो हरियाणा के गठन के बाद सबसे बडा दो साल का प्लान है जिसके तहत प्रदे ा मे लोगो को बिजली की सुविधा दी जायेगी।

श्री रणधीर सिंह बरवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मेरे हल्के के खेडी लोचभ गांव मे कोई सब स्टे ान बनाने पर सरकार विचार कर रही है? क्योंकि वहां पर पंचायत ने सब स्टे ान बनाने के लिए जमीन भी दे दी है और रैजोल्यू ान भी भिजवाया हुआ है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह पृथक प्र न है। इस बारे में माननीय साथी लिखित मे प्र न पूछ लें। यदि ये कह रहे है कि जमीन दे दी है हम इसको एग्जामिन करवा लेंगे और इनको लिखित मे उतर दे दिया जायेगा कि वहां पर कब तक सब स्टे ान बनवा दिया जायेगा।

श्री फुल चनद मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी और सरकार की मं ाा बिजली के सुधार के लिए सराहनीय है। गांव और खेतो के लिए बिजली की सप्लाई की लाईनो को अलग किया जा रहा है। नये सब स्टे ांज बनाये जा रहे है। नये नये पावर हाउसिज लगाये जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै वित्त मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी जब मुलाना गये थे तो उस समय उन्होने कहा था कि उगाला, धनौरा, सरदाहेडी और धीन मे नये पावर सब स्टे ांज बनाये जायेंगे। उसके लिए हमने जगह भी दे दी है। लेकिन अभी तक वहां पर कार्यवाही भाुरु नही हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस योजना पर कब तक काम भाुरु हो जायेगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मुलाना साहब इस बारे में मुझे लिखवाकर भिजवा दें। हम जरुर कार्यवाही करेंगे क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री जी की घोशणाओ को लागू करने के लिए हम पाबंद है उन्हे अव य लागू किया जायेगा। इसकी

समय सीमा के बारे में भी मै माननीय सदस्य को लिखकर भिजवा दूंगा।

श्री ई वर सिह पलाकाः स्पीकर सर, मेरे विधान सभा हल्के रादौर मे एक 66 के0 वी0 का बसंतपुरा का सब–स्टे ान है और उसकी इतनी क्षमता नही है कि उससे 6 फीडरो को एक साथ पावर सप्लाई हो सके। इस बारे मे जब हम अधिकारियो से बात करते है तो वे कहते है कि इसकी कैपेसिटी इतनी है कि इससे हम एक समय में तीन फीडरो को ही पावर दे सकते है और दूसरे तीन फीडरो को दूसरे समय मे दे सकते है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या उसकी क्षमता को बढाये जाने की कोई प्रपोजल सरकार के पास है? इस बारे में मै यह भी कहना चाहूंगा कि मैने पूछा था अपने रादौर क्षेत्र के बारे मे लेकिन उन्होने बहुत सारा चिटठा पढकर सुना दिया।

श्री अध्यक्षः पलाका साहब, यह चिटठा नही था यह गवर्नमैंट का डाक्यूमैट था जो कि बिजली के नये ट्रांसफामर्जर और सब स्टे ानज लगाने के बारे में था।

श्री ई वर सिंह पलाकाः स्पीकर सर, मै अपने रादौर क्षेत्र की बात कर रहा था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने इनके विधान सभा क्षेत्र मे पडने वाले 66 के वी सब स्टे ान के ओवरलोडिड होने की चर्चा की है। जिसकी माननीय

सदस्य पहले चर्चा कर रहे थे, मैने आपको उसके बारे मे इतने आंकडे दिए है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य के अंदर वर्शो से बिजली के उत्पादन और बिजली की वितरण प्रणाली को सुदृढ बनाने के लिए कोई ठोस कदम नही उठाये गये। अध्यक्ष महोदय, इसलिए मैने माननीय सदस्य को पढकर सुनाया कि 3 वर्शो के अंदर मार्च, 2005 से जनवरी 2008 तक 3 वर्श से 2 महीने कम मे हमने 538 करोड 57 लाख रुपये खर्च किए हैं। जैसा इन्होने बताया कि बसंतपुरा गांव सब स्टे ान ओवरलोडिड है। ये हमें लिखकर भिजवा दें हम उसकी जांच करवा लेंगे। जब मै बोलता हूं आगुमैंटे ान तो इस का मतलब यही होता है कि जो ओवरलोडिड है उन्हे हम ठीक करेंगे और अगले 2 साल के अंदर 94 नये सब स्टे ान हम 223 करोड 33 लाख रुपये की लागत से आगुमैंट करैंगे। अध्यक्ष महोदय, बिजली के सुधार पर कुल 2142 करोड रुपए खर्च होंगे। यह इसलिए है कि बिजली की वितरण प्रणाली और ज्यादा सुचारु बने। अगर किसी स्पैसिफिक केस के बारे मे माननीय सदस्य को ि ाकायत है तो उसके बारे मे ये मुझे लिखकर भिजवायें अगर वह ओवरलोडिड है तो उसकी हम जांच करवा लेंगे अगर वह हमारे प्लान मे नही हुआ तो उसे हम अपने प्लान मे डालने का प्रयास करेंगे और अगर पहले से ही वह हमारे प्लान में हुआ तो मै माननीय सदस्य को लिखकर सूचित कर दूंगा।

श्रीमती सुमिता सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम सब जानते है कि बिजली की बडी भारी कमी है और उसको पूरा करने के लिए और बिजली को बचाने के लिए जिस प्रकार से स्ट्रीट लाईट पर जो बडे बडे सोडियम बल्बज़ लगाये जाते है अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि क्या सरकार के स्तर पर कोई ऐसी प्रपोजल है कि उन सोडियम बल्बज़ को सोलर लाईटस में बदला जा सके?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननी सदस्या का प्र न बडा वाजिब है। हमारा अनुमान यह है कि अगर हरियाणा मे सभी घरो मे एक भी एनर्जी सेविंग लाईट लगा ली जाये तो अकेले उससे ही 300 मैगावाट बिजली की बचत होगी। इसलिए हरियाणा सरकार ने यह निर्णय लिया है कि जो हमारा रिनुअल एनर्जी डिपार्टमैंट है वह इसको इम्पलीमैंट कर रहा है कि हरियाणा सरकार के जो कार्यालय है उनके अंदर भी और नगरपालिकाओ के अंदर भी जो लाईटस सिस्टम है उसमे भी जो एनर्जी सेविंग लाईटिंग सिस्टम है उसको बढावा दिया जाये और वे खुद भी ऐसी लाईटस खरीदकर दे रहे है। ऐसी बहुत सी नगरपालिकाए है जिन्होने इस बात की पहल भी की है। ऐसी दो तीन नगरपालिकाओ के बारे में मै जानता हूं जहां पर लोकल साथियो ने ही पहल की है। उन्होने कहा कि हम ऐसा लाईटिंग सिस्टम भाहर के अंदर लगायेंगे जो सी0 एफ0 एल0 और दूसरी लाईटस है और जहां तक सोलर लाईटस का प्र न है क्योंकि यह

अर्बन लोकल डिवैलपमैट से जुडा हुआ प्र न है उनका बजट वे देंगे। नगरपालिका अपने संसाधनो से अपना बजट जोडें। हम कम से कम जरुर उनको एनकेज करते है और इसलिए आपने देखा होगा कि हम तो जिस पोल पर लाईट लगी है उसका फिक्स प्रति पेाल का भी बिल लेते है। अगर वे कम लाईट इस्तेमाल करेगे। तो स्वाभाविक है कि बिजली की बचत होगी ओर बिल भी कम आयेगा। इसके लिए हरियाणा प्रांत के सभी लोगो को सचेत होना चाहिए क्योंकि उत्पादन के बावजूद आगे आगे बिजली एक भयंकर समस्या बनेगी क्योंकि अगर हम कोयले से बिजली का उत्पादन भी करते है तो उससे पर्यावरण मे कार्बन की मात्र बढेगी। उससे इंवायरमैंट इ यू क्िएट होते है इसलिए मै अपने आपको आपकी चिंता से जोडते हुए आ वसत करता हूं कि सरकार नगरपालिकाओ को इस बात के लिए हिदायतें भी देगी और एनकेज भी करेगी कि वे एनर्जी एफि ाएंट लाईट ही इस्तेमाल करें।

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन गावों में 33 के0 वी0 के या 132 के0 वी0 के सब–स्टे ान लगाये गये है, क्या उन गावों को उस सब स्टे ान से जोडा जायेगा और क्या उन गावों को सरकार 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवायेगी? जिस प्रकार से आपने महासर को नही जोडा है और भोका वह गांव है जहां

हरियाणा में सबसे पहले आपने बिजली के नये मीटर लगाये थे। आज उस गांव की भी यह ि ाकायत है कि बिजली नही मिलती।

श्री रणदीप सिहं सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दो पृथक पृथक प्र न पूछे है। पहला प्र न यह पूछा है कि जिन गावों मे सब–स्टे ान लगेगें क्या उन गावों को उससे जोडा जायेगा, तो इसका जवाब हां मे है क्योंकि जिस गांव मे सब–स्टे ान लगाया जा रहा है स्वाभाविक है वह इसलिए लगा रहे है कि उसमें से उसको बिजली दी जाये। दूसरा प्र न यह पूछा कि क्या 24 घंटे बिजली उन गावों को सरकार देगी तो इसका जवाब नही में है। अध्यक्ष महोदय, सब स्टे ान किसी एक गांव के लिए नही लगता वह तो उस एरिया के कुछ गावों के लिए लगता है। यदि हम उस गांव को 24 घंटे बिजली देंगे तो बाकियो के साथ भेदभाव क्यों करें। हमारा लक्ष्य पानी की तरह सबको बराबर बिजली उपलब्ध करवाना है। बिजली के सब स्टे ान लगाना और बिजली की वितरण प्रणाली को सुदृढ करना हमारा लक्ष्य है। कई बार ऐसा होता है कि बिजली उपलब्ध होते हुए भी आप सारी बिजली जला नही पाते। पहले हरियाणा मे बिजली की स्थिती बहुत ज्यादा भयंकर थी लेकिन अब हम उसको इम्प्रूव करने की कोि ा ा कर रहे है। हम बिजली वितरण प्रणाली इतनी अच्दी हो जाये कि अगर हमारे पास बिजली हो तो उसकी वोल्टेज ट्रिप न हो। हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम एल वी डी एस, एच वी डी एस जो हम लगा रहे है। उसका भी यही लक्ष्य है। अगर सब

साथी कनैक ान ले लेंगे तो हर 374 घरो पर एक ट्रांसफार्मर रख देंगे और हम 11 हजार के वी की लाईन को गावों के अंदर तक ले जायेंगे। उससे बिजली ट्रिप भी नही करेगी और बिजली पूरी मिलेगी तथा बिजली की क्वालिटी भी अच्दी रहेगी।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया: अध्यक्ष महोदय, करीब डेढ साल पहले मेरे हल्के में रैली हुई थी और माननीय मुख्यमंत्री जी ने नीमोढ में एक 66 के0 वी0 सब–स्टे ान लगाने की घोशणा की थी मै मंत्री जी से व्यक्तिगत तौर से भी मिला हूं और मंत्री जी से आ वासन चाहता हूं कि वह काम कब तक पूरा हो जायेगा?

श्री अध्यक्ष: जब आप व्यक्तिगत तौर पर मिल ही लिये तो क्या बाकी रह गया?

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी लिख कर देने के लिए कह देते है और कुछ होता नही इसलिए यहां पर इस बात का उठा रहा हू।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, खास तौर पर जो सोहना विधान सभा क्षेत्र है उसके विकास के लिए हमारे मुख्यमंत्री जी और हमारी सरकार भी बहुत कोि ा ा करती है क्योंकि यह एरिया ग्रेइंग गुडगांव का हिस्सा बनता जा रहा है। उसमे ंकही पर पीने के पानी की समस्या है, कही पर नहरी पानी की समस्या है और कही पर बिजली की समस्या है उसके लिए हम प्रावधान कर रहे है। जहां तक स्पेसिफिक सब–स्टे ान का सवाल

है, इस बारे में इस समय मेरे पास जानकारी उपलब्ध नही है। माननीय सदस्य मेरे कार्यालय मे आ जायें तो मै पूरी जानकारी इनको उपलब्ध करवा दूंगा।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिस प्रकार से पहले सरकार की स्कीम थी कि जिन गावों मे 66 के0 वी0 सब–स्टे ान लगाये जाते है और ग्रांम पंचायते उसके लिए फ्री आफ कास्ट जमीन उपलब्ध करवाती है उन गावों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाती थी, उस स्कीम अब बंद हो गई है या चालू है? अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय से मेरी दूसरी रिक्वैस्ट थी जो कि मैने पहले भी की थी और आज कर रहा हूं कि क्या मंत्री माहदेय आ ाखेडा के सब–स्टे ान को भी आगुमैंट करवाने की कृपा करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दो प्र न रखे है (विघ्न) जहां तक इनके पहले प्र न का ताल्लुक है, जिस गांव मे सब–स्टे ान है उसको 24 घंटे बिजली देने का, इसके बारे में माननीय नरे ा यादव जी ने जो प्र न पूछा था उसका जवाब मै दे चुका हूं। पहले भी जो स्कीमे थी उसमे भी इस प्रकार से कभी 24 घण्टे बिजली नही दी गई और ऐसा सम्भव भी नही है। स्पीकर सर, ऐसा करना अव्यवहारिक भी है क्योंकि अगर ऐसा करेंगे तो गावों मे आपस मे होड लग जाएगी और उससे अगले गांव को तो बिजली मिलेगी ही नही।

यह बिल्कुल अव्यवहारिक बात है क्योंकि 24 धंटे बिजली अभी गावों को नही दे सकते है। जहां सब–स्टे ान लगा है Speaker Sir, Sub-station is not meant for one village Sub-station is normally meant for a group of villages, even if it is a bigger village, But Sir, it is not possible to discriminate between one village and the other village in Haryana. Speaker Sir, we give one village 24 hours power supply and other villages 8 hours power supply. How it is possible? यह पक्षपात क्यों? इसलिए हमारा यह निर्णय बडा स्पश्ट है और यह नीतिगत बात भी है कि सब स्टे ान पर बिजली की वोल्टेज बैटर होगी, बिजली की सप्लाई बेहतर होगी लेकिन 24 घंटे बिजली किसी एक गांव को नही मिल पाएगी। माननीय सदस्य का जो दूसरा प्र न था उसके बारे में मैने अधिकारियो को हिदायतें दी है और उसके आगुमैंटे ान पर हम आलरेडी विचार कर रहे है और कोि ा ा कर रहे है कि इसको जल्दी से करवाएं।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै सरकार तथा माननीय मंत्री जी का इसके लिए धन्यवाद करता हूं।

श्री अरजन सिंहः अध्यक्ष महोदय, यमुना नगर मे थर्मल प्लांट सरकार ने लगाया है। माननीय मुख्यमंत्री जी 1 नवम्बर, 2007 को वहां पर यह घोशणा करके आए थे कि उस थर्मल प्लांट के दस किलोमीटर के दायरे मे जितने भी गांव पडते है उन सब गावों मे 24 घण्टे बिजली की सप्लाई देंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी नें वहां पर एक और घोशणा भी की थी कि उस थर्मल प्लांट के

लिए जिन लोगो की जमीन गई है उनके एक एक लडके को नौकरी देने का प्रावधान करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो घोशणाएं की है क्या उनको सरकार लागू करने के बारे विचार कर रही है। इसके साथ ही साथ उस थर्मल प्लांट के आस पास की जो खेती की जमीन है उसमे गेहूं या जो भी फसल बो रहे है राख की वजह से फसल को बहुत नुकसान हो रहा है। इस बारे में अखबार मे भी छपा था। क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार इस बारे में क्या कार्यवाही कर रही है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जो घोशणा की थी वह बिल्कुल स्पश्ट है कि उस थर्मल प्लांट के साथ लगते दस किलोमीटर के दायरे के गावों को 24 घंटै बिजली देंगे इसमें किसी प्रकार की दिक्कत या ि ाकायत की कोई गुंजाई ा नही है। मुख्यमंत्री जी ने जो घोशणाएं की है हम उस पर लामबंद है और वहीं खडे है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, पिछले साल दिसम्बर–जनवरी मे लंदन मे एन्वायरनैस के उपर एक सैमीनार हुआ था जिसमे तकरीबन साठ दे ाो के प्रतिनिधियो ने हिस्सा लिया था और वहां पर पूरे छः दिन एन्वायरमैंट पर डिटेल मे डिस्क ान हुई थी इस डिस्क ान मे एक टोपिक सोलर ऐनर्जी का भी था। इस संबंध मे मैने गवर्नमैंट को एक नोट भेजा था कि क्या सोलर एनर्जी से

सोलर हिटर पार्टिकुलरी गवर्नमैंट बिल्डिंगो में, कमर्ि ायल बिल्डिंगो में,, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटिज की बिल्डिंगज में, पार्टीकुलरी हरियाणा मे 500 यार्डज के उपर की जो कोठियों है उनके बारे में था। जो इतनी बडी बिल्डिंग्ज बनती है उनके कम्पली ान मे यह स्पै ाली जोडा जाए कि इसके लिए सोलर लाईट और सोलर हिटर को प्रोविजन भी करें ताकि उनको कम्पली ान सर्टिफिकेट मिले। अगर एक या दो बल्ब का प्रोविजन भी इन बिल्डिंगो मे कर दिया जाए तो इससे कम से कम 100 मैगावाट बिजली की बचत हो सकेगी।

श्री रणदीप सिहं सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, सौर उर्जा से बिजली का उत्पादन बिल्कुल सही और वाजिब है इसके अंदर कोई भाक की गुंजाई ा नही है। जब हम थर्मल पावर प्लांट से बिजली का उत्पादन करते है तो कार्बन ऐीम ान्ज होती है। अध्यक्ष महोदय, जिस कान्फ्रैंस की आपने चर्चा की है मैने उसकी सारी प्रोसिडिंग्ज जो समाचार–पत्रो मे प्रकार्ि ात हुई है वे पढी थी। Speaker Sir, future energy lies in three pleaces, solar energy, wind energy and hydro energy. There are three cleanest and greenest form of energy but sir, solar energy is at the top. इन तीनो को हम छोड दे तो सोलर एनर्जी अभी हिन्दुस्तान मे टैप नही हो पा रही है हालांकि Himalayan range of fountains young है फिर भी यह भाायद हो सकता है या फिर जो न्यूक्लियर एनर्जी है इनको छोड कर हम हरियाणा मे पूरे हिन्दुस्तान मे सभी कौल बेस्ड एनर्जी पर आश्रित है। but gas

based thermal power plant on account of unavailability of gas, अभी तक कामयाब नही हो पाए है। दूसरे हम हाइड्रो पर आश्रित है एक हमें अपना हाईड्रो पौटैं ाल टैप करना पउेगा because in times to come the demand for energy is likely to shoot up to another 100 thousand M.W. इसलिए तो हमें वह डिमाण्ड सप्लाई गैप को ब्रीम करना पडेगा। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की जो चिंता और सोच थी कि हम न्यूक्लियर एग्रीमैंट पावर प्रोडक ान के लिए अमेरिका और दूसरे जो न्यूक्लियर सप्लाई ग्रुप के मुल्क है उनसे एग्रीमैंट दस्तखत कर लें। उसके पीछे यह सोच थी कि 2020 तक 20000 मैगावाट की बढोतरी हम करें। अध्यक्ष महोदय आपने जो सुझाव दिया है उस बारे में सरकार और सदन के सभी सदस्य सहमत है। मै अर्बन डिवैल्पमैट अथोरिटी और अर्बन लोकल बाडी दोनो को पत्र लिखकर आपकी भावनाओ के बारे में अवगत करवाउंगा और कहमंगा कि अपने रैगुले ान मे तरसीम करें और जो 250 गज से बडे मकान है उनमें कम्पली ान सर्टिफिकेट देने के समय कम से कम यह कंडी ान रखे कि उसमें सोलर हाईड्रो का भी प्रावधान वाटर हारवैस्टिंग के साथ साथ हो। इसके साथ हम ये सुझाव प्राईवेट डिवैल्पर्ज जो है उनको भी देंगे कि स्ट्रीट लाइटिंग मे ज्यादा से ज्यादा इसका इस्तेमाल किया जाए हम सोलर लाईटनिंग के कन्व ान मे इन्वैस्टमैंट कर सकें। जैसा कि माननीय सदस्या सुमिता सिह जी ने सुझाव दिया था, हम ये दोनो प्रयास करेंगे।

Desilting of Hisar-Ghaggar Drain

***992 Shri Bharat Singh Beniwal:** Will the Irrigation Minister be please to state whether the disilting work of Hisar-Ghaggar drain (Saimnala) was got done in the area of District Sirsa during the last year; if so, the name of the village from where the desilting work was started together with the name of the village upto which it was desilted alongwith the time taken for desilting and the time by which the desilting work of the said drain is likely to be completed?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): The desilting work of Hisar-Ghaggar drain was started during June, 2007 and 57% work has been completed. The balance work is likely to be completed by June, 2008. The work was started from village Randhawa and has been done upto village Tarkanwali.

श्री भतन सिंह बेनीवालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि घग्गर ड्रेन से सफाई करके गाद कब निकाली गई और वह आदमियो के द्वारा निकाली गई है या म ीन के द्वारा निकाली गई है। यह जो गाद निकाली गई है उसका वहां के जमींदारो को कोई फायदा नही हुआ है क्योंकि आज भी वहां पर नदी के अंदर 10–10 फुट के झाड खडे हुए है। क्या मंत्री जी वहां से उन झाडो को कटवाकर गाद निकलवाने का प्रावधन करेंगे ताकि वहां के जमींदारो को उससे फायदा हो सके?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही है वह बिल्कुल सही है। अध्यक्ष महोदय,

हिसार घग्गर ड्रेंन की गाद निकलवाने का काम कंट्रैक्टर को अप्रैल 2007 मे दिया गया था। उसने वह काम 2 जुन, 2007 को भ्रारु किया था और यह काम उसने एक महीने में 30 जुन, 2007 को कम्पलीट करना था। इस ड्रेन की सफाई पर 28 लाख खर्च होने अनुमानित थे। लेकिन जब इस बारे मे टैण्डर काल किए गए तो कंट्रैक्टर ने इस अमाउंट से 49 प्रति ात लैस पर फीगर कोट किया था। उसके यह टैण्डर 14.80 लाख के हिसाब से मिला। अध्यक्ष महोदय, उस कंट्रैक्टर ने यह काम 57 प्रति ात ही किया था और बाकी का काम बीच में छोड कर चला गया। अध्यक्ष महोदय, पांच परसैंट तो परफोरमैंस सिक्योरिटी के नाम पर और 6 परसैंट दूसरी सिक्योरिटी के नाम पर हम उनकी सिक्योरिटी रखते है। इस तरह से टोटल 11 परसैंट की सिक्योरिटी हम कंट्रैक्टर की रखते है। इसके अलावा इस परसैंट हमने पैनल्टी लगाने का भी प्रावधान रखा हुआ है। स्पीकर सर, इस मामले मे 1.48 लाख रुपये कंट्रैक्टरी पर पैनल्टी लगायी गयी है। माननीय सदस्य का यह कहना कि काम कब तक हो जाएगा, मै उनको बताना चाहूंगा कि हम डिपार्टमैंट की म ाीनरी को करनाल से वहां पर ि ाफ्ट कर रहे है और जून 2008 तक उस ड्रेन की गाद निकालने का काम पूरा कर देंगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी आनरेबल मैम्बर्ज ने जो चिंता जाहिर की है वह वाजिब है, इस बारे में जानने के लिए कई सदस्यो के हाथ भी रेज हो रहे है। इस बारें मे हम सब भी देखते

है कि कई ड्रेन बनी हुई तो है लेकिन पिछले आठ दस सालो से उनकी छंटाई या सफाई बगैरा नही हुई है जबकि इसके लिए बहुत भारी फंडज की ऐलोके ान है। जब हम सब हरियाणा प्रदे ा को नम्बर वन की तरफ ले जा रहे है तो रैनी सीजन से पहले पहले सभी ड्रेनेज की डिसिल्टिंग जरुर होनी चाहिए। इस बात को पूछने के लिए कई सदस्य भी अपने हाथ उठा रहे है।

श्री फुलचन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, आपने भी चिंता जाहिर की और कई सदस्यो ने भी इस बारे में अपनी चिंता व्यक्त की थी। जब ठेकेदारी सिस्टम नही था तो उस समय कुछ जिम्मेवारी फिक्स होती थी और काम समय होता था। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या ठेकेदारी सिस्टम को खत्म किया जाएगा? विभाग के हमारे बहुत अधिकारी है वे क्या काम करते है?

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, मुलाना साहब ठीक कह रहे है। पीछे ऐसी बातें हुठ कि जैसे 31 मार्च आ गया और फंडज लैप्ल हो रहे है। 31 मार्च से पहले पहले फंडज विदड्रा किए जाते है जो कि ऐक्चुअली स्पैट नही होते। नहरो की डिसिल्टिंग करा दी जाती है। होता यह है कि बरसात हुई और उसके बाद उसमें फिर से सिल्ट आ जाती है। इस तरह से जो यह सिस्टम है यह गलत है। आप सदन को इस बारे मे ए योर करवाओ कि यह जो डीसिल्टिंग आपरे ान है यह रेनी सीजन से पहले पहले हो जाएगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय मैने पहले भी इस बारे में कहा है। कल भी इस सदन मे बात उठरी थी की कंट्रैक्टर बीच मे ही काम छोड कर चले जाते है। इस समस्या का हल के लिए हम कंडी ांज को स्ट्रीजैंट कर रहे है। अर्नेस्ट मनी और सिक्योरिटी मनी बढा रहे है। रिसक एंड कास्ट बंद कर रहे है। जहां तक डिसिल्टिंग की बात कही गई है उसके लिए हमने बकायदा कमेटी बना रखी है जिसमें इंचार्ज एस डी एम को बनाया है और ठेकेदार की जो पेमैंट सब्जैक्ट टू है और पेमैंट तभी हेागी जब एस डी एम इंचार्ज यह देख लेंगे कि काम हो गया है या नही। जहां तक डीसिल्टिंग का सवाल है डिसिल्टिंग जितनी पिछले तीन वर्शो मे हुई है उतनी उससे पहले कभी नही हुई। जे एल एन कैनाल में 8–8 फुट गहरी गाद थी। अध्यक्ष महोदय, आपके क्षेत्र मे जो भी जे एल एन कैनाल निकलती है और आप जानते है कि कभी भी उसकी डिसिल्टिंग नही हुई थी। यह बात बिल्कुल सही है और हम कोि ा ा करेंगे कि जितनी भी ड्रेने है उनकी सफाई हम बरसात आने से पहले पहले करने की पूरी कोि ा ा करेंगे। सारी ड्रेनो की सफाई के बारे में तो मै झूठा आ वासन नही दे सकता कि सारी की सारी ड्रेनो की सफाई हो जाएगी लेकिन ज्यादातर ड्रेनो की सफाई बरसात से पहले पहले करवाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ और सिरसा

मे नरेगा स्कीम है उस स्कीम के तहत जोहडो की खुदाई और मिटटी का काम होता है। हमारे जिले मे उस स्कीम के तहत कोई काम नही हो रहा है। काम बहुत है और फंडस भी बहुत आ रहे है लेकिन सारे अधिकारी खाली बैठे हुए है। मै चाहूंगा कि नहर महकमे के साथ मिलाकर यह काम किया जाए। मंत्री जी ऐसे आदे ा दें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः आप जिस बारे में प्र न कर रहे है। उसके बारे मे आपकी मौजूदगी मे वहां के डी सी और सारी स्टेट के आफीसर्ज की मैने मीटिंग नारनौल मे ली थी और आपके सामने ही डी सी ने कहा था कि नरेगा स्कीम के तहत हमने सफाई करवाई है।

श्री नरे ा यादवः उस दिन की मीटिंग तक भी सफाई नही हुई थी और अब तक भी सफाई नही हुई है। मेरा निवेदन है कि अब नरेगा स्कीम के तहत सफाई का यह काम आप करवाएं।

श्री अध्यक्षः नेर ा यादव जी, आप चेयर के थ्रू बात कीजिए। सीधे कोई कम्यूनिके ान न करें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य द्वारा हवा मे कोई बात कह देना कि अब तक सफाई का काम नही हुआ है, यह बात ठीक नही है। मै माननीय सदस्य को यह भी बता दूंगा कि नरेगा स्कीम के तहत कितना पैसा हमने खर्च किया है। जिस तरह से सैल्फ इम्पलायमैंट स्कीम जो हमारी

यू0 पी0 ए0 की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी के प्रयासो से लागू हुई थी, अब पूरे प्रदे ा मे नरेगा स्कीम लागू हो जाएगी और हमने यह भी हिदायत दी है कि बजाय इसके कि इरीगे ान डिपार्टमैंट का पैसा उस काम मे लगे, उसमे हम चाहते है कि सैल्फ एम्पलायमैंट स्कीम जिसमे 90 दिन तक रोजगार मिलेगा, उस स्कीम का पैसा लगे ताकि 90 दिन मजदूरो को रोजगार भी मिल जाए। उस स्कीम के माध्यम से हम ड्रेन्ज की सफाई के बारे में कार्यवाही कर रहे है। इसके लिए हमने निर्दे ा भी दे दिये है। डी सी को भी लिखकर भेजा है। हम यह भी पूरी कोि ा ा करेगे कि स्टेट का पैसा लगने की बजाय नरेगा स्कीम का पैसा लगे। हमारे यहां पर लोगो को मजदूरी भी मिल जाए और काम भी हो जाए। इसके लिए हम पूरी कोि ा ा कर रहे है। अध्यक्ष महोदय महेन्द्रगढ मे तो मैने स्वयं कोि ा ा करके काम करवाया है।

To Improve the Sewerage System of Hansi City

***988. Shri Amri Chand Makkar:** Will the Water Supply and sanitation Minister be pleased to state-

(a) nwhether it is a fact that the sewerage system of Hansi City is in very bad condition due to old sewerage lines; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to improve the sewerage system of Hansi City; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the government to lay sewrage system in the new colonies of Hansi City?

Power Minister (Sh. Randep Singh Surjewala):

(a) & (b)

At present the sewerage system serving Hansi city consistes of 42 KM of sewer lines, Six intermediate pumping stations and a main disposal. The Syste4m is overall functioning smoothly and improvements works including capacity augmentation are being undertaken where required. A project for improving the system by replacing old, undersized sewer lines by larger ones is under implementation at a cost of Rs. 156.00 lacs and is expected to be completed by 31.08.2008.

Another project for providing sewerage to 28 newly approved colonies and construction of a sewage Trreatment Plant (STP) for Hansi City with an estimated cost of Rs. 1650.00 lacs is proposed to be taken up under a World Bank Project which is presently under consideration.

स्पीकर सर, मै यह भी बताना चाहूंगा और कल भी मैने बताया था कि 705 लाख रुपये बूस्टिंग स्टे ान के लिए हमने दिए है और अप्रैल 2008 तक यह काम पूरा कर देंगे। 156 लाख रुपये की रा ि। सीवरेज के लिए दी है और इसका काम 31 अगस्त, 2008 तक पूरा कर देंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कडः धन्यवाद स्पीकर सर, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है कि हांसी भाहर मे सीवर समूथली काम कर रहा है। वहां पर सीवर की बहुत बुरी हालत है। कितनी दफा लोग धरने दे चुके है और वहां के एस डी एम से मिल चुके

है। वहां पर जो सीवर डाला हुआ है वह बहुत पुराने हिसाब से डाला हुआ है और आबादी अब ज्यादा बढ चुकी है। हर जगर सीवर का पानी चौक मारता है, बाजारो मे गलियो मे सीवर का पानी फैला हुआ है। बारि ा की दो बूंद गिरने से सारे भाहर की गलियो मे बुरा हाल हो जाता है। इसी प्रकार से वहां पर 28 कालोनियां सरकार ने मंजूर की है उनका थोडा बहुत काम भ्रुरु हुआ है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि हांसी के सीवर का काम जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, 28 कालोनियो का काम तो अभी भ्रुरु नही हुआ है। माननीय सदस्य कह रहे है कि उन कालोनियो का थोडा बहुत काम भ्रुरु हो चुका है। मैने जो जवाब मे यह कहा है कि 28 कालोनियो का काम तो अभी भ्रुरु नही किया है। उन 28 कालोनियो के लिए 1650 लाख रुपया अतिरिक्त चाहिए। हमने केस वर्ल्ड बैंक के प्रोजैक्ट के अंदर भेजा हुआ है। जहां तक पुराना सीवर रिप्लेस करने की बात है, मैने जवाब में लिखा है कि वहां प्राब्लम थी तभी हमने 156 लाख रुपये की रा ि ा दी है और हम 31.08.2008 तक इस प्रोजैक्ट को पूरा कर देंगे। अगर और रा ि ा की जरुरत पडती है वर्श 2008–2009 मे और देंगे। It is a continuous process. हांसी एक पुराना ऐतिहासिक भाहर है। एक दिन मे हम पुराना सीवर नही बदल सकते। हमारे पास फण्डज सीमित है। 750 लाख रुपये पीने के लिए और 156 लाख रुपये सीवर के लिए दिए है जो अप्रैल

तक पूरा काम करेंगे और इस समय 8–9 करोड रुपये का काम तो हांसी भाहर मे जारी है।

आई जी भोरसिंहः स्पीकर सर, जुलाना एक छोटा सा टाउन है। वर्श 1996–1999 की सरकार के समय जुलाना में सीवर सिस्टम का काम भ्रारु हुआ था जिस पर लगभग 20–25 लाख रुपया खर्च भी हो गया है। उसके बाद जो सरकार आई उसने जुलाना की कमेटी को तोड दिया और जुलाना को गांव बना दिया। अब जुलाना की कमेटी दोबारा से बना दी है और जमीन भी काफी है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या जुलाना मे दोबारा से सीवर सिस्टम का काम भ्रारु करने का सरकार का कोई प्रपोजल है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की बात बिल्कुल वाजिब है लेकिन जुलाना छोटा टाउन नही है जींद जिले का एक महत्वपूर्ण भाहर है। माननीय सदस्य वहां के नुमाइंदगी करते है और इनके नेतृत्व मे उस भाहर ने ग्रोथ की है और जींद के बडे भाहरो में और प्रगति ील भाहरो मे जुलाना का नंबर आता है। हमारे पास जुलाना भाहर मे सीवरेज डालने की प्रपोजल है और वर्श 2008–2009 के साल मे जो एक अप्रैल से चालू होने जा रहा है उसमें जुलाना मे सीवर डालने के लिए पैसा देने वाले है।

Supply of Raw Water through Cemented Pipes

***963. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj:** Will the Water Supply and Sanitation Minister be pleased to state whether it is a fact the raw water to water-works at village kont in Bhiwani is being supplied by open Nala; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to supply water to water-works at village Kont through cemented pipes?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Yes, Sir the raw water to water-works at Village Kont is being supplied from open Haluwas Minor of Irrigation Department and thereafter through open inlet channel of the Water Supply & Sanitation Department.

Yes, Sir the works of laying 20'' diameter Reinforced Cement Concrete (RCC) pipe combined inlet channel from Bhiwani Distributary for water works Kont and water works Ninan, has been completed. The raw water from this Distrtibutary would be made available at water works Kont after commissioning of the pumping station and completion of 3.57 Kms, rising main of 12'' diameter Asbestos Cement (A.C) pipe from water works Ninan to water works Kont. This work is likely to be completed by 31st March, 2008 at a cost of Rs. 41-75 lacs.

डा0 ि शव ंकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि निनाण वाटर वर्क्स से तो 20 इंच के पानी से सप्लाई कर रहे है और कोंट वाटर वर्क्स पुराना वाटर वर्क्स है और यह वाटर वर्क्स ढाण लाडनपुर, ढाण नरसाण, अजीतपुर, पूर्णपुरा और कांट छः गावों को वाटर सप्लाई करता है

इसलिए कोंट वाटर वर्क्स बहुत महत्वपूर्ण है और मुझे नही लगता कि 12 इंच से इसकी भरपाई हो पायेगी।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने पहले भी यह चिंता जाहिर की थी और हमने अपने एक्सपर्ट इंजीनियर्स से यह एग्जामिन भी करवाया था और उन एक्सपर्टस ने एग्जामिन करके यह कहा है कि यह सफीि ाएंट है और पानी पहुंच जाएगा इसलिए मुझे लगता है कि माननीय सदस्य की जो यह चिंता है भाायद यह वाजिब नही है। अगर कोई और दिक्कत आएगी तो I assure कोई प्राब्लम नही होगी। Sir, we stand committed. निनाण मे वाटर वर्क्स की जहां तक बात है इसके लिए हमने 114 लाख 55 हजार रुपये दे रखे है। कोंट मे 41 लाख 75 हजार रुपए जिसकी मैने चर्चा की वह भी हमने दे रखे है। ये दोनो कार्य पूरे हो जाएंगे तथा और भी कोई दिक्कत अगर रहेगी तो I assure him, we will get it sorted out.

Sewerage System in Sohna City

***986. Sh Sukhbir Singh Jaunapuria:** Will the water supply and sanitation Minister be pleased to state whether the sewerage system of Sohna City is lying incomplete; if so, the time by which it is likely to be completed?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): The work for laying of sewerage system alongwith a Sewage Treatment Plant (STP) in Sohna City at an estimated cost of Rs. 584.85 Lacs is in progress and is likely to be completed by

March, 2009. इसके अलावा कल मैने 65 करोड रुपए से अधिक की स्कीम के बारे में बताया था। जहां तक इस ट्रीटमैंट प्लांट की बात है तो इसको हमने चैक करवा लिया है और इसको हम जल्दी ही पूरा करवा देंगे।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरियाः अध्यक्ष महोदय, हमारे सोहना को सबसे पहले यह स्कीम दी गई थी लेकिन करीब 80 परसैंट एरिया जो छूट गया है वहां आबादी बसी हुई है और वह एरिया म्यूनिसिपल कमेटी मे आता है इसलिए मै मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि वे अधिकारियो को निर्दे ा दे कि कुछ एरिया जो छुट गया है उसके भी इस स्कीम में ले लिया जाए। पूरे भाहर का पानी इधर उधर बह रहा है। जब तक भाहर मे ट्रीटमैंट प्लांट नही बनेगा तब तक भाहर की व्यवस्था ठीक नही हो सकती। मेरा आपसे अनुरोध है कि इस प्लांट को जल्दी बनवाया जाए और 80 परसैंट जो एरिया बसा हुआ है और छुट गया है उसको भी इसमें इन्कल्यूड कर लिया जाए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैने इनका सुझाव नोट कर लिया है और हम इस बारे में अधिकारिये को हिदायत दे देंगे।

New Roads Constructed in Naggal Constituency

***977. Sh. Nirmal Singh:** Will the P.W.D (B&R) Minister be pleased to state the number of new roads constructed in Naggal Constituency during the last three years

togetherwith the number of new roads which are proposed to be constructged alongwith the progess thereof?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Sir, 20 new roads have been constructged during last 3 years. One new road is in progress and one is approved for construction.

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वे बताएं कि जिन 20 नई सडको का इन्होने जिक्र किया है ये कब मंजूर हुई थी और इन को बनाने पर कितना पैसा खर्च हुआ था और ये सडके कौन कौन सी है? इन्होने कहा है कि एक सडक और बनाने जा रहे है। वह कौन सी सडक है और इसके लिए कितना पैसा दिया गया है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये जो सडके है इनमे पहली सडक है जगौली से पंजाब बोर्डर तक इसको हमने नवम्बर, 2005 को पूरा किया है। पिछली सरकार के दौरान इस सडक की सिर्फ कागजो मे बात कर रखी थी, न कोई बजट मे पैसा दिया था और न ही कोई और प्रावधान किया था। इस सरकार के आने के बाद बहुत काम किए गए है। दूसरी सडक बलाना से पंजाब बोर्डर तक है, इसको दिसम्बर 2005 मे पूरा किया गया है। पंजोला से पंजाब बोर्डर तक की सडक को नवम्बर 2005 मे पूरा किया है। सोंटा रसे पंजाब बोर्डर तक की सडक को दिसम्बर, 2005 मे पूरा किया है। एक लिंक रोड मोहडा से दुराना से भोंकर माजरा को सितम्बर 2007 में पूरा किया है। एक लिंक रोड सरगना से पंजाब बोर्डर तक को नवम्बर 2007 मे पूरा किया

गया है। अध्यक्ष महोदय, हमने मार्किटींग बोर्ड की भी सडके बनाई है। सोनटा से इस्मालपुर तक की सडक को जून, 2007 मे पूरा किया है। कोंट कछुआ से भााहपुर तक की सडक को अप्रैल, 2007 मे पूरा किया है। भूनि से पंजाब बोर्डर तक की सडक को अप्रैल 2007 मे पूरा किया है। इस प्रकार से टोटल आप देखेंगे कि 41.5 किलोमीटर सउके इन तीन सालो मे हमने बनाई है जिन पर करीबन 3 करोड 93 लाख रुपये लगे है। एक और सडक है जसोई से बि नोर कालेानी जिसकी लैंथ प्वायंट 48 किलोमीटर है उस पर काम चल रहा है और इस पर 4.9 लाख रुपये की लागत आएगी। The road from Udarpur to Bantoran has been approved for construction vide Memo No. CRR 3831, दिनांक 4 फरवरी, 2008 को पूरी हो गई है, इसकी लैंथ 1.82 किलोमीटर है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा इनकी मठेडी से सेखों ननलौना रोड अप टू पंजाब बोर्डर बनाने पर प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत 2 करोड 52 लाख रुपए लगे है। एक और सडक जगाधरी अम्बाला से अम्बाला हिसार तक है इस पर प्रधानमंत्री सडक योजना के तहत 7 करोड 90 लाख रुपये लगे है और काम चल रहा है। इसके अलावा अम्बाला–हिसार रोड टू कलावर, डानीपुर, अप टू जखवाल और एक अम्बाला–हिसार रोड टू विपेज निहारसी तक सडक है, इसका काम कम्पलीट हो गया है और इस पर नाबार्ड के तहत करीब 2 करोड 82 लाख रुपये लगे है और इसकी लैंथ 18.85 किलोमीटर है। मठेडी से सेखों नन्नौला रोड से जगौली खेडा से अम्बाला हिसार रोड जिसकी लैंथ 8.6 किलोमीटर

है उस पर आलरेडी काम चल रहा है। नाबार्ड के तहत इस परी 95.25 लाख की लागत से काम हो रहा है।

श्री निर्मल सिंहः प्रधान मंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत तो सउको की रिपेयर के काम हुए है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः मै सउको की रिपेयर की ही बात कर रहा हूं। इसी प्रकार से वाईडनिंग के उपर जगाधरी–अम्बाला टू पडेल माजरा रोड पर काम हुआ है। इसके अतिरिक्त माननीय साथी के हल्के मे दूसरी सडको पर भी काफी काम रिपेयर का हुआ है।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी बता रहे ि कि मेरे हल्के में एक नई सडक बनाने जा रहे है वह रोड कौन सी है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, वह रोड उदयपुर से बांतरो है। यह सडक 1.82 कि0 मी0 लम्बी होगी जिस पर 42.27 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस सडक को बनाने के लिए टैंडर रिसीव हो चुके है और जल्दी ही काम भाुरु कर देंगे। यह सडक मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनाई जा रही है। अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य ने इनके हकले मे बनने जा रही सडको के बारे मे पूछा था इसलिए मैने मार्केटिंग बोर्ड और पी डब्ल्यू डी द्वारा जो सडके बनाई जा रही है उनकी पूरी डिटेल दी है। इनके हल्के मे 8 के करीब सडके पी डब्ल्य डी द्वारा बनाई जा रही है। अध्यक्ष

महोदय, माननीय सदस्य के हल्के मे दूसरी जगहो के मुकाबले ज्यादा पैसे खर्च किया जा रहा है। इनके हल्के में पी डब्ल्यू डी की तरफ से 10.80 कि मी और मार्केटिंग बोर्ड के द्वारा तकरीबन 30 कि मी लम्बी सउके बन रही है।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने पी डबल्यू डी और मार्केटिंग बोर्ड द्वारा जो सउके बनाई जा रही है उनके बारे मे बताया है। इन्होने बताया है कि मेरी कान्स्टीच्यूएंसी मे ज्यादा पैसा दिया गया है। अध्यक्ष महोदयश, मेरी कांस्टीच्यूएंसी क्षेत्रफल के हिसाब से बहुत बडी है। मेरे हलके मे 306 कि मी का सडको का जाल है। मेरे हलके मे जो सडके पहले बनी हुई है उनकी रिपेयर करना बहुत जरुरी है। एक सडक बोह से बब्याल की रिपेयर करना बहुत जरुरी है। इस सडक पर कई गांव पडते है। इस सडक के बारे में मैने कल भी चर्चा की थी। माननीय मंत्री जी बताये कि इस सडक की क्या पेाजी ान है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बोह से बब्याल के बारे में कहा था कि यह सडक टांगडी नदी के साथ साथ अम्बाला कैंट तक बनानी है। इन्होने यह भी कहा था कि 6 करोड रुपये खर्च करके वहां रिटेनिंग वाल बनवाई जाये। मै माननीय साथी को कहना चाहूंगा कि इसको हम एग्जामिन करवा रहे है और इस एग्जामिन करवाने के बाद ही मै ठोस जवाब दे सकूंगा कि इसके कब तक बनाया जायेगा। इसमे

80 हजार की आबादी पडती है। हमारी सरकार जहां जहां जरुरत होती है वहां वहां सडके बनाती है।

श्री फुलचन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जगाधरी रोड टू अम्बाला हिसार रोड मुलाना और नग्गल दोनो हल्के से होकर गुजरता है। दो साल हो गये इस रोड पर प्रधान मंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत वाईडनिंग और स्ट्रैग्थनिंग का काम भाुरु हुआ था। मुझे बडे दुख के साथ कहना पडता है कि इस सडक पर बहुत बिलो क्वालिटी काम हुआ है और काम पूरा भी नही किया गया है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इस पर क्या कार्यवाही की जायेगी और कब तक यह रोड बना दिया जायेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जगाधरी अम्बाला रोड अप टू अम्बाला हिसार रोड पर कार्य चल रहा है। इस पर 7.90 करोड रुपयेक अब तक खर्च हो चुके है। जहां तक माननीय सदस्य ने बिलो क्वालिटी वर्क का जिक्र किया है इस बारे में मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हम इसकी जांच करवाएंगे और क्वालिटी मे कमी होगी तो जो भी दोशी अधिकारी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। चाहे कोई कितना भी बडा अधिकारी क्यों न हो उसे बख्भाा नही जायेगा।

Upgradation of P.H.C, Naultha to C.H.C

***991. Smt. Parsanni Devi:** Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Primary health

Centre, Naultha in district Panipat to Coomunity Health Centre; if so, the time by which the said P.H.C is likely to be upgraded?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): हां श्रीमान् जी। प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र नौलथा का दर्जा बढाकर सामुदायिक स्वास्थय केनद्र करना सरकार के विचाराधीन है। समय सीमा नही दी जा सकती। माननीय स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से आदरणीय बहिन जी को यह भी बताना चाहूंग कि यह बात बिल्कुल सच है कि पी एच सी, नौलथा का `सी एच सी का दर्जा दिये जाने की प्रपोजल सरकार के विचाराधीन है लेकिन इसकी समय सीमा इसलिए नही दी जा सकती क्योंकि जमीन देने के लिए पंचायत का रेजोल्यू ान तो हमारे पास आ चुका है लेकिन वह जमीन अभी तक स्वास्थय विभाग के नाम ट्रांसफर नही हुई है।

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर सर, इस बारे में मै माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगी कि जमीन तो ये जितनी भी चाहे उतनी मिल सकती है और अगर ये चाहे तो और भी ज्यादा मिल सकती है जमीन की कोई समस्या नही है। इसके अलावा मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह भी पूछना चाहती हूं कि मेरे हलके मे पी एच सी, सींक, सी एच सी, मांडी किसी मे भी पूरा स्टाफ नही है। सींक मे तो एक डाक्टर है और वह भी डैपूटे ान पर है। सी एच सी अहल मे भी इस तरह से एक दो डाक्टर ही रहते है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह डाक्टरो की कमी कब तक पूरी हो जायेगी?

बहिन करतार देवीः स्पीकर सर, यह सवाल पहले भी इस सदन मे आ चुका है। तब भी मैने बताया था कि 232 डाक्टरो के पद इस समय खाली है। उनको भरने के लिए हमने रिक्वीजी ान एच एस एस सी को भेजी हुई है। कमी ान द्वारा इन पदो की एडवरटाईजमैंट भी की जा चुकी है और जैसे ही एचव एस एस सी से सिलैक ान लिस्ट हमारे पास आयेगी हम कोि ा ा करेगी कि जल्दी से जल्दी डाक्टरो के खाली पदो को भरा जाये। इसके साथ ही एक खु ाी की बात यह भी है और मै याद भी दिलाना चाहूंगी कि माननीय मंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी जो यह आ वासन दिया है कि डाक्टरो के वेतनमान पंजाब से ज्यादा हरियाणा में होंगे। इससे पहले यह भी एक कारण था कि वेतनमान कम होने की वजह से भी डाक्टर नौकरी मिलने पर हरियाणा से नौकरी छोडकर दिल्ली या पंजाब मे चले जाते थे और हमारे यहां डाक्टरो की कमी हो जाती थी। अब अगर वेतनमान दिल्ली और पंजाब के बराबर हो जाएंगे या उनसे ज्यादा हो जायेंगे तो फिर डाक्टर हरियाणा से नौकरी छोडकर बाहर जाने की कोि ा ा नही करेंगे।

श्री एस एस सुरजेवालाः स्पीकर सर, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कैथल में एक बहुत बडा गांव है उसका नाम है गुणा। क्या वहां पर पी एच सी खोलने का सरकार का कोई प्रोग्राम है और अगर है तो क्या इसी साल मे उसे भाुरु करवायेंगे?

बहिन करतार देवीः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगी कि अगले साल में 10 पी एच सीज और 12–13 नये सी एच सीज अपग्रेड करने का सरकारका विचार है। माननीय सदस्य ने अभी लिखकर दिया है अगर यह गांव नार्म पूरे करता हेागा तो हम वहां पर भी जरुर पी एच सी बनाएंगे।

श्री नरे ा यादवः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय स्वास्थय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में कांटी और बाछौदा मे पी एच सी मंजूर हुई थी उन पर कब तक काम भ्ाुरु हो जाएगा? इसके अलावा माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अटेली मंडी के लिए 50 बैड का हास्पीटल अनाउंस किया था उस पर कब तक कार्यवाही भ्ाुरु हो जाएगी?

बहिन करतार देवीः माननीय स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है इस बारे मे इनको बताना चाहूंगी कि अभी 39 स्थानो पर काम चालू है और नये बजट मे जो पैसा स्वास्थय विभाग के लिए निर्धारित हुआ है उसके मुताबिक जो माननीय मुख्यमंत्री जी की अनाउंसमैंट है उनको पूरा करने के लिए कमीटिड है और माननीय मुख्यमंत्री भी ऐसी कमिटमैंट नही करते जो पूरी न हो सकती हो इसलिए अगले साल मे जरुर उन पर काम भ्ाुरु हो जाएगा।

Position of Staff in P.H.Cs

***996. Sh. Bharat Singh Beniwal:** Will the Health Minister be pleased to state-

(a) the position of the staff in Primary Health Centres of Nathusarai Chaupta, Darbakalan, Ding and Randhawa togetherwith the number of posts lying vacant alongwith the time since when the said posts are lying vacant;

(b) the names of the Sub Health Centre which are functioning undr the Primary Health Centres mentioned in part(a) above togetherwith the details of vacant and filled up posts in these Sub-Health Centres; and

(c) whether the Primary Health Centre Derbakaln mentioned in part (a) above has its own building; if not, the name of place where the said Primary Health Centre is functioning at present and whether there is any proposal under consideration opf the Govt. to construct the building for the said Primary Health Centre; if so, the time by which it is likely to be constructed?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): श्रीमान् जी।

(क) सूचना सदन के पटल पर रखी है।

(ख) सूचना सदन के पटल पर रखी है।

(ग) नही, श्रीमान् जी। प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र दडबाकलां का सरकारी भवन नही है। वर्तमान मे यह प्राथमिक स्वास्थय केन्प्द्र ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध करवाये गये पंचायत

भवन में कार्य कर रही है। यहां पर सरकारी भवन बनाने का कोई प्रस्ताव अभी सरकार के विचाराधीन नही है।

सूचना

नाथूसरी चौपटा, दडबांकलां, डींग तथा रंघावा के प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रेा मे अमले की स्थिती

क्रम संख्या	पद का नाम	प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र का नाम															
		नाथूसरी चौपटा				दडबां कला।				डींग				रंघावा			
		स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है
1	चिकित्सा	2	—	2	11.09.	2	1	1	पिछले चार	2	1	1	1.12.	2	2	—	—

	अधिकारी				07				साल से				07				
2	दन्तक सर्जन	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3	दन्तक मैकेनिक	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4	औशधाकारक	1	1	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
5	स्टाफ नर्स	1	—	1	7.3.08	1			1.3.02	1	1	—	—	—	—	—	—
6	लैब टैक्निि यन	1			21.1.08	1			11.7.03	1	—	1	2.6.01	1	—	—	12.5.04
7	एम पी एच एस (एम)	1			2005 से	1			2005 से	1	—	1	2005 से	1	—	1	2005 से

8	एम पी एच डबल्यू (एफ)	1			—	1			—	1	1	—	—	1	1	1	—
9	एम पी एच एम (एफ)	1			2003 से	1			2003 से	1	—	1	2003 से	1	—	1	2003 से
10	चतुर्थ श्रेणी	—	—	—	—	1	1	—	—	3	3	—	—	—	—	—	—

सूचना

नाथूसरी चौपटा, दडबांकलां, डींग तथा रंघावा के प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रो मे अमले की स्थिती

क्रम संख्या	प्राथमिक स्वास्थय	उप स्वास्थय केन्द्र का	एम पी एच डब्ल्यू (एम)	एम पी एच डब्ल्यू (एफ)	एम पी एच एस (एफ)

	केन्द्र का नाम	नाम												
			स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त	जिस तिथि से पद रिक्त है
1	नाथूसरी	चहरवाला	1	1	—	—	1	1	—	—	1	—	1	2003 से

	चौपटा													
		कंगधना	1	1	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—
		नाथूसारी कलां	1	1	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—
		लूडेसर	1	1	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—
		नहराना	1	1	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—
		स्हारपूरा	1	1	—	—			—	—	—	—	—	—
		कुमारियां	1	—	—	2. 12. 07	1	—	1	2007 से	—	—	—	—
		ळंजीरा	1	—	1	2.6.	—	—	—	—	—	—	—	—

						07								
		भााहपुरिया	1	—		23. 1.07	—	—	—	—	—	—	—	—
		रामपूरा डिहलो	—	—	—	—	—	—	—	2007 से	—	—	—	—
2	दडबां कलां	दडबा कलां	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	2003 से
		जमाल	1	—	—	16. 2.07	—	—	—	—	—	—	—	—
		रुपावास	1	—	—	25. 2.07	—	—	—	—	—	—	—	—

3	डींग	डींग	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	2003 से
		करनवाली	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
		मकू शोरान	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
		शेरान	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
		साहूवाला	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
		जोधखान	1	—	—	9.4.07	—	—	—	—	—	—	—	—
		शेरपुरा	1	1			—	—	—	—	—	—	—	—
4	रंधावा	रंधावा	1	—	—	23.12.	—	—	—	—	—	—	—	2003 से

						07								
		नागियाखेडा	1	—	—	12. 5.07	—	—	—	—	—	—	—	—
		दुखडा	1	—	—	17. 7.07	—	—	—	—	—	—	—	—
		डींग टोनियां	1	—	—	16. 2.07	—	—	—	—	—	—	—	—

सम्मानीय स्पीकर सर, यह भी ऐसा ही क्वै चन है जैसा पिछला क्वे चन है। इसलिए इसके साथ साथ मै सभी सम्मानीय सदस्यो को मै यह बताना चाहती हूं कि डाक्टरो की कमी है। इसमं कोई दो राय नही है। लेकिन 232 डाक्टरो के पदो की एडवरटाईजमैंट आ चुकी है और जैसे ही एच एस एस सी से सिलैक ान लिस्ट आ जायेगी तो डाक्टरो के सभी खाली पदो को भरने की पूरी कोि ा ा की जायेगी।

श्री भरत सिंह बेनीवालः स्पीकर सर, मै माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मेरे दडबां कलां मे अगर डिस्पैंसरी चल रही है तो वह कहां पर चल रही है? अगर नई बनाई जा राही है तो कब तक बनाई जाएगी और नई डिस्पैंसरी मे अरग कोई डाक्टर है तो वह बतायें, चौथा डिस्पैंस्री मे है तो वह बतायें क्योंकि वहां पर 60 किलोमीटर के अंदर कोई डाक्टर नही है। वहां कम्पाउंउर रहते है डाक्टर नही है और अगर वहां पर कोई डाक्टर है तो उसका नाम क्या है?

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Question Hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Allotemnet of Land to the Tenants

***989. Sh. Amar Chand Makkar:** Will the Agriculture Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the poor persons have been farming on Government land in Hansi Bir farms since 1914 and there tenants have repeatedly requested the Haryana Government to allot said land to them; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to allot the above land to aforesaid tenants?

कृशि मंत्री (सदरार एच एस चटठा):

(क) हां श्री मान् जी।

(ख) नही, श्रीमान् जी।

1200 M.W. Thermal Power Plant ot be set up in Private Sector

***998. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Power Minister be pleased to state-

(a) the name of the companies which participated in the bidding of the proposed 1200 MW Thermal Power Plant to be set up in private sectore on the lands of Khanpur Khurd & Khanpur Kalan in Jhajjar Distt;

(b) the terma and conditions of awarding the bids; and

(c) whether the acquired land will be the ownership of the State Govt. or of the company?

कृशि मंत्री (सदरार एच एस चटठा):

(क) श्रीमान्, विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ख) जिला झज्जर मे निजी क्षेत्र मे लगाए जा रहे 1320 मैगावाट के ताप विद्युत संयंत्र के लिए बोलियां देने की भार्ते, भारत सरकार द्वारा मानक बोली दस्तावेजो के रुप में जारी की गई, समय समय पर सं ाोधित तथा हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (HERC) द्वारा अनुमोदित, ठेके प्रदान करने की भार्तो के अनुसार है।

(ग) अर्जित भूमि पर स्वामित्व इस परियोजना के लिए गठित स्पे ाल परपज व्हीकल (SPV) का रहेगा, जोकि बाद मे चयनित बोलीदाता के द्वारा अभिग्रहित कर लिया जाएगा। कम्पनियों ने रिक्वैस्ट फार क्वालिफिके ान (RFQ) प्रस्तुत किए है।

विवरण

निजी कम्पनियों से बोलियां आमंत्रित करने के लिए बोली की प्रक्रिया को दो भागो मे बांट दिया गया, बोलीदाताओ की तकनीकी योग्यता के लिए रिक्वैस्ट फार क्वालीफिके ान (RFQ) आमंत्रण और उसके बाद योग्य पाये गये बोली दाआतो से रिक्वैस्ट फार प्रोपोजल (REP) आमंत्रण। इन 19 बोलीदाताओ मे से 11 बोलीदाताओ को रिक्वैस्ट फार क्वालीफिके ान (RFQ) के लिय योग्य पाया गया। तत्प चात् हरयिाणा विद्युत नियामक आयोग (HERC) के अनुमोदन से 24.12.2007 को उपरोक्त 11 बोलीदाताओ को रिक्वैस्ट फार प्रोपोजल (RFP) दस्तावेज जिसमें बोली की भार्ते

उपलब्ध थी, जारी किये गये। 10.3.08 को निम्नलिखित 3 बोलीदाताओ ने अंतिम बोलियां प्रस्तुत की–

1. मैसर्ज सी एल पी पावर इंडिया प्रा लि0 ईस्ट मुंबई

2. मैसर्ज लैंको इन्फाटैक लिं0 हैदराबाद

3. मैसर्ज टोरैनट पावर लि0 अहमदाबाद

नियम 64 के अधीन वक्तव्य

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदप9 का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं कि ने ानल इंस्टीच्यूट आफ पब्लिक फाइनैंस एंड पॉलिसी हिंदुस्तान, भारत मे एक इंडिपैंडैंट आर्गेनाईजे ान है जो समय समय पर भिन्न भिन्न प्रांतो की क्या स्थिती है, निवे ा की गति, प्रति व्यक्ति आय, ग्रेास डामैस्टिक प्रोडक्ट और दूसरे आर्थिक प्रगति के आंकडे विभिन्न राज्यो के समय समय पर देखते है। इस संस्थान का आर्थिक जगत मे अपना एक स्थान है। अध्यक्ष महोदय,, आज के इंडियनर एक्सप्रैस अखबार मे से जो उसकी सीनियर फैलो है उनका एक आर्टिकल छपा है। यह पूरे प्रांत के लिए गौरव की बात है। अध्यक्ष महोदय,, आपकी अनुमति से मै सदन को बताना चाहूंगा उनहोने एक लिस्ट छापी है। जिसमें यह बताया गया है कि पूरे दे ा के अंदर आज से तकरीबन 10 साल पहलेक दिसम्बर, 1997 मे प्रति व्यक्ति निवे ा 8540 रुपये था और दिसम्बर, 2007 मे 10 साल बाद प्रति व्यक्ति निवे ा 22669 रुपये

है। उसके बाद उन्होने प्रांतवाईज यह फिगर्ज दी है। उसमें खु ाी की बात यह है कि उनमे पहले नंबर पर जिस प्रांत का नाम है वह हरियाणा प्रांत है और प्रति व्यक्ति निवेश दर 78710 रुपये दिखाई गई है। अध्यक्ष महोदय, एक बहुत ही इंट्रस्टिड बात यह है कि उन्होने टाप 20 स्टेटस दिखाए है जिनमे हरियाणा तो नम्बर एक पर है ही उस पूरे चार्ट मे आखिर मे रहने वाली 5 स्टेट ऐसी है जिनमें गैर कांग्रसी सकरा है। मै उनके नाम बताना चाहूंगा। सबसे पीछे है बिहार जिसकी प्रति व्यक्ति निवे ा दर 3081 है और वहां पर भारतीय जनता पार्टी का भाासन है। उत्तर प्रदे ा में प्रति व्यक्ति निवे ा 4722 है और वहां पर इस समय बहुजन समाज पार्टी की सरकार है और उससे पहले मुलायम जी की सरकार थी। असम की प्रति व्यक्ति निवे ा 7502 रुपये है और वहां पर कांग्रेस की ही सरकार है। उससे नीचे नंबर 17 पर राजस्थान की प्रति व्यक्ति निवे ा दर 8743 रुपये है और वहां पर भी भारतीय जनता पार्टी का भाासन है। मध्यप्रदे ा मे भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और वहां पर प्रति व्यक्ति निवे ा 13035 है ओर यह 16वें स्थान पर है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, बिहार में तो भारतीय जनता पार्टी की नही बल्कि जे डी यू की सरकार है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय,, मै इसके लिए माफी चाहूंगा लेकिन जे डी यू के साथ भारतीय जनता पार्टी भी एलायंस में है। अध्यक्ष महोदय,, यह दर कैसे बढी इसके बारे

में भी चर्चा की गई है और मै इस सदन मे चन्द लाईनो की तरफ सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। It says

"The Change in investment per capita over the last five years is roughly a measure of the capabilities of the administration and political leadership of the State."

अध्यक्ष महोदय, आर्थिक सूचकांक की सबसे बडी इंडिपैंडैंट संस्था ने चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा की सरकार के लिए यह लिखा है Speaker Sir, I repeat it again, it says-

"The Change in investment per capita over the last five years is roughly a measure of the capabilities of the administration and political leadership of the State. Speaker Sir, leadership of these five States done a good job of attracting investment and facilitating the implemenmtation of investment plans over the last five years."

वह तो उन्होने 5 साल का बताया है और प्रति व्यक्ति निवे ा आप देखिये 40 साल में प्रति व्यक्ति निवे ा केवल 40 हजार करोउ रुपये हुआ और 3 साल मे जब से हुडडा साहब की सरकार आई है, हरियाणा में 32 हजार करोड रुपये का निवे ा हुआ है और 68 हजार करोड रुपये का निवे ा पाईपलाईन में है। अध्यक्ष महोदय,, एक समय वह भी था जब उद्योग हरियाणा मे पलायन करते थे और हमने तो पांच साल के आंकडें तीन साल के भाासनकाल में बदल कर रख दिये है। (विघ्न)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनें।

Mr. Speaker: Sita Ram ji, Parliamentary Affairs Minister is making a statement in Zero Hour. आप लोग इनको डाईवर्ट कर रहे है। Whether you are endorsing the statement or de4nying it? डा0 साहब आप यह बताएं कि Whether you are endorsing it?

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मैने यह कहा है कि पिछले पांच साल का डेटा आया है जिसमें दो साल का हमारे समय का भी है। स्पीकर सर, मै यह बात कह रहा था कि स्टेट पहले सैकिण्ड पेाजी ान पर थी और अभी भी सैकिंड पर ही है। अभी हरियाणा स्टेट दे ा में पहले नंबर पर नही आया है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप एक बात बताएं कि आप स्टेट की प्रोग्रैस से खु ा है या नाराज है? (विघ्न) आप हां या ना मे जवाब दें (विघ्न एवं भाोर) पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर स्टेट की प्रोग्रैस बता रहे है, स्टेट की लीडरि ाप की बात कर रहे है और आप लोग ऐसा बिहेव कर रहे है। (विघ्न एवं भाोर)

मुख्यमंत्री (श्री भुपेंन्द्र सिंह हुडडा): अध्यक्ष महोदय, मै अपने आदरणीय आदरणीय साथियो को बताना चाहता हूं कि इनहोने पांच साल का जिक्र किया है। जहां तक पर कैपिटा इंकम का ताल्लुक है, जब से हमारी सरकार बनी है हमने जो प्रगति की है उसके बारे में यह इस एजैंसी की रिपोर्ट है। हम दे ा में 13 वे या 14वें स्थान पर थे और आज हम दे ा में नंबर वन स्टेट है। हम पिछले तीन साल के अरसे मे ही 14वें स्थान से पहले स्थान

पर अए है। अध्यक्ष महोदय,, ये पांच साल के बारे में कह रहे है जबकि यह एजेंसी की ओवर आल स्टेटमैंट है।

डा. सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, कोई भी काम हो उसमें समय तो लगता ही है। मै मानता हूं कि हमारी सरकार ने बहुत अच्छी भुरुआत की है। There is not doubt in it but initiation was taken by our government headed by Shri Om Parkash Chautala also.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का अफसोस है कि इन लोगो की समझ मे यह बात नही आती कि हरियाणा स्टेट ने अभूतपूर्व तरक्की की है। यह तरककी केवल कांग्रेस पार्टी की सरकार ने नही की है, बल्कि इसमें सबका सहयोग है। चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडउा के नेतृत्व में यह हो पाया है, यही बात में कहने का प्रयास कर हरा हूं। जैसे माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी फरमाया है। मैने तीन साल के आंकडे और गणित देकर आपको बताया है कि 32 हजार करोड रुपये की इंवैस्टमैंट तीन साल में हुई है और 40 साल में 40 हजार करोड रुपये का निवे ा था। स्पीकर सर, आंकडे अपनी कहानी भी कहते है।

श्री भुपेंन्द्र सिंह हुडडाः अध्यक्ष महोदय, जो पाईपलाईन में 68 हजार करोड रुपये है वह अलग से है। 33 हजार करोड रुपये on ground आ चुके है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जैसे माननीय मुख्यमंत्री जी ने बताया है कि another 65 to 68 thousand crore is in pipeline. स्पीकर सर, अगर हम वि ोश आर्थिक जोन का निवे ा भी इसमे लगा लें तो वह बहुत ज्यादा पहुंच जाएगा इसके आंकडे तो हम इस में दे ही नही रहे है। हम हरियाणा स्टेट का दे ा में 14वें स्थान से पहले नम्बर पर लेकर आए है। स्पीकर सर, यह ऐसा पहला इंस्टीच्यूट नही है यह दूसरा इंस्टीच्यूट है जिसने इस पर फिर मुहर लगाई है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय,, डा0 साहब कह रहे है कि हरियाणा प्रदे ा दूसरे नम्बर पर है। अध्यक्ष महोदय, मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि ये अपने प्रांत को नंबर एक से दूसरे नंबर पर ले जाने का प्रयास क्यों कर रहे है हम तो 14वें नंबर से खींच कर एक नम्बर पर लंकर आए है। अध्यक्ष महोदय, हम इस हाउस को ए योर करते है कि चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडउा के नेतृत्व में बाकी सूचकांक में भी यह प्रांत एक नम्बर की तरफ अग्रसर होगा।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव की सूचना

डा0. सीता रामः अध्यक्ष महोदय, हम तो चाहते है कि हरियाण स्टेट दे ा भर में नम्बर एक पर आए। अगर सरकार कही पर कोई गलतियां करती है तो हमारा काम सरकार को इस बारे मे बताना है। अध्यक्ष महोदय, मै जीरो आवर के अंदर एक मुददा उठाना चाहता हूं क्योंकि अभी मैने अखबार मे पढा है कि हरियाण प्रदे ा मे जेलो के अंदर जो मैडिसनज परचेज की जाती है उनमें

बहुत सी इररैगुलैरिटीज हुई है जिसके कारण स्टेट एक्सचैकर को भारी नुकसान हुआ है। इस रिपोर्ट मे तीन जेलो के नाम है हिसार, अम्बाला और एक और जेल है जिनके नाम इसमें लिए गए है। यह ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट है अध्यक्ष महोदय, मै चाहता हूं कि सरकार इस बारे में सदन का अवगत करवाए।

श्री अध्यक्षः डा साहब, अगर आपने यह खबर पढी थी तो you should have given the notice of calling attention motion before 9:00 a.m in the morning hours when the office is opened. अगर ओपोजी ान के मैम्बर्ज किसी विशय पर कोई कॉलिंग अटैं ान मो ान देना चाहते है तो विधान सभा कार्यालय मे इस बारें मे लिख कर दे सकते है।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, कालिंग अटैं ान मो ान जो हमने पहली दी है उनमे से हमारी कोई भी कालिंग अटैं ान मो ान मंजूर नही हुई। किडनी काण्ड के बारे मे हमने कालिंग अटैं ान मो ान दिया था उसका क्या हुआ? मैने जो लिखकर दिया था वह भी आपने एक्सैप्ट नही किया था। स्पीकर सर, जीरो आवर मे हम कोई भी मुददा उठा सकते है। हमने जो लिखित मे दिया था आपने उसके भी ऐक्सैप्ट नही किया।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप प्लीज बैठें। Please take your seat (interruptions) ऐसा है कि जैसे आपको गवर्नर एड्रेस पर बोलने का टाईम मिला और बजट पर भी आपको बोलने का टाईम मिला था, कल प्राईवेट मैम्बर्ज डे था जिसमे नान

आफि ियल बिजनैस भी था। यदि आप कोई कंस्ट्रक्टिव बात कहना चाहते है तो उसमें भी आप बोल सकते थे। I will allow you and I will give you plenty of time. डा.0 साहब यह सदन है इसकी एक गरिमा है, इसकी कुछ मान्यताएं है। यह सदन कांस्टीच्यू ानप पर बेसड है और जनता का मंदिर है। इस कांस्टीच्यू ान को बनाने के लिए लोगो ने पता नही कितनी बडी बडी कुर्बानियां दी है। मेरा सभी सदस्ये से आग्रह है कि दे ा का संविधान के तहत आप सदन की गरिमा को बनाए रखें। मै आपका कस्टोडियन हूं, मै आपको बोलने का समय दूंगा, प्लैन्टी आफ टाईम दूंगा। आप जो चाहे बोलना, एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलना, डिमाण्डज पर बोलना। आप स्पैसिफिकली बार बार एक ही बात को उठाओ, यह ठीक नही लगता है। अब आपने सुबह एक कालिंग अटें ान मो ान दी थी और उस पर लिखा था 'किडनी की गूंज'। मैने उपर देखा की कही कोई तरेड तुरेड तो नही आ गई। आपकी एक कालिंग अटैं ानन मो ान थी It was rejected because it is subjudice. It is alos under the CBI investigation and it cannot be discuswsed in the House. इस बारें मे मैन `सदन मे एक स्पैसिुफिक रुलिंग दी थी। आप यहां से जाकर प्रैस मे जाते हो और वहां पर एक गूंज उठा देते हो। उस गूंज को करने की बताए आप यहां पर गूंजो। आप यहां पर गूंज लगाओ। (ाोर एवं व्यवधान) सस्ती लोकप्रियता मे कुछ नही रखा है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, जो सी बी आई है यह सिर्फ जांच एजेंसी है। कोर्ट मे कोई केस नही चल रहा है। एच पी एस सी से जो रिलेटिड मामला था वह हमारे द्वारा सदन मे उठाया गया था। उस समय आपकी रुलिंग कहां गई थी, (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, सढौरा साहब, आप डिमांड पर बोल लेना। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंह सढौराः स्पीकर सर, आप कास्टोडियन आफ दि हाउस है। (ाोर एवं व्यवधान) आपसे एक सम्मानित सदस्य बोलने के लिए इजाजत मांग रहा था और आपने उस बात पर 10 मिनट का भाशण दे दिया। आप हमें अपनी एक बात उठाने के िलए भी समय नही देते है। आज इसको सारा सदन देख रहा है, सारा हरियाणाप पद्रे ा देख राह है और सारी प्रैस देख रही है। यहां पर सभी सम्मानित सदस्य बैठे हुए है। ये 90 के 90 सदस्य चुन कर आए है। (ाोर एवं व्यवधान) आपके कहने की और हमारे कहने की बात नही है, इसको सारी दुनिया देख रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सढौरा जी, आप ठीक कह रहे है कि सब देख रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) एम मिनट, आप सब मेरी बात तो सुनें। (ाोर एवं व्यवधान) Please take your seat. (ाोर एवं व्यवधान) I will not allow you to speak. (ाोर एवं व्यवधान) डा0

इन्दौरा जी, आप बहुत सीरियर मैम्बर हो, पार्लियामैंट मे भी रहे हो। मै आपको बताना चाहूंगा कि It is first time in the Histroy of Haryana that full day was given for discussion on demands, which has never happened. कि डिमाण्डज पर डिस्क ान हुई हो। आपके पास पूरी अपोरचूनिटी थी कि आप बोलें। (ाोर एवं व्यवधान) लेकिन आप तो बोलना ही नही चाहते है। (ाोर एवं व्यवधान) आप अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहते है। (ाोर एवं व्यवधान) सिर्फ सुर्खियों के लिए और सस्ती लोकप्रियता पाने के अलावा आपके पास कोई काम ही नही है और न ही आपके पास टाईम है। मै आपको यह कह रहा हूं कि आपको बोलने का पूरा टाईम दूंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंह सढौराः स्पीकर सर, आप अपनी अन्तर्ात्मा से पूछे ंकि इसके लिए कौन दोशी है। आप हमें बोलने नही देना चाहते है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः आप हमें बोलने दे। हमें अपनी बात कहने तो दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आज हैल्थ के बारे में डिमाण्ड है आप उस पर बोल सकते हो। (ाोर एवं व्यवधान) आप उस पर बोलते हुए लीवर पर बोल सकते हो, लंग्ज पर बोल सकते हो, हार्ठ के बारे में बोल सकते हो। (ाोर एवं व्यवधान) आप बॉडी के किसी भी पार्ट के बारे में बोल सकते हो। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, हम किसी जरुरी मुददे पर बोलना चाहते है, इस बारे में हम आपकी रुलिंग चाहते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी रुलिंग यही है कि आप जो भी बोलना चाहते है, उस बारे में आप डिमाण्ड पर बोल सकते है। (ाोर एवं व्यवधान) आप within the limit बोल सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः **********

Mr. Speaker.: Nothing is to be recorded. (ाोर एवं व्यवधान) इन्दौरा जी, आप बोलें।

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात सदन के ध्यान मे लाना चाहता हूं कि जैसा कि आपने कहा है औश्र मै भी यह कहना चाहता हूं हमस दन की गरिमा का पूरा ध्यान रखते है। हमारी कभी भी यह सोच नही है कि हमस दन की गरिमा को बिगाडें। हम भी यही चाहते है कि अच्छे काम हो। हरियाणा प्रदे ा के लोगो के लिए लोकहित की बात करें। अध्यक्ष महोदय,, मै दो दिन से नोअिस दे रहा हूं। पार्लियामैंट मे प्रैक्टिस रही है जो कि हमारे यहां पर भी है कि भून्य काल मे जितने भी नोअिस आप देंगे उनमे से जो भी पहले 15 नोटिस आएंगे उन पर सुनवाई होगी। हमने आपसे हाथ खडे करके बोलने की इजाजत मांगी कि हमें भून्य काल मे कुछ बोलने की इजाजत दी जाए लेकिन आपने

हमें बोलने का समय नही दिया। अध्यक्ष महोदय,, मैने परम्परा के आधार पर लगाता दो दिन नोटिस दिया कि कुछ मुद्दे है जिन पर हमें अपनी बात कहने का मौका दिया जाए और उनके बारे में सरकार सदन मे अपना जवाब दे दे। बस हम यही चाहते थे। हमारा सदन की गरिमा को बिगाडने का मकसद नही है, हमारा आचरण तो सदन को ठीक से चलाने का है। स्पीकर सर, आप हमारे कास्टोडियन है, इस बारे मे आपने अभी कहा भी है लेकिन यह जो पूंछ उठाकर बन्दरो की तरह गालियां निकालना, यह भाोभा नही देता है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, सदन के नेता यहां पर बैठे हुए है, मै इनसे कहूंगा कि हमारा पूरा कोओप्रे ान इनके साथ है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः वे भाब्द कल ही कार्यवाही से निकाल दिए गए थे। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिह हुडडा): अध्यक्ष महोदय,, मै इनको यह बताना चाहूंगा कि उन भाब्दो को कार्यवाही से निकाल दिया गया था। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, हम कोओप्रे ान मे अपनी तरफ से कोई कमी नही आने देंगे। लेकिन जो मुद्दे है उन पर चर्चा होनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब आप सभी ऐसे ही बोले जा रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) क्या आप जाना चाहते है। (ाोर एवं

व्यवधान) I will give you plenty of time and I will extend the House, अगर आप बोलेंगे तो। (ाोर एवं व्यवधान) मेरे साथ कोई प्रोब्लम नही है। (ाोर एवं व्यवधान) आपको मर्यादा मे ही सदन मे बोलना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, हम आपके आभारी है लेकिन ये जो अलंका प्रयोग होते है, यह एक गलत तरीका है। (ाोर एवं व्यवधान) आप हामरे से उम्र मे बडे है और हम भी चुने हुए प्रतिनिधि है। हो सकता है हम भी कल उस कुर्सी पर बैठ जाए। (ाोर एवं व्यवधान) हो सकता है उस कुर्सी पर बैठ जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इसके लिए तो आप ड्रांइंग रुम में झंडा गाडकर फूंक मारियो।

डा0 सु ाील इन्दौराः सर, फिर वही बात आ गई। क्या पता हम किसाको फुंक मारेंगे।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब मुझे भी पता है मै भी पोलिटिक्ल आदमी हू। मै भी इस चेयर के अलावा सारी बातो को जानता हूं।

डा0 सु ाील इन्दौराः स्पीकर सर, यह फैसला तो जनता करेगी। हाउस मे जनता की बात ही की जानी चाहिए।

डा0 सीता रामः स्पीकर साहब, यह तो प्रजातंत्र है इसमे पता नही कौन किधर आ जाए।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप बडे पढे लिखे जिम्मेदार सदस्य है कृप्या आप बिजनैस पर आएं। मै आपको बोलने के लिए अलाऊ करुंगा। (ाोर)

डा0 सु ाील इन्दौराः स्पीकर साहब, आपको हमने कालिंग अटैं ान मो ान के कई नोटिस दिए हुए है उनका आपने क्या फैसला लिया है? मैने एक कालिंग अटैं ान मो ान स्कारसिटी आफॅ वाटर इन गुडगांव सिटी दिया था। (ाोर)

श्री अध्यक्षः इस कालिंग अटैं ान के बारे मे आपको पहले भी बताया था कि वह अंडर कंस्ड्रेसन है लेकिन फिर ाी पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर ने उसके बारे में सारी स्थिती हाउस में स्पश्ट कर दी थी लेकिन उससे पहले आप सदन से वाक आउट करके चले गये थे।

डा0 सु ाील इन्दौराः स्पीकर सर, मैने भी किडनी स्कैण्डल इन हरियाणा के बारे में एक कालिंग अटैं ान मो ान दिया था उसका आपने क्या फैसला लिया है?

श्री अध्यक्षः वह डिसअलाऊ कर दी गई है क्योंकि यह मामला सबजुडिस है।

वाक आउट

डा0 सु ाील इन्दौराः स्पीकर सर, स्कारसिटी आफ वाटर इन गुडगांव सिटी के बारे मे स्थिती स्पश्ट नही है। इसलिए हम ऐज ऐ प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय इंडियन ने ानल लोकदल के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, मै आज फिर उस बारे में स्थिती बता देता हूं। इनको आप कहें ये सदन मेब ैठ कर मेरी बात को सुनें। ये पहले भी उस दिन वाक–आउट करके चले गए थे लेकिन फिर भी मैने उस दिन इस बारे में स्थिती स्पश्ट कर दी थी। ये अपनी अपनी सीट पर बैठें मै इनको उस बारे मे ंपोजी ान बता देता हूं। स्पीकर सर, इस बारे में हमने वहां पर जो प्रयास किए है वे मै आपकी इजाजत से बताना चाहूंगा। गुडगांव मे वाटर सपलाई इसलिए डिसटरप हो गई क्योंकि गुडगांव कैनाल मे ब्रीच हो गया था और वह ब्रीच पीछे कर लिया गया था। गुडगांव सिटी की वाटर सप्लाई स्कीम के वाटर टैंक में दो तीन दिन की वाटर स्टोरेज फैसिलिटी है। इस बारे में ज्यों ही मुख्यमंत्री जी को पता लगा इन्होने 21 तारीख की रात को ही सारे अधिकारियो की बैठक बुला ली थी। स्पीकर सर, अपोजी ान के सदस्यो को इसमे कोई रुचि नही है कि गुडगांव सिटी में क्या सुविधा है क्या दिक्कत है। मुख्यमंत्री जी ने 21 और 22 तारीख को रात को जो बैठक बुलाई उसमे चीफ सैक्रेटरी और मुख्तलिफ अधिकारी मौजुद थे। उस बैठक मे जो फैसला लिया

गया वह मै बता देता हू। गुडगांव कैनाल मे भविश्य मे ब्रीच न हो इसलिए लिए वहां पर परमानैंट पुलिस पोस्ट बना दी गई है। कैनाल के अंदर ब्रीच करने वाले लगभग 15 लोगो को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहां पर पैट्रोलिंग की व्यवस्था कर दी गई है ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। बाकी सारी बातें मैने उस दिन बात दी थी उनको दोबारा रिपीट करने को कोई फायदा नही है।

नियम 15 कें अधीन प्रसताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 15.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

The the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved-

The the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Question is-

The the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

the motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 16.

Power Minister (Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now, a Minister will lay papers on the Table of the House.

Power Minister (Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the table of the House.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/01/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/02/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/03/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/04/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/05/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/06/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/07/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/08/2004, dated

the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/09/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/10/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/11/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/12/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Haryana Electricity Regulator Commission Notification regarding Regulation No. HERC/13/2004, dated the 12th April, 2004 as required under section 182 of the Electricity Act, 2003.

The Annual Report of Haryana Electricity Regulatory Commission for the year 2005-2006, as required under section 104(4) and 105(2) of the Electricity Act, 2003.

The Annual Report of Haryana Forest Development Corporation for the year 1998-1999, as required under section 619-A(3) b of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of Haryana Forest Development Corporation Limited for the year 1999-2000, as required under section 619-A(3) b of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of Haryana Forest Development Corporation for the year 2000-2001, as required under section 619-A(3) b of the Companies Act, 1956.

The 33rd Annual Report of the Haryana Seeds Development Corporation Limited for the year 2006-2007, as required under section 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 40th Annual Report & Accounts of the Haryana Agro Industries Corporation Limited Chandigarh for the year 2006-2007, as required under section 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

विधन सभा समितियों की रिपोर्टस पे ा करना

(i) कमेटी आन सबोर्डिनेट लैजि ाले ान की 37वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Prof. Chhatar Pal Singh (Chairperson, Committee on Subordinate Legislation) will present the Thirty Seventh Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 2007-2008.

Prof. Chhatar Pal Singh (Chairperson, Committee on Subordinate Legislation): Sir, I beg to present the Thirty Seventh Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 2007-2008.

(i) कमेटी आनॅ गवर्नमैंट अ योरैंस की 37वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Shri Naresh Kumar Pardhan (Chairperson, Committee on Government Assurances) will present the Thirty Seventh Report of the Committee on Government Assurances for the year 2007-2008.

Shri Naresh Kumar Pardhan (Chairperson, Committee on Government Assurances): Sir, I beg to present the Thirty Seventh Report of the Committee on Government Assurances for the year 2007-2008.

(iii) कमेटी ऑन पब्लिक अकाउंटस की 62वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Shri S. S. Surjewala (Chairperson, Committee on Public Accounts) will present the Sixty Second Report of the Committee on Public Accounhts for the year 2007-2008 on the Reports of the Comptroller and Auditor General of India for the years ended (i) 31st March, 2002 (Revenue Receipts) (ii) 31st March, 2003 (Civil).

S. S. Surjewala (Chairperson, Committee on Public Accounts): Sir, I beg to present the Sixty Second Report of the Committee on Public Accounhts for the year 2007-2008 on the Reports of the Comptroller and Auditor General of India for the years ended (i) 31st March, 2002 (Revenue Receipts) (ii) 31st March, 2003 (Civil).

(iv)कमेटी आन पब्लिक अंडरटेकिंग्ज की 54वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, I.G. Sher Singh (Chairperson, Committee on Public Undertakings) will present the Fifty Fourth Report of the Committee on Public Undertakings for the year 2007-2008 on the Reports of the Comptroller and Auditor General of India for the years 2003-2004 and 2004-2005 (Commercial).

I.G. Sher Singh (Chairperson, Committee on Public Undertakings): Sir, I beg to present the Fifty Fourth Report of the Committee on Public Undertakings for the year 2007-2008 on the Reports of the Comptroller and Auditor General of India for the years 2003-2004 and 2004-2005 (Commercial).

(vi) कमेटी आनॅ दि वैल्फेयर आफॅ ि डयूल्ड कास्ट्स ि डयूल्उ ट्राईब्ज एंड बैकवर्ड क्लासिज की 31वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Smt Raj Rani Poonam, Chairperson, Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes will present the Thirty First Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes for the year 2007-08.

श्रीमती राजरानी पूनम (चेयरपर्सन, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछडे वर्गो के कल्याण के लिए समिति): स्पीकर सर, मै वर्श 2007–2008 की अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछडे

वर्गो के कल्याण के लिए बनी समिति की 31वीं रिपोर्ट सादन प्रस्तुत करती हूं।

(vii) कमेटी आफ हरियाणा विधान सभा टू एग्जामिन दि फिग्र्ज आफॅ वेव्ड लोन्ज आफॅ फार्मर्ज इन हरियाणा की रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Shri Mange Ram Gupta, Chairperson, Committee of Haryana Vidhan Sabha to examine the figures of waived loans of farmers in Haryana will present the Report of the Committee of Haryana Vidhan Sabha to examine the figures ofr waived loans of farmers in Haryana.

Shri Mange Ram Gupta, Chairperson, Committee of Haryana Vidhan Sabha to examine the figures of waived loans of farmers in Haryana): Sir, I beg to present the Report of the Committee of Haryana Vidhan Sabha to examine the figures ofr waived loans of farmers in Haryana.

हरियाणा के किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जाचं के लिए हरियाण विधान सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा

डा0 सु गील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बारे में अपनी बात कहनी है।

श्री अध्यक्षः आपने रिपोर्ट ही नही पढी है, तो आप उस बारे में क्या कहेंगे।

डा0 सु ील इन्दौराः सर, यह मामला मेरी पार्टी से संबधित है। मै चाहूंगा कि मेरे साथी ई वर सिंह पलाका जो की इस कमेटी के सदस्य है, वे भी हकीकत को सामने रखें।

बिजली मंत्री (श्री रणदप सिंह सुरजेवाला): सर, खुद जो सदस्य है वे इस बारें मे क्यों नही बोलते।

श्री ई वर सिंह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, जैसी कि मीटिंग मे चर्चा हुई थी उसके अनुसार यह बात हुई थी कि जो आंकडे माननीय सदस्य चौटाला साहब ने आपसे कहे थे, उनकी क्लेरिफिके ान करने के लिए माननीय चौटाला साहब नही आए थे। उन्होने करैक ान के लिए विधान सभा की प्रोसिडिंग मांगी थी। विधान सभा के नियमानुसार प्रोसीडिंग को करैक्ट करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाता है। जो उस वक्त मीटिंग मे चर्चा की गई उसमे माननीय मंत्री जी के आंकडे भी गलत पाए गये थे जो कि हरियाणा प्रदे ा के लोन से संबंधित थे। चौटाला साहब के आंकडो की क्लेरिफिके ान करने की बात कही गई थी। स्पीकर सर, क्रैक ान के 15 दिन के बाद ही प्रोसीडिंग की कापी वापिस भेजी जाती है। यह विधान सभा का नियम भी है कि विधान सभा की तरफ से माननीय सदस्यो के पास प्रोसीडिंग की कापी भेजी जाती है और वह करैक ान होकर वापस आती है उसके बाद रिपोर्ट पे ा की जानी चाहिए और सदन मे यह कमेटी बनी है इस पर यहां चर्चा का सवाल ही नही उठता।

श्री अध्यक्षः कई बार प्रिंट का मिस प्रिट हो जाता है। गलती किसी से भी हो सकती है। प्रैस से हो सकती है किसी से भी हो सकती है। एक बात मै आपको बताना चाहूंगा सैकिण्ड वर्ल्ड वार मे एक सैंटैंस मे एक जगह कौमा लगा दिया गया। एक सैंटैंस था कि रोको उसके बाद कोमा लगा दिया मत जाने दो परंतु वहां कोमा लग गया मत के बाद और सैंटेंस हो गया रोको मत, जाने दो और उस कौमे से सारा सैंटेंस ही उल्टा हो गया। ऐसे मामले मे छोटी छोटी बारीकियों पर जाना उचित नही। जो हो गया सो हो गया।

श्री ई वर सिंह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, कमेटी उसके बाद ही कोई निर्णय दे एक पक्ष की सुनकर तो नही।

श्री रणबीर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इजाजत से अपनी बात कहना चाहता हूं अगर पलाका साहब ने अपनी बात कह दी तो हो मै अपनी बात कहना चाहूंगा because he is on his legs. अध्यक्ष महोदय, एक तो माननीय पलाका जी उस कमेटी के सदस्य थे। अब कमेटी की रिपोर्ट सदन के सामने है और कमेटी ने जो आंकडे अफर्म भी किए है जो वहां पे ा भी किए गए थे। अब दुध का दुध और पानी का पानी सदन के सामने है। इस पर चर्चा सदन के अंदर करना इसलिए भी आव यक है ि कइस सदन के अंदर जो कहा जाता है वह स्पश्ट और सही कहा जाए। अगर आदमी सदन में आए तो सदन मे यहा लिखा भी है कि यहां न बोलने से या गलत बोलने से दोनो ही स्थितियों मे

मनुश्य पाप का भागी बन जाता है। अध्यक्ष महोदय, आपने दो रिफैरैंसिज किये थे कि वर्श 1987 के अंदर कितना लोन वेव आफ हुआ। वे आंकडे यहां पर आ गये है बडे स्पश्ट है और यह भी कहा गया कि बगैर किसी भार्त के लोन वेव हुआ था। सर, तीन भार्ते लगाई गई थी अब यह सामने आया है। वर्श 1987 मे लोन और इन्ट्रस्ट वेवर स्कीम थी जो श्री देवी लाल जी की सरकार लेकर आई थी। उनमे एक भार्त तो यह थी कि दस हजार रुपये से ज्यादा लोन माफ नही होगा। दूसरी भार्त यह भी थी कि 23.3. 1986 को यह रा ि ा देय होनी चाहिए और अगर सारा लोन वापिस देगा तो ही इस हजार रुपये की माफी होगी। चाहे एक लाख रुपये का लोन हो, चाहे दो लाख का हो या पचास हजार का हो। अगर दो लाख रुपये दोगे तो सिर्फ दस हजार की ही माफी होगी। वर्श 1987 की स्कीम मे जो लाने माफी हुई वह केवल 34 करोड 31 लाख रुपये की हुई। बैंक के आंकडे यहां मौजूद है। मैने कहा था 32 करोड रुपए मुझे तकरीबन अंदाजा था वही फिगर तकरीब यहां उभरकर आई है। सर, 1990 की स्कीम बडी इन्ट्रस्टिंग थी। चौटाला जी ने यह कहा था कि वर्श 1990 मे हमने 16514 करोड रुपए की लोन माफी कर दी। सर, वे सारे फिगर्ज सदन के सामने आ गये थे कोई भार्ते भी नही लगाई थी अब यह सामने आ गया कि उसके अंदर भी भार्ते थी। वर्श 1990 मे लोन माफी स्कीम के अंदर सीलिंग थी कि दस हजार रुपए से ज्यादा लोन माफ नही होगा चाहे आपको पांच लाख रुपए देने हो। उसके साथ आपको सारा लोन जमा कराना होगा तब ही आपके दस

हजार रुपए माफ होंगे। चौटाला साहब ने यहां पर सरेआम झूठ बोला है। इसके साथ भार्त यह भी थी कि 1.4.1986 को on or after 1.4.1986 के बाद का लोन लिया गया हो और 2.10.1979 को यह लोन बैंक को overdue हो गया हो। उस लोन का आधा हिस्सा हरियाणा प्रान्त की सरकार को देना था और आधा हिस्सा केन्द्र की सरकार ने देना था। यह भी स्पश्ट हो गया है कि हरियाणा मे कितनी लोन माफी हुई उन्होने बोलते हुए यह कहा था कि जिसकी पलाका साहब टैक्नीकल खामी की आड लेना चाहते है कि 15 दिन में हम प्रोसिडिंग्ज को करैक्ट कर सकते है और उन्होने कहा प्रदे ा सरकार पर उस सपय 4400 करोड रुपए का बोझ पडा कुल ऋण माफी हरियाणा मे हुई वह 130 करोड 79 लाख रुपये थी और उसका आधा हिस्सा हरियाणा सरकार ने दिया जो बना 65 करोड 45 लाख रुपए। (विघ्न) इन्होने मेरे बारे में कोई बात कही थी इसलिए मुझे उस बात पर बोलने का अधिकार है इसमे विचलित होने की क्या बात है। अब तो सारे आंकडे आ गये है।

11:00 बजे

श्री ई वर सिंह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, वर्श 1987–88 की जो बात माननीय मंत्री जी ने कही है उस समय माननीय मंत्री जी ने सदन मे 32 करोड रुपए कहा और उसकी एग्जैक्ट फिगर वर्श 1987–88 की लोन माफी की 34 करोड 31 लाख रुपये की थी और सर, 1990 मे माननीय औम प्रका ा चौटाला जी ने जो

बात कही थी कि वह किसी प्रदे ा की सरकार के लिए नही कही थी। उस समय चौधरी देवी लाल जी हरियाणा के मुख्यमंत्री न होकर हिंदुस्तान के उप प्रधानमंत्री थे। उन्होने जो बात कही थी वह थ्रू आउट आल स्टेटस के लिए कही थी। चौधरी देवी लाल जी ने केवल हरियाणा के नेता नही थे बल्कि पूरी भारत सरकार के नेता थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः पलाका जी, देवी लाल जी नेता तो थे लेकन उनको तीन तीर बार लगातार रोहतक मे रगडा लगाया गया। इतनी बडी भाख्भिायत का नेता क्या तीन तीन बार लगातार हारता है? (ाोर एवं व्यवधान) मै उनकी इज्जत करता हूं।

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, I am on my legs. आपने माननीय सदस्य को प्वायंट आफ आर्डर पर बोलने के लिए समय दिया इसमिए मै बैठ गया था, I am only making a point. कि चौटाला जी ने बोलते हुए कहा कि 4400 करोड रुपये का प्रदे ा सरकार के उपर बोझ पडा। जब आंकडे आए तो पता चला कि केवल 130 करोड 90 लाख रुपये की ही ऋण माफी हरियाणा में हुई जिसमे से हरियाणा सरकार का हिस्सा बनता था 65 करोड 45 लाख रुपये। अध्यक्ष महोदय, इसमे से हरियाणा सरकार का हिस्सा बनता था 65 करोड 45 लाख रुपये। अध्यक्ष महोदय, इसमे भी एक और इंट्रस्टिंग बात है कि जब इन लोगो की सरकार दिल्ली में थी जिसके उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल जी थे, यहां भी इनकी सरकार थी। वह सरकार चली गई

और 23 जून 1991 में नई सरकार आ गई। ये 65 करोड 45 लाख रुपए भी पूरे नही दे पाए, वे भी बाकी हमने दिए। वे आंकडे भी अपनी कहानी कहते है। (ाोर एवं व्यवधान) आप सुनिए तो सही। इसमे कोई विचलित होने की बात नही है। यह तो आंकडे आ गए। ये भाोर मचाते है ताकि यह बात सदन के सामने न आए। (ाोर एवं व्यवधान) आज जब बोल रहे थे तो मै बैठ गया था। अब आप दोबारा बोलना चाहते है तो मै बैठ जाता हूं। मै बात जरुर बताउंगा। 1990 की स्कीम के तहत 130.90 करोड रुपये में से 50 प्रति ात भोयर के मुताबिक 65.45 करोड रुपये स्टेट गवर्नमैंट/कोपरेटिव बैंक का हिस्सा बनता था। उसके हरियाणा के 50 परसैंट भोयर मे से भी ये पूरी रुपये हरको बैंक ाक हिस्सा बनता था। उसके हरियाणा के 50 परसैंट भोयर मे से भी ये पूरी रा ि ा नही दे कर गए। कांग्रेस की सरकार आई तो उसने उस लोन वेवर्स की जो रा ि ा थी उसमें से 31.3.94 को हमने 2 करोड 36 लाख रुपये दिए। 16.9.94 को 4 करोड 81 लाख रुपये हमने दिए। 4 करोड 81 लाख फिर भी बच गए। उसके लिए हमने बैंको को कह दिया कि तुम अपने खाते मे से दो। इस प्रकार 4 और 4 हुए 8 और 2 हुए 10 और 10 और 2 हुए 12 यानि तकरीबन 13, साढे 13–14 करोड रुपये की रा ि ा जो इनको हरको बैंक के 96 करोड 37 लाख बनते थे उसमें से कांग्रेस की सरकार ने दिये। इसी प्रकार अगर आप दूसरे बैंको की फीगर देखें तो हरियाण स्टेट कोओपरेटिव और एग्रीकल्चर और रुरल डिवैल्पमैंट बैंको की कुल लोन वेवर्स बनती थी 34 करोड 52 लाख। इसमे से भी

जुलाई 1991 मे कांग्रैस की सरकार ने 4 करोड 4 लाख रुपये दिए। जनवरी 1993 में कांग्रेस की सरकार ने 2 करोड 37 लाख रुपये दिए। अप्रैल 1994 मे एक करोड 66 लाख रुपये दिए। अगस्त, 1994 मे 3 करोड 45 लाख रुपये दिए। इस प्रकार टोटल 34 करोड 52 लाख मे से कांग्रेस की सरकार ने 11 करोड 52 लाख रुपये दिए। वह भी ये हमारे सर पर छोड गए थे। ये तो लोन वेवर्स करके भाग गए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय,, जिस तरह आपने एक मुहवरा देकर भाुरुआत की कि वर्ल्ड वार में रोको मत जाने दो। पार्लियमैंटरी प्रोसैस में विधानसभा हो या पार्लियामैंट हो, हम जो यहां बोलते है उसकी करैक ान के लिए कापियां हमारे पास भेजी जाती है और समयबद्ध कार्यक्रम के तहत हमें 10 दिन या 15 दिन मे करैक्ट करके वापिस भेजनी होती है। हो सकता है कि किसी सदस्य की जानकारी गलत हो।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय,, औम प्रका ा चौटाला जी यदि मानते है कि उन्होने मिसलीड किया है तो उन्हे करैक ान का टाईम दे दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय,, मै कह रहा था (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आपके जो कंटै ान है, आरग्यूमैंट है these are pertaining to this record. इसमें अगर आपके नेता ने कोई

क्लैरिफिके ान, आरग्यूमैंट या कंटै ान देनी थी तो वह कमेटी के सामने देते। आपके नेता कमेटी के सामने पे ा नही हुए। आपके नेता को कमेटी के सामने पे ा होना चाहिए था और अपनी बात कहनी चाहिए थी।

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांग राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, सदन मे 12 तारीख को ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से एक बात आई कि केन्द्र सरकार ने किसानो के 60 हजार करोड रुपये के कर्जे माफ किए है। यह बहुत अच्छी बात थी और सबने इसका सहयोग किया। लेकिन सामने विपक्ष मे बैठे औम प्रका ा चौटाला जी ने इस पर भारी अटैक किया कि जब चौधरी देवी लाल जी 1987 मे प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे उस समय उन्होने भी हरियाणा के किसानो के बहुत बडे कर्जे माफ किए थे तथा जब 1990 मे चौधरी देवी लाल जी उप–प्रधानमंत्री थे उस समय भी उन्होने हिंदुस्तान के किसानो के बहुत तादात मे कर्जे माफ किए। यहां तक किसी को कोई ऐतराज नही था क्योंकि 1987 मे ओर 1990 मे चौधरी देवी लाल जी ने किसानो के कर्जे माफ किए थे। इसमे कोई डिसप्यूट या कोई नाराजगी नही थी। सबने इसको वैलकम किया है। अध्यक्ष महोदय, डिसप्यूट कहां पैदा हुआ जब श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने कहा कि 1987 मे जो कर्जे माफ हुए थे उस स्कीम के तहत केवल 34 करोड रुपए हरियाणा के किसानो के माफ हुए। उस पर औम प्रका ा चोटाला जी ने जवाब मे यह बात कही कि 1990 मे चौधरी देवी लाल जी ने 16514 करेाड रुपए के कर्जे माफ किए

थे। इसलिए यहां डिस्पयूट खडा हो गया और श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने दलबीर सिंह जो भारत सरकार मे वित्त मंत्री रहे है उनकी स्टेटमैंट का हवाला देकर कहा कि इतना कर्जा माफ नही हुआ। अध्यक्ष महोदय, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला और श्री औम प्रका ा चौटाला जी दोनो अपनी अपनी बात पर अडिग हो गये। औम प्रका ा चौटाला जी कहने लगे कि उन्होने जो 16514 करोड रुपए की फिगर दी है वह सही है और रणदीप जी कहने लगे कि इतने के कर्जे माफ नही हुए। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है। सदन के सभी सम्मानित सदस्यो ने आब्जैक ान उठाया कि ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से एक मंत्री और विपक्ष के एक विधायक की तरफ से जो फिगर दी जा रही है उसमें कौन सी फिगर सही है, उसकी सदन को जानकारी मिलनी चाहिए और हाउस मे इसका निर्णय होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने सभी सदस्यो की बात का सम्मान किया और सदन की एक कमेटी बना दी, जो इसकी सच्चाई जान सके। उस कमेटी का मेरे को चेयरपर्सन बनाया गया। उस कमेटी मे आपने सभी पार्टियो के सदस्यो को मैंबर बनाया। इनेलो पार्टी के श्री ई वर लाल पलाका जी भी उस कमेटी के मैंबर है। अध्यक्ष महोदय, आपके आदे ा के मुताबिक 19 तारीख को हमने उस कमेटी की मीटिंग रखी जिसमे कमेटी ने श्री औम प्रका ा चौटाला जी को और श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी को एवीडैंस के लिए बुलाया। स्पीकर सर, हमने उनकी बात को मानते हुए हालांकि हमने उनको यह भी कहा कि उनहो यह बात खुद कमेटी के सामने आकर कहनी चाहिए और उनहें कमेटी का और

स्पीकर के आदे ा का सम्मान करना चाहिए। उन्हे कमेटी के सामने आकर अपनी बात कहनी चाहिए। इतना बडा आदमी अपने आपको नही समझना चाहिए।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, इसमे स्पीकर की बात नही है। इसमे ंसदन की गरिमा की बात है। उन्हे सदन की इज्जत करनी चाहिए। वह कमेटी सदन की तरफ से बनाई गई है। आपकी कमेटी पूरे हरियाणा प्रदे ा का और पूरे सदन का प्रतिनिधित्व कर रही थी और उनको उसके सामने अपनी बात कहनी चाहिए थी। It is unfortunate part.

श्री मांगे राम गुप्ताः लेकिन उन्होने एक चिटठी लिखकर यह कह दिया कि मुझे प्रोसीडिंग्ज नही मिली। मै समझता हूं कि अगर वे खुद आकर इस बात की रिक्वैस्ट करते तो इससे उनका कोई मान नही घटता। फिर भी हमने सोचा कि चलो बडे बाप का बहुत बडा बेटा काई बहुत बडी बात यह आज भी समझ रहा है तो उनको मौका दे दिया जाये। क्योंकि हम उस बात को लम्बा खिंचना नही चाहते थे। इसलिए जो प्रोसीडिंग्ज वे चाहते थे वे हमने खुद संबंधित भााखा से मंगवाकर उन्हे भेजी। वैसे तो वे जानी ही थी लेकिन हमने पर्सनली स्पे ाल तौर पर उनको वे प्रोसीडिंग्ज भेजी जिनमे उनकी स्टेटमैट थी। मै इनेलो के माननीय साथियो से पूछना चाहता हूं कि अब ये क्या कहना चाहते है। इसके बाद 26 तारीख को उनको फिर मौका दिया गया। लेकिन मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि स्पे ाल मैसेज,

नोटिस और सम्म्न देने के साथ हमने अपने साथी विधायक को भी उनके लिए पर्सनल रिकवैस्ट की ओर वे उस दिन जब विधान सभा मे आये उस समय भी हमने पर्सनली तौर पर उन्हे कहा कि औम प्रका ा जी आप आपको कमेटी की मीटि।ग मे आकर अपनी बात स्पश्ट करनी चाहिए। लेकिन वे 26 तारीख को भी नही आये और वे उसी बात पर अडे रहे कि मेरे पास जब विधान सभा की प्रोसिडिंग्ज आयेंगी तब मै उनमे करैक ान करुंगा। जब हम प्रोसिडिंग्ज उनको दे रहे है तो उस समय अपनी प्रोसिडिंग्ज मे वे करैक ान कर देते।

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, I was on my legs. जब उन्होने point of order raise किया तो पलाका साहब को आपने मोका दिया था तो बीच में इन्दौरा साहब भी खडे हो गये। उन्होने भी अपनी बात कह ली (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इसमे ऐसा है कि सदन द्वारा बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट on the table of the House ले हुई है उसके बारे मे पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर अपनी बात कह रहे है।

डा0 सु ील इन्दौराः **********

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। I will allow you to speak on this

report decision. मंत्री जी बोल रहे है कि जो कि कमेटी के चेयरमैन भी है। आप उनकी बात सुनें।

डा0 सु ाील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, हम अपनी बात को रख ले उसके बाद कलैरिफाई कर लें। कमेटी के चेयरमैन भी कैलरिफाई कर लें और संसदीय कार्य मंत्री भी कलैरिफाई कर लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: इन्दौरा जी, हाउस कमेटी के चेयरमैन श्री मांगे राम गुप्ता जी बोल रहे है उनको बोल लेने दो, मै आपको बाद मे बोलने का समय दे दूंगा। I will allow you to speak. (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मैने रिपोर्ट पे ा की है, ये उसके बारे मे मुझे अपनी बात कम्पलीट तो करने दे।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: डा0 साहब जो दोशी था वह तो आया ही नही।

डा0 सीता राम: अध्यक्ष महोदय, कमेटी में फीगर्ज के साथ छेडछाड की गई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: इन्दौरा जी, गुप्ता जी को अपनी बात कहने दें, मै आपको दस मिनट का समय बाद में दे दूंगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आपका आदे ा यह था कि फिगर्ज के मामले मे ंयह रिपोर्अ वैरीफाई करके इसी सत्र में पे ा करें। 27 मार्च को डब्ल सीटिंग थी और 28 मार्च तक ही यह सत्र चलना था। जब हमने यह सोचा कि चौटाला साहब को और तारीख दे दी जाये तब तक सत्र एडजर्न हो जाना था। पलाका साहब बतायें कि हमने कौन सी रिपोर्ट बदल दी? हमने रिपोर्ट मे लिखा ही क्या है? सर, सबने सर्वसम्मति से फैसला किया है। हमने सहकारी बैंको के एम डीज को बुलाकर फिगर्ज ली है और रिपोर्ट पे ा की है। श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने जो फिगर्ज दी थी वह बिल्कुल सही है। उसमे थोडा सा अंतर था। उनहौन जो 32 करोड रुपए कहा था वह लगभग 34 करोड रुपए है। सर, हमने तो तथ्यो पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत की है। श्री औम प्रका ा चौटाला जी ने जो 16514 करोड रुपये वाली प्रोसीडिंग्ज मांगी है वह देने की कोई जरुरत नही रही थी और न ही हमारे पास इतना समय था। माननीय साथी ई वर सिंह पलाका वहां मौजूद थे। हमने भी बडी जिम्मेदारी के साथ यह रिपोर्ट प्रस्तुत की है। चौटाला जी को बहुत बडी गलतफहमी हुई है, उनको बहुत बडा कंफ्युजन हो गया है। वह अपनी बात पर अड जाते है। चाहे वह गलत हो या सही हो। इसलिए तो मार खा रहे है, इसलिए तो जनता ने उनको विपक्ष का नेता बनने का मौका भी नही दिया। हमारीर बात पहले मान लेते तो यह पेाजी ान नही होती। वह किसी की बात को मानते ही नही है। हम भी यही बात कहते थे कि राज किसी के बाप का नही है, इतना घमण्ड नही

करना चाहिए कि मै जब तक जीउंगा तब तक मुख्यमंत्री रहूंगा (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यहां पर 2 एम0 एल0 ए0 भी आये है, 5 एम0 एम0 ए0 भी आये है। यह तो जनता के हाथ में है ि कवह किसको कितने एम एल ए देकर भेजती है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, अपनी बात कह रहे है उनको कहने दें। आपको डिस्क ान के लिए टाईम देंगे। आपके नेता अगर कही पर है तो आप उनको बुला लें उनको बोलने के लिए मै एक घण्टा का टाईम दूंगा। अगर वे अपनी बात कमेटी के सामने नही कहना चाहते है तो हाउस के सामने अपनी बात बता दें। (विघ्न) वे हाउस के सामने अपनी बात कह दें। यह डैमोक्रेसी है और जनता तथा सदन से उपर कोई नही है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। डा0 आप अभी से किस लिए घबरा रहे है। (विघ्न) पिछली दफा इतना ही फर्क था कि ये लोग इधर बैठते थे और हम लोग उधर बैठते थे। श्री बलवंत सिंह जी उस समय यहां हाउस मे बैठा करते थे और कम से कम वे इस बात के ग्वाह है। बाकी के इनके जो इस समय सदस्य है वे उस समय सदन के मैम्बर्ज नही थे ये सारे नये मैम्बर्ज है। उस वक्त इन्दौरा साहब भी इस हाउस के मैम्बन बन कर नही आए थे। मै और बलवंत सिह

जी पुराने मैम्बर्ज बैठे है और भाायद वे उस दिन को भूल गए है जब नौ मार्च को बजट से ान था और मै अधर बैठा हुआ था। मेरे दिमाग में कोई बात नही थी। स्पीकर सर, चौटाला सहाब का दिमाग कंप्यूटर की तरह बडा तेज चलता है। वे हाउस में आए और खउे होकर मुझे कहने लगे, गुप्ता जी, आप क्या तारीख है। मेरे दिमाग मे कोई बात नही थी। उन्होने मुझे कहा कि देखो क्या मै मुख्यमंत्री बना बैठा हूं या नही बैठा। आपने कही पब्लिक मीटिंग मे यह कहा था कि नौ मार्च के बाद हरियाणा का मुख्यमंत्री औम प्रका ा चौटाला नही रहेगा। स्पीकर सर, वे मुझे कहने लगे कि आप नौ तारीख की बात कर रहे है मै तो जब तक जीउंगा तब तक मुख्यमंत्री रहूंगा। अध्यक्ष महोदय, यह सब कुछ रिकार्डिड बात है मै अपनी तरफ से कुछ नही कह रहा हूं। मैने जवाब मे सिर्फ एक ही बात कही थी कि मुख्यमंत्री जी, राज का इतना ज्यादा घमण्ड नही करना चाहिए। राज तो हरिण्यक यम का नही रहा, राजा तो रावण का नही रहा, राज तो कंस का भी नही रहा, आप किस खेत की मूली है। (विघ्न) आज तो प्रदे ा मे जनता का राज है। (विघ्न)

डा0 सीता रामः **********

डा0 सु ील इन्दौराः **********

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. (Interruptions)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै सारी बात जो कह रहा हूं वह रिकार्ड पर दर्ज है। (ाोर एवं विधन)

श्री आनंद सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब सारी जिंदगी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठना चाहते थे। (ाोर एवं विध्न) स्पीकर सर, उस समय ये मैम्बर्ज तो हाउस मे थे ही नही। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग अपनी सीटो पर बैठें। डा0 साहब प्लीज आप अपनी सीट पर बैठें। (विध्न) गुप्ता जी, आप अपनी बात कांटीन्यू करें। (विध्न)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे यह कहना चाहता हूं कि हम जाएंगे इसमे चिंता की कोई बात नही है। (विध्न) हम लोगो ने तो सब देख रखा है, एक बार नही कई बार देख रखा है। (विध्न) मैने तो उधर बैठ कर भी देख रखा है। और इधर बैठ कर भी देख रखा है इसलिए चिंता की कोई बात नही है। अध्यक्ष महोदय, उस वक्त जो बात मैने कही थी वह उस वक्त के हालात को देखते हुए कही थी। मै कोई ज्योतिशी का काम नही करता और मैने यह बात इस आधार पर कही थी कि हरियाणा के किसानो ने उनकी बात पर वि वास करके तथा हरियाणा के हरिजनो ने उनकी बात पर वि वास करके उनको मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया था। स्पीकर सर, मेरे फिगर्ज के मुताबिक उस वक्त 46 विधायक किसान समर्थक थे और अपने

आपको किसानो का हितैशी कहते थे और उनके 16 विधायक एस सीज या रिजर्व कैटेगरीज के थे जो इनकी पार्टी के अंदर भाामिल थे। 16 विधायक एस सीज या रिजर्व कैटेगरीज के थे जो इनकी पार्टी के अंदर भाामिल थे। मैन कहा कि कण्डेला काण्ड जो हुआ था वहां मेरे हल्के के किसानो को गोलियो से भून दिया गया था। उस सयम नौ किसान मारे गए थे और 50–100 जख्मी भी हुए थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप बहुत ज्यादा डिटेल में न जाएं। Please come to the point. जो मेजर प्वायंट है आप उन पर बात करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी बात खत्म करने जा रहा हूं। मै सिर्फ इतनी बात कह रहा हूं कि यह जो सदा राज करने की बात है यह ठीक नही है क्योंकि राज किसी के मां बाप की जागीर नही है और सदा किसी का राज नही रहा। अगर उस वक्त वे हमारी बात मान जाते तो भाायद ऐसी नौबत नही आती लेकिन उन्होने हमारी बात को नही माना था और अब भी वे हमारी बात नही मान रहे है। अध्यक्ष महोदय, हमने पूरी तरह से मामले को एग्जामिन करवाया है। कमैअी के जो मैम्बर्ज आपने बनाए थे वे सभी एक्सपीरियैंसड है। हमने पूरी स्टेटमैंट जारी की थी चौटाला साहब कमेटी के सामने आ जाते। अध्यक्ष महोदय, आपको पता है कि हमारे पास टाईम कम था और आपने इसी सै ान मे रिपोर्ट मांग रखी थी। अध्यक्ष महोदय, उस समय केन्द्र

मे चौधरी दलबीर सिंह स्टेट फाईनैंस मिनिस्टर थे और उन्होने हाउस मे अपनी जो स्टेटमैंट दी थी उसमे 16514 करोड रुपए उस वक्त के हिसाब मे किसानो के आउटस्टैंडिंग थे। टोटल जो कर्जा उस समय किसानो पर था उसके बारे में उन्होने स्टेटमैंट दी थी वह 16514 करोड रुपए की फिगर दी थी। स्पीकर सर, उन्होने जो हाउस मे अपनी स्टेटमैंट दी है उस स्टेटमैंट मे उन्होने यह कहा कि इसमें 50–50 का भोयर है। इसमे आधा पैसा स्टेट गवर्नमैंट वहन करेगी और आधा पैसा सैंट्रल गवर्नमैंट वहन करेगी। उसमे 7714 करोड रुपए सभी स्टेटो का माफ किया है। अब मिस्टर औम प्रका ा चौटाला ने 16 हजार 514 करोड रुपये कर्जा माफ करने की बात मान ली जबकि वह सारा अमाउंट आउट स्टैंडिंग है। असलियत मे स्पीकर सर, यह है कि 16 हजार 514 करोड रुपए आउटस्टैंडिंग तो थे लेकिन उसमे से 7714 करेाड रुपए ही माफ हुए, वे सारी स्टेटो में किसानो के हुए है। हरियाणा स्टेट मे 7714 करोड रुपए ही माफ हुए, वे सारी स्टेटो मे किसानो के हुए है। हरियाणा स्टेट मे 130 करोड रुपए माफ हुए थे। उसमे से 65 करोड रुपए तो हमारे जिम्मै लगे और 65 करोड रुपए सैंट्रल गवर्नमैंट ने भरे है। अगर अब इसमे आप कोई फर्क समझ रहे हो तो मुझे बता देना। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, आपने जो हमारी डयसूटी लगाई थी उसके अनुसार आपके सामने हमने एक्चुअल रिपोर्ट रखी है। इस बारे मे आप हाउस मे डिस्क ान करवा ले और डिसक ान के बाद हाउस फैसला लेगा, आप फैसला लेंगे कि इसमे कौन दोशी था, उसको क्या सजा मिलनी

चाहिए। यह सजा देना हमारी डयूटी नही थी, हमारी जो डयूटी थी वह हमने पूरी की है। अगर जो फिग्र्ज हमने दिए है इसमे कोई फर्क हो तो अध्यक्ष महोदय, आप इसको चैक करवाने के लिए हाउस की कमेटी बना दें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह जो रिपोर्ट मांगे राम गुप्ता जी ने सदन मे पे ा की है इस बारे में मै कुछ कहना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) Sir, I was on my legs. (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, आपने कहा था कि मांगे राम गुप्ता जी के बाद हम बोल सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, I was on my legs. (Interruptions) अब बीच मे मांगे राम गुप्ता जी ने प्वायंट आफ आर्डर मांगा था। (ाोर एवं व्यवधान)

डा सीता रामः ********** (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः ********** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः ********** (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः ********** (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन ने ानल लोकदल के सदस्य बोलते हुए सदन की वैल के नजदीक आ गए और जोर जोर से बोलने लगे।)

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे है वह कुछ भी रिकार्ड नही किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये वाक आउट कर के जाएंगे क्योंकि इनके पास बोलने के लिए कुछ भी नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः ********** ाोर एवं व्यवधान।

श्री अध्यक्षः चलो आप सभी अपनी सीटो पर जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) इस रिपोर्ट के पेज नं0 102 मे लिखा है–

"After going through the material on record, the Committee is of the view that the figure of waived off loan given by Shri Om Parkash Chautala, MLA was false and incorrect."

(ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः **********(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, अब आप ऐसी बात कर रहे है। पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर जी बात कह रहे है। आप अपनी सीट पर जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः **********(ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः ********** (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः ********** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आप अपनी सीट पर जाएं। ये जो कुछ भी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) I warn you Dr. Indora. (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ठेठ हरियाणवी मे एक कहावत है कि ''चारे की मां कुलडी मे मुहं देवे और रोवे'' (ाोर एवं व्यवधान) सच बात तो यही है कि हमारे साथियों की स्थिती चोर की मां वाली हो रही है। इनके नेता तो यहां से भाग गए और इन बेचारो को यहां छोड गए है। (ाोर एवं व्यवधान) **(इस समय इंडियन ने ानल लोक दल के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन की वैल की तरफ खडे होकर जोर जोर से बोलते है)**

सदस्य का नाम लेना

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आप सभी अपनी सीटो पर जाए। (ाोर एवं व्यवधान) इन्दौरा जी, मै आपको वार्न करता हू। आप अपनी सीट पर जाए। (ाोर एवं व्यवधान) मिनिस्टर साहब अपनी बात कहना चाहते है आप अपनी सीट पर जाए। (ाोर एवं व्यवधान) I warn you Dr. Indora. आप यहां वैल मे नही आ सकते। आप सीटो पर जाए। Mr. Indora, I name you. (ाोर एवं व्यवधान) आप मेरी बात को सुनना नही चाहते है। इन्दौरा जी, आप सदन से बाहर जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) ;At this stage Dr. Sushil Indora withdrew from the House.)

श्री अध्यक्षः डा0 सीता राम जी, आप भी अपनी सीट पर जाए।। (ाोर एवं व्यवधान) डा0 सीता राम जी, वैल मे नही आना। जो भी बोलना है अपनी सीटो पर चेयर की इजाजत लेकर बोलो। (ाोर एवं व्यवधान) एक मिनट आप लीडर आफ दि हाउस की बात सुनें। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः **********(ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः **********(ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः **********(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे है कुछ भी रिकार्ड नही किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

सदस्य के नाम लेने के निर्णय को रद्द करना

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, आपने हमारी पार्टी के माननीय सदस्य डा0 सु ाील इन्दौरा जी को अभी नेम किया है। आपसे मेरी रिक्वैस्ट है कि आप उनको सदन मे वापिस बुलाएं ताकि वे सदन की कार्यवाही मे ंपार्टीसिपेट कर सकें।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी भी रिक्वैस्ट है ********** ।

श्री ई वर सिंह पलाकाः ********** ।

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा): आप सभी अपनी सीटो पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान) एक मिनट आप मेरी बात तो सुनें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सदन के नेता बोल रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) आप अपनी सीटो पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भुपेन्द्र सिंह हुडडाः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि आपने इनको एक सदस्य को नेम किया है आप उनको सदन मे वापिस बुला लें। इसी के साथ मै मंत्री जी से भी आग्रह करुंगा कि इन साथियो को भी बोलने का समय दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) लेकिन मै इनसे एक बात जरुर कहना चाहूंगा कि ये भी यह वायदा करें कि ये वाक–आउट करके नही जाएंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः स्पीकर सर, ये तो हम देखेंगे। हम अपनी बात करेंगे। अगर आचरण ठीक नही होगा तो हम वाक आउट भी करेंगे।

श्री अध्यक्षः सीता राम जी, यह आचरण का क्वै चन नही है बल्कि यह सदन द्वारा बनायी गई कमेटी की रिपोर्ट का मामला है। डा0 साहब, आप अपनी चेयर पर जाकर मांग करे। (ाोर एवं व्यवधान) डा0 साहब, आप अपनी चेयर पर जाकर बात करें।

डा0 सीता रामः स्पीकर सर, आप हमारे साथी को बुलाईये।

श्री अध्यक्षः मै उनको बुला रहा हूं आप अपनी सीट पर जाईये और यहां से बोलिए।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, आपने कहा है कि इन्दौरा जी को वापस हाउस मे बुलाएंगे तो आपको पहले ही उन्हे बोलने के लिए समय देना चाहिए था लेकिन आपने उन्हे नेम कर दिया जोकि अच्छी बात नही है।

श्री अध्यक्षः सढौरा साहब, सदन के नेता ने एक बात कही है कि उनको वापस बुला लें तो आप उनको वापस हाउस में बुला लाएं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, मेरा आपसे निवेदन है कि आप इन सबको दस दस मिनट का, पन्द्रह पन्द्रह मिनट का या आधे आधे घंटे का समय बोलने के लिए दे दीजिए, हमें कोई ऐतराज नही है।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, आप उस समय उनको पांच मिनट का समय दे देते तो वे पांच मिनट मे ही अपनी बात कह देते। स्पीकर सर, आप तो बहुत सुलझे हुए हो, आपको सारी बात देखनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः चलो ठीक है बात तो हो गयी है आप उनका बुला लाईये। सढौरा साहब, कमेटी की जो रिपोर्ट है उस पर पार्लियामैंट अफेयर्ज मिनिस्टर साहब कुछ बात कहना चाहते है।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, आप हाउस के कस्टोडियन है लेकिन आपने हमारे नेता को बोलने ाक समय नही दिया और उनको नेम कर दिया।

श्री अध्यक्षः क्या वे आपके नेता है?

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, ये हमारी पार्टी के डिपटी लीडर है लेकिन आपने उनको बोलने नही दिया।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, आप इनको भी बोलने का समय दे, इनके नेता को भी बोलने का समय दें। आप इन सबको बोलने का समय दे दीजिए।

श्री अध्यक्षः सढौरा साहब, ऐसा है कि जैसा अरजन सिंह के साथ मिसबिहेव हुआ था और सदन ने उसको कंडैम भी किया लेकिन इसके बाद कल वे फिर इनकी चेयर के साथ आकर खडे हो गए than I was compelled to name him. आज फिर वे आगे आ गए तो avoid the burst situation आप अपनी चेयर पर जाकर अपनी बात कह सकते है, आप वहां से किसी भी बात का विरोध कर सकते है। आप अपनी चेयर पर से ही बात कर सकते है।

श्री बलवंत सिहः स्पीकर सर, हमने तो आपसे ही बात की है। अरजन सिंह ही हमारी तरफ हाथ उठाकर बात करते है। ये तो हमें उलटा धमकाते है इस बात को सारे सदन ने देखा है, प्रैस ने देखा है। हमने आपसे बात की है, हमने अरजन सिंह की तरफ मुंह करके बात नही की। हमने आपसे परमि ान लेकर ही बात की है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, ये अब कमेटी की रिपोर्अ पर क्यों नही बोल रहे है।

श्री अरजन सिंहः स्पीकर सर, मैने कौन सा इनकी तरफ मुंह करके बात की है। मै तो आप की तरफ मुंह करके बात करता हूं।

श्री अध्यक्षः सढौरा साहब, आप बोलना भ्ाुरु करें। आप क्या उनके वापस आने के बाद बोलना भ्ाुरु करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, सढौरा साहब सीनियर मोस्ट मैम्बर है इसलिए इनसे ही आप बोलना भ्गुरु करवा दीजिए।

श्री अध्यक्षः सढौरा साहब, आप उनसे ज्यादा सीनियर आदमी है, आप भारीफ आदमी है आप झूठ नही बोल सकते।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, न मै आपके सर्टिफिकेट से भारीफ बनता हूं और न ही मुझे आपके सर्टिफिकेट की जरुरत है। यह तो जनता है जो सर्टिफिकेट देती है।

श्री अध्यक्षः आप जनता की बात करते हो लेकिन आपके साथी तो कहते है कि हम चौटाला की वजह से ही सब कुछ है। जनता को तो आप मानते ही नही हो।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, जनता जो सर्टिफिकेट देगी वह हमें मान्य होगा। हम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि है।

डा0 सीता रामः स्पीकर सर, ये सोनिया बांधी का नाम क्यों लेते है?

श्री अध्यक्षः सीता राम जी, आप इन्दौरा जी को वापस बुलाने के लिए गए थे, क्या आप उनको वापस बुला लाए?

डा0 सीता रामः सर, आप बुला लें। मुझे तो वे मिले नही है।

श्री अध्यक्षः मुझे पता है कि वे डिपटी स्पीकर साहब के कमरे में बैठे है। आप जाकर बुला लाओ।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर सर, डा0 सु ाील इन्दौरा जी डिप्टी स्पीकर साहब के कमरे में बैठे हुए है और माइक आनॅ है और वे सदन मे हो रही सारी बातें सुनने लग रहे है पर यहां नही आ रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, अपने नेता को फोन पर सारी बातें बता भी रहे है और यह भी बता रहे है कि सीता राम जी सदन के अंदर खूब झगड रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) सीता राम जी, आप पढे लिखे आदमी है। डा0 साहब, आपके फादर बहुत भले आदमी है। (हंसी)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं ि कइस मुद्दे पर आप हमारे साथी डा0 सु ाील इन्दौरा जी को बुलवाइए।

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

हरियाणा के किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जांच के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा (पुनरारम्भ)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): सर, आप कमेटी की रिपोट्र पर डा0 सीता राम से चर्चा करा लें फिर ई वर

सिंह पलाका जी से चर्चा करा लें। इससे बढिया सरकार और क्या हेागी जो कि सबको बोलने का मौका देना चाहती है। (ाोर एवं व्यवधान)

Shri Mange Ram Gupta: Dr. Sita Ram ji, you were not present in the Committee meeting, No Question.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो भी सदस्य इस रिपोर्ट पर बोलना चाहते है उन सबको मौका दे दीजिए। यह मेरा अनुरोध है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आपकी यह बात गलत है। इस बारे में जैसी आपने रिक्वैस्ट की है उसे सदन के नेता ने असैप्ट कर लिया और सदन मे यह बात कही कि जो इनके नेता को नेत किया है उसको वापस बुला लिया जाए। इस बारे में sdtaff has informed the Hon'ble member but he did not turn up. he refuses to come. Meaning thereby he refused to come in the House. देखो डाप0 सीता राम जी, आप एक बात बता दें कि सदन द्वारा जो कमेटी बनाई गई थी उस कमेटी की रिपोर्अ को आप मानते है या नही।

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, इस रिपोर्ट के बारे मे मेरा कहना यह है कि इसमे हमारे नेता को पूरा मौका नही दिया गया। जो हमारी पार्टी के सदस्य है वे उस कमेटी के सदस्य है। उन्होने भी इस बारे में आपत्ति जताई है। इसकी रिपोर्ट पे ा करने की इतनी क्या जल्दबाजी थी। ये भी तो हो सकता है कि

किसी को कोई आव यक काम हो जाए। मुझे तो यह भी लगता है कि इसमे मांगे राम गुप्ता जी को कोई राजनीतिक फायदा है। (ाोर एवं व्यवधान) **********

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, ये मेरे राजनीतिक फायदे की बात कह रहे है। इसमे मेरा कोई राजनीतिक फायदा नही है। सीता राम जी, मै तो आपके फादर के साथ भी था और औम प्रका ा चौटाला के पिता जी के साथ भी था। इसमे मेरा कोई राजनीतिक फायदा नही है।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस रिपोर्ट को पे ा करने मे इतनी क्या आफत थी। क्या यह कमेटी आगे नही चल सकती थी **********

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, **********

Mr. Speaker: Please take your seat Dr. Sita Ram. आप कहते है कि आपके नेता को अपोर्चुनिटी नही दी गई तो मै कहता हूं कि तीन अपोर्चुनिटी आपके नेता को दी गई, अब भी आप इस बारे में बता दें कि फलां डेट को वे आ जाएंगे। आप बता दें कि इस दिन औम प्रका ा चौटाला कमेटी के सामने आ जाएंगे। आप डेट बता दें then I will extend the time of the Committee.

Sh. Randeep Singh Surjewala Speaker Sir, let them give an undertaking on behalf of Shri Om Parkash Chautala that they will come. सर, ये अंडरटेंकिग दे दें कि इनके नेता कमेटी के पास फलां तारीख को आ जाएंगे। हम उसके लिए भी तैयार है।

श्री अध्यक्षः कमेटी की मीटिंग के बारे मे कमेटी ने जोर लगा दिया, हाउस मे भी गुप्ता जी ने श्री औम प्रका ा चौटाला को पर्सनली कहा। पलाका साहब को कह दिया। क्यों गुप्ता जी, आपने चौटाला जी को पर्सनली कहा था? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने उनको पर्सनली हाउस मे कहा, by notice भी कहा, उसके बाद श्री ई वर सिंह पलाका जी को कहा। what is this.

श्री अध्यक्षः चलो साहिदा साहब, आप बता दो, किस डेट को चौटाला साहब कमेटी के सामने पे ा हो जाएंगे। एक डेट बता दो, महीने की, दो महीने की, तीन महीने की या छः महीने की।

श्री रणदीप सिंह हुडडाः सर, इन को पूरा टाईम दे दीजिए, कमेटी की तारीख एडजर्न कर दीजिए, इनको जो कागज रखने है वह रखने दीजिए, जितना ये बोलना चाहे ये बोल लें, जिसको बुलाकर लाना है उसको बुलाकर लें आए, चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी को बुलाकर लाना है तो बुलाकर लें आएं। कोई दिक्कत नही है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप बोल लो, बे ाक, I allow you to speak.

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, **********

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मै आपकी बात को मानता हूं। (विघ्न) आप कोई एक दिन बता दो। डा0 साहब, आपने कहा कि आपकी पार्टी का सदस्य कमेटी का मैम्बर है। वे तो स्पाईनलैस है। सढौरा साहब जो कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर) आपकी पार्टी की तो एक ही स्पाईन है आपका नेता। मै आपको टाईम देता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये तो मीटिंग मे ही नही आये, जो उस कमेटी के सदस्य है वे तो मीटिंग मे ही नही आये, आप इन सब सदस्यो को बोलने का मौका दे दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मौका दे दिया, मै आपको मौका दे रहा हूं। लेकिन आप यह ए योर करे कि उस दिन आप अपने नेता को कमेटी की मीटिंग मे ले आओगे।

(इस समय इंडियन ने ानल लोक दल के सदन मे उपस्थित सदस्य सदन की वैल मे आ गए और नारेबाजी करने लगे।)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, **********

श्री ई वर सिंह पलाका: अध्यक्ष महोदय, **********

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded. यही बात आप अपनी सीट पर खडे होकर कह सकते हो, रिकार्ड करवा दूंगा। आप वहां से बोलो। (विघ्न) आप अपनी सीट पर जाकर बोले तो आपकी बात रिकार्ड करवा देंगे। मै कमेटी की रिपोर्ट को एक्सटैंड करता हूं लेकिन आप यह ए योर करो कि छः महीने मे कमेटी की मीटिंग वाले दिन मिस्टर चौटाला कमेटी के सामने पे ा हो जायेंगे। आप चाहे चार डेट दे दो, चारो डेट हम ले लेते है।

डा0 सीता राम: आप उनको कमेटी की डेट कम्यूनिकेट करवा दें।

श्री अध्यक्ष: चलो आज कम्यूनिकेट करवा देते है। लेकिन आप डेट तो बताएं जिस डेट को वे कमेटी के सामने अपीयर हो जाएंगे। आप कम्यूनिकेट करने की बात करते है आज पूरी प्रैस गैलरी मे पत्रकार बैठे है, सदन मे आनरेबल मैम्बर्ज बैठे है।

बैठक का स्थगन

डा0 सीता राम: स्पीकर सर, **********

श्री बलवंत सिंह: अध्यक्ष महोदय, **********

श्री अध्यक्ष: आज तारीख है 28 मार्च, 2008 मै एक महीने का टाईम यानी 28 अप्रैल, 2008 तक का टाईम देता हूं उस

दिन मिस्टर चौटाला कमेटी के सामने आ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) Nothing is to be recorded. (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सर, मै इनेलो के सदस्यो को एक बात कहना चाहता हूं कि ये टाईम बता दे कौन सी तारीख को वे मीटिंग मे आएंगे। ये जो बोलना चाहते है बोल लें, ये सारे सदस्य बोल लें, ये चौटाला साहब को भी बुलाना चाहते है तो ले आईये। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned for 10 minutes.

(The Sabha then adjourned at 11:44 A.M and re-assembled at 11:54 A.M)

हरियाणा मे किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जांच के लिए हरियाणा विधान सभा की समिति की रिपोर्ट की चर्चा (पुनरारम्भ)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ******** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, ये लोग सदन का कीमती समय बर्बाद कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, **********

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, **********

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded, Yadav Ji, please sit down. Gautam Ji, please sit down. डा0 साहब, इसमे ऐसा है कि keeping in view the sense of the House सदन के सदस्यो की एक कमेटी बनी थी। उसकी सैकटिटी को भी आप डिनाई करते हो। I don't know whether you are doing it politically motivated या आप पर दबाव है कि आपने सदन मे ऐसा बोलना है जिसका हमारे पास कोई ईलाज नही है।

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ********** (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, ********** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर जो भी माननीय सदस्य बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, कमेटी बनाने पर हमें कोई ऐतराज नही है। चाहे चर्चा के लिए स्पे ाल सै ान लेकर आयें उस पर भी हमें कोई ऐतराज नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

12:00 बजे

श्री अध्यक्षः डा0. इन्दौरा, उस कमेटी मे डिफरैंस पार्टीज के मैम्बर है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अरजन सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि इनकी पार्टी के भी एक मैम्बर श्री ई वर हिस पलाका उस कमेटी के मैम्बर थे उनसे भी बार बार यही कहा गया था कि क्या वे इस बारे में कोई तथ्य पे ा करना चाहते है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, हमारे ये साथी तो सदन की कार्यवाही को डिस्टर्ब करने के लिए ही आते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब श्री अरजन सिंह बोल रहे है जो कि कमेटी के मैम्बर भी है आप उनकी बात तो सुने। (ाोर एवं व्यवधान) आप उनको कुछ बोलने तो दो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अर्जन सिंहः स्पीकर सर, आपने सारी पार्टियो के मैम्बर इस कमेटी के लिये ऐसा नही है कि आपने किसी एक वि ोश पार्टी के मैम्बर इस कमेटी में लिए हो। (ाोर एवं व्यवधान) मै तो यही कहना चाहूंगा ि कइस कमेटी द्वारा जो फैसला लिया गया है वह पूरी तरह से निश्पक्ष और तथ्यो पर आधारित है। (ाोर एवं व्यवधान)**बैठक का स्थगन**

Mr. Speaker: Dr. Sahib, please don't disturb. (Noise & Interruptions) आप बोले डा0 साहब I allow you to speak. (Noise & Interruptions)

श्री अर्जन सिंहः स्पीकर सर, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि अगर इनके पास इस बारे में कोई और डाक्यूमैंट है तो उसे आप इनको हाउस के सामने रखने की इजाजत दे दें। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, ये अपने आपही अपना साथ नही दे रहे है तो और कौन इनका साथ देगा। (ाोर एवं व्यवधान) ये बार बार यही बात कह रहे है कि दोशी को सजा दो। इसलिए आप इस बारे में कोई फैसला कर दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप मेरे चैम्बर मे आ जायें।

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now the House is adjourned for 15 minutes.

(The sabha then adjourned at 12:04 P.M and reassembled at 13:19 P.M)

वाक आउट

डा0 सु ाीला इन्दौराः स्पीकर सर, ********** (ाोर एवं व्यवधान)

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): स्पीकर सर, माननीय सदस्य श्री इन्दौरा जी अनपार्लियामैंटरी भाब्दो का इस्तेमाल कर रहे है। मेरा यह निवेदन है कि ऐसे भाब्द रिकार्ड न किए जाए।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न) डा0 साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न)

डा0 सु ील इन्दौराः स्पीकर साहब, हम इस कमेटी की रिपोर्ट पे ा होने के विरोध मे एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन ने ानल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य सदन से बर्हिगमन कर गए)

श्री अर्जन सिंहः स्पीकर साहब, इस कमेटी के चेयरमैन ने चौटाला साहब को कमेटी के सामने पे ा होने के लिए बार बार समय दिया लेकिन वे कमेटी के सामने पे ा नही हुए। इस कमेटी का मै भी मैम्बर हूं। इस कमेटी की मीटिंग में चौटाला साहब के वकील श्री बड ाामी पे ा हुए थे। उनको यह कहा गया था कि वे चौटाला साहब से कहें कि वे कमेटी के सामने उपस्थित होकर अपनी स्थिती स्पश्ट करें लेकिन श्री चौटाला कमेटी के सामने उपस्थित नही हुए।

श्री अध्यक्षः मुलाना साहब, आप क्या कहना चाहते है, आप अपनी बात कहे।

श्री फुल चन्द मुलानाः स्पीकर सर, सारा सदन आपकी फाख़दिली की दाद देता है। आपने इतना लम्बा सै ान चलाया है कि हम मैम्बर को दो दो या तीन तीन बार बोलने का मौका मिला है। हर मैम्बर ने अपनी बात कही। विपक्ष के माननीय साथी बार बार कभी यह बात कहते है कि रिपोर्अ झूठी है, कभी कहते है कि हमें कन्सल्ट नही किया गया। अध्यक्ष महोदय, बिलकुल मामुली सी

बात है जैसे मांगे राम गुप्ता जी ने कहा है। आपने कमेटी का गठन किया फिर जो भावनाएं सदन मे आई वह सब के सामने है। उन्हे केवल यह बताना था कि कितना कर्जा माफ हुआ है यह सारी रिकार्ड की बात थी। सभी जानते है कि जो रिकार्ड है उसके झुठलाया नही जा सकता, यह फिग्र्ज की बात है। स्पीकर सर, एक आदमी बोल रहा है कि इतना कर्जा माफ हुआ और रिकार्ड से वह कन्फर्म हो गया कि असल मे इतने कर्जे माफ हुए। फिर भी माननीय विपक्ष के साथी खडे हो कर हाउस की प्रोसिडिंग्ज को रोकते है, स्टाल करते है। अध्यक्ष महोदय, सदन की कार्यवाही को रोकना amounts to the contempt of the House. यह आपकी फाखदिली है कि आपने इसके बारे में उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नही की। वे लोग केवल झूठी भाोहरत हासिल करने के लिए बार बार सदन की प्रोसिडिंग्ज को रोकना चाहते है और अपने झूठ को छिपाना चाहते है, अपने नेता को छिपाना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे यह निवेदन करुंगा कि वे इस प्रकार से अगर दोबारा हाउस की प्रोसिडिंग्ज को रोकने का प्रयत्न करें तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। स्पीकर सर, एक ऐसा मजहब चलाया जाए कि इंसान को इंसानियत सिखाई जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे जो साथी वाक आउट करके गए है मै तो उनकी तारीफ करता हू। अध्यक्ष महोदय, जिस पार्टी का सैकण्ड मोरल डाउन हो, जिस पार्टी की पॉपुलैरिटी डिक्लाईन पर हो, जिस पार्टी के लोगो में जगह खत्म

हो चुकी हो I will appreciate कि यहां कम से कम अपनी पॉपुलैरिटी को कायम रखने के लिए ब्रेक लगाने का काम भी कर रहे है। दूसरी बात यह है कि जो रिपोर्ट आप हाउस मे पे ा की गई है इस रिपोर्ट के बारे मे ाोर करने का मतलब यह है कि इस रिपोर्ट मे जितनी सच्चाई है उससे यह भाग नही सकते और camourflage करने की कोि ा ा कर रहे है। अब ये कह रहे है कि चौधरी देवी लाल जी तो दे ा के उप'–प्रधानमंत्री थे और हमने तो दे ा की फिगर दी थी। अध्यक्ष महोदय, हमने तो उस वक्त कर्जा माफी की कोई बात नही सुनी थी। जिनका आधार हमे ाा झूठ की राजनीति पर रहा है वे एक्सपेाज हो गए है और अब लोग उनको पहचान जाएंगे। जनता के बीच में से उनका इमेज खत्म हो गया है। स्पीकर सर, इनकी लीडरि ाप ने अपना झूठ छिपाने के लिए इन लोगो की जा डयूटी लगाई थी उसमे ये लोग पूरे उतरे है इसलिए मै कह रहा था कि I must appreciate their efforts.

Start from page 53

हरियाणा मे किसानो के माफ किए गए ऋणो के आंकडो की जांच के लिए हरियाण विधान सभा की समिति की रिपोर्ट पर चर्चा (पुनरारम्भ)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, एक कमेटी सदन के द्वारा गठित की गई थी। मेरी सोच है कि आपने जो फिराखदिली दिखाई उसके लिए हम आपका सारे

सदन की तरफ से धन्यवाद करते है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि लोक दल के साथी कम से कम जो बात कहना चाहते है, वह सदन मे कहें और सरकार ने भी बार बार कहा कि सभी सदस्यो को बोलने का मौका दिया जाए लेकिन वे नही बोले। उनके एक मैम्बर को नेम कर दिया गया लेकिन फिर भी सदन के नेता ने उनको सदन मे वापिस बुलाने के लिए कहा। सर, आपने फिर से फिराखदिली दिखाते हुए उनको सदन मे वापिस बुला लिया। दो बार उनके कारण से हाउस को एडजर्न कर दिया। आपने और हमने उनसे यह भी कहा कि आप तारीख निि चत कर दे कि औम प्रका ा चौटाला जी किस दिन मीटिंग में आएंगे। वे फिर भी नही माने। आपने यह भी कहा कि कोई और कागज देना चाहते है, वे दे दे ंतो वे उसको भी नही माने। आपने यह भी कहा कि औम प्रका ा चौटाला जी हाउस मे जाकर अपनी एक्सप्लेने ान दे दें, वे उसको भी नही माने। अध्यक्ष महोदय, बात वही है जो कि मैने पहले भी कही थी कि हरियाणा मे खडी बोली मे कहावत है ''चोर की मां कुलडी मे मुहं देवे और रोवे'' सच बात तो यही है कि जैसे चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने, मुलाना जी ने और दूसरे सदस्यो ने भी चर्चा की है कि 1987 मे वर्शो तक दम भरा जाता था और आज हम 2008 मे आ गए है, चौधरी देवी लाल जी, जो कि अब इस दुनिया मे नही रहे है, चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी और उनके दोनो बेटै जहां पर भी जाते थे, पब्लिक मीटिंग मे जाते थे, गावों मे सिर्फ जाते थे सिर्फ यही बात कहते थे कि हमने लोन माफ कर दिए। ये जब भी अखबारो में, रसालो

में या पब्लिक मीटिंग मे ब्यान देंगे, तो सिर्फ एक ही बात कहेंगे कि 1987 मे हमने हजारो करोड रुपए के लोन माफ किए है। आदरणीय मांगे राम गुप्ता जी की चेयरमैनि ाप मे जो कमेटी बनी थी उसने उनकी पोल खोल कर रख दी है कि वे हजारो करोड रुपए नही थे। वे केवल 34 करोड 31 लाख रुपए थे। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि ढोल की पेाल खुलने वाली थी इसलिए उन साथियो को लगा कि अब यहां से जाना ही अच्छा है। अध्यक्ष महोदय, अब इन्होने 1990 के लोन वेवर स्कीम की भी बात की थी। अध्यक्ष महोदय, जब श्रीमती सोनिया गांधी जी की सरकार द्वारा किसानो के 60000 करोड रुपए के कर्जे माफ किए गए है, अब वे उसके साथी भी मुकाबला करते है यह जो 60000 करोड रुपए के कर्जे माफ किए गए है इसके बारे में उन्होने कहा है कि हमने भी 1 लाख 23 हजार करोड रुपए माफ किए थे। सर, हमारी सरकार ने बिजली बिलो के 1600 करोड रुपए माफ किए तो उसके मुकाबले मे उन्होने कहा कि हमने इतने हजारो करोड रुपए माफ दिये। आपने एक कमेटी बनाई और उस कमेटी के माध्यम से सदन में आंकडे सामने आए। स्पीकर सर, 1987 मे केवल 34 करेाड 31 लाख रुपए के लोन ही माफ हुए थे। 1990 में हरियाणा के अंदर जो कर्जे माफ हुए वे केवल 130 करोड 89 लाख रुपए के थे जिसमें हरियाणा का हिस्सा मात्र 65 करोड 45 लाख रुपए था। यह कर्जा हरियाणा स्टेट कोओप्रेटिव, एग्रीकलचर और हरियाण स्टेट रुरल डिवैल्पमैंट दोनो बैंको का मिलाकर हरियाणा स्टेट के हिस्से वाला कर्जा थ। अध्यक्ष महोदय, 65 करोड 45 लाख रुपए मे

से भी 25 करोड 46 लाख रुपए रह गए थे, जब 23 जून 1991 मे कांग्रेस की हमारी सरकार बन गई थी, उस वक्त हमने दिए थे। अध्यक्ष महोदय, सदन मे दो–तीन बातें रखी गई है मै उस बारे मे सदन मे चर्चा करना चाहूंगा। स्पीकर सर, कमेटी की टर्मर्ज आफ रैफरेंस मे स्पश्ट लिखा हुआ है, वह टर्मर्ज आफ रैफरैंस नम्बर, 4 मै पढकर सुनाता हूं कि–

"The report of the Committee will be submitted to the House during the current Session."

आज इस सत्र मे बिजनैस एडवाईजरी कमेटी का निर्णय जो हाउस ने अडाप्ट किया है उसके मुताबिक आज सै ान का आखिरी दिन है और आज यह रिपोर्टस भी आ चुकी है। (ाोर एवं व्यवधान) सर, उस कमेटी की 3 डिफरैंट हियरिंग्ज हुई और श्री औम प्रका ा चौटाला को उसमे आने का मौका दिया गया। श्री औम प्रका ा चौटाला ने कमेटी ने रिकार्ड मांगा और वह रिकार्ड कमेटी ने उनको दे भी दिया था। सर, औम प्रका ा चौटाला हाउस मे तो आते थे अपनी हाजिरी लगाते थे और 600 रुपए का अलाउंस ले लेते थे। जब गुप्ता जी की कमेटी का टाईम होता था तो दौड जाते थे। जब उनसे इस बारे में पूछा जाता था तो वे कहते थे मै अभी स्टे ान से बाहर हू। एक दिन तो अध्यक्ष महोदय, 3 बजे कमेटी की मीटिंग थी और वे दो बजे सदन से जा रहे थे तो मांगे राम गुप्ता जी ने उनको पकड कर कहा कि साहब अभी कमेटी की बैठक है उसमें आओगे न आप। उन्होने कहा कि

हां मै जरुर आउंगा। लेकिन वे मीटिंग में नही आए। उनका यह कंडैक्ट था क्योंकि उनके पास कहने को कुछ था ही नही। अध्यक्ष महोदय, उनकी ढोल की पोल पूरी तरह से गुप्ता जी की कमेटी के पास जाकर खुलने वाली थी इसलिए बार बार कहने के बाद भी वे उस कमेटी की मीटिंग मे नही गए। अध्यक्ष महोदय, यह भी इस हाउस के अंदर कहा गया कि कमेटी की रिपोर्टस को बदल दिया गया। माननीय ई वर सिंह पलाका जी ने तो यह नही कहा परंतु मै बताना चाहता हूं कि जो कमेटी की आखिरी बैठक थी और जब उसकी मीटिंग हुई तो जैसे गुप्ता जी कह रहे थे मै उनही की बात को दोहरा रहा हू। अध्यक्ष महोदय, जब उस समय भाोर मच रहा था तो गुप्ता जी ने यह बात कही थी कि पलाका जी उस मीटिंग में नही आए थे इसलिए जो आदमी कमेटी की मीटिंग मे ही न आए उनको इस बारे मैं क्या मालूम? अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने खडे होकर सारी बात क्लीयर कर दी। This is completely contemptuous. चौटाला जी ने यह कहा कि 4400 करोड रुपए के ऋण माफी का बोझ प्रदे ा सरकार पर पडा। स्पीकर सर, अब यह बात स्पश्ट हो गयी कि 4400 करोड रुपए की बजाए केवल**********

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मै एक बात थोडी क्लीयर करना चाहता हूं। मै कहना चाहता हूं कि ई वर सिंह पलाका तो उस दिन कमेटी की मीटिंग मे मौजुद थे।

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, I stand corrected it. उस समय जो गुप्ता जी बोल रहे थे और मुझे जो उस समय भाोर मे सुनाई दिया मै उसकी ही चर्चा कर रहा था। अध्यक्ष महोदय, उन्होने कहा कि 4400 करोड रुपए का लोन प्रदे ा की सरकार ने माफ किया। लेकिन इनकी जगह जो आंकडे आए है वह केवल 65 करोड 45 रुपए? थोडा बहुत झूठ तो खप भी जाता है परंतु चौटाला जी की जो आदत है वे वैसा ही करते है। जैसा बीरेन्द्र सिंह हिसाब लिखते हुए गलती से इसमे जोड ली होगी। अध्यक्ष महोदय, यह कहा गया कि 16514 करोड रुपए के ऋण माफ हुए। अध्यक्ष महोदय, दलबीर सिंह जो मध्य प्रदे ा के रहने वाले थे ओर जो 1992 मे मिनिस्टर आफ स्टेट फार फाईनैंस थे, उनके जवाब को कोट किया गया। मैने पार्लियामैंट मे इस बारे में सारी प्रोसीडिंग्ज निकालकर रिकार्ड पर लगा दी। दलबीर सिंह का जवाब भी मैने लगा दिया। जो बाते उन्होने कही थी वह भी मैने कमेटी के सामने पे ा कर दी। गुप्ता जी की कमेटी ने वे सारी बातें देख भी ली। उन्होने यह पाया कि 16514 करोड रुपए की फिगर्ज ही जवाब के अंदर कहीं नही है। अध्यक्ष महोदय, जब मै पार्लियामैंट से म ाक्कत करके प्रोसिडिंग्ज निकलवाकर लाया तो यह पाया कि कही भी लिखा हुआ नही है। स्पीकर सर, सच बात तो यह है कि चौटाला जी द्वारा इस हाउस को बरगलाया गया है and that is why Sir, I only want to quote one para which you also read from the report of the Committee. The inescapable conclusion that the committee arrived that- "Therrefore, the statement given by Sh. Om Parkash Chautala

M.L.A was false. He further stated that waiving off loan of Rs. 16514 crores was misleading and figure is hypothetical."

Sir, again it is written in para 28 on page 102 that- "After going through the material evidence on record the committee is of the view that the figure of waived loan given by Sh Om Parkash Chautala, M.L.A misinterpreted the amount of Rs. 16514 crores. He also further tried to mislead the House by saying that there were no ifs and buts whereas there were some conditions for waiving of loans as has already been mentioned herein before in the report. The technical objection raised on terma of preference are not substantial in character and such an objection does not prove that his version regarding figure quoted on the Floor of the House on 12.03.2008 was correct."

Sir, I only want to conclude by saying four things. Sir, No. अब यह बात स्पश्ट हो गयी है कि 1987 से लेकर 2008 तक जो वे हजारो करोड रुपयो की ऋण माफी का दम भरते रहे वह गलत था क्योंकि वह ऋण माफी केवल 34 करोड के करीब थी। यह बात भी अब स्पश्ट हो गयी है कि 1990 की स्कीम मे ऋण माफी केवल 65 करोड 45 लाख रुपये की हुई थी और उसमे से भी 25 करोड, 86 लाख रुपये का भुगतान कांग्रेस सरकार ने किया, उन्होने नही किया। यह भी अब स्पश्ट हो गया है कि 4400 करोड रुपए का बोझ जो हरियाणा प्रदे ा पर पडने का क्लेम किया इसमे हरियाणा प्रदे ा का भोयर मात्र 64.45 करोड था। यह भी साबित हो गया है कि जो ऋण माफी थी वह आज की सरकार की तरह बगैर इफस एंड बट्स के नही की। 1987 मे 10 हजार

रुपये के ऋण माफी की भार्त थी उसमे यह था कि सारा ऋण जमा करवाओ तब दस हजार रुपए की छूट मिलेगी। अगर पांच लाख रुपये का ऋण होगा तो 5 लाख रुपया पूरा वापस जाम कराओ, तब दस हजार रुपये की छूट मिलेगी। स्पीकर सर, हर लोन माफी में भार्त थी। चौटाला जी ने इस हाउस को मिसलीड किया है। ti is most condemnable, It is deplorable act and conduct on the part of Shri Om parkash Chautala. उनको ऐसा बिहेव नही करना चाहिए था। उनको इस सदन मे जिम्मेदारी से बात कहनी चाहिए थी। His act and conduct of misleading the House should be condemned and necessary action should be taken.

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, जो हमने रिपोर्टस पे ा की है, मोस्टली रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जो हमारी रिपोर्टस मे तथ्य है उनके बारे मे पूरी तरह से सदन मे क्लरीफाई कर दिया है। इस रिपोर्टस, जिसके बारे में अध्यक्ष महोदय, आपने हमे ंआदे ा दिये थे उसमे हमने न तो किसी को गिल्टी डिक्लेयर किया है न ही कोई पैनेल्टी की बात की है। हमने बैंकस के एम डीज और निगम के एम डीज को भी बुलाकर उनसे कन्फर्म किया और उनकी भी स्टेटमैंट लेकर रिपोर्ट में रखी है। दूसरी तरफ जो औम प्रका ा चौटाला ने हाउस मे फिगर दी थी, उस पर डयूटी तो उसकी बनती थी कि उन फिगर्ज को कन्फर्म करने के लिए कमेटी मे आते और आकर कहते कि यह जो 1987 मे कर्ज माफ हुआ था। हमने तो उसकी उस बात को एग्री किया था जिसमे

उसने 1990 में सैन्ट्रल लैवल पर कर्ज माफ करने की बात कही थी। उसको हमने उसकी स्टेटमैंट मे ऐड भी कर लिया। हमने चौटाला साहब को दिनांक 19.3.2008 को उपस्थित होने का अवसर दिया, फिर दूसरी बार दिनांक 25.3.2008 को पे ा होने का अवसर दिया और अंत में 26.3.08 को लास्ट अपोर्चुनिटी लिखित मे दी कि 26.3.08 को आकर अपनी बात रख लें। उसके बाद तो हमारे पास कोई मौका ही नही था। मै आज भी आन रिकार्ड यह कहता हूं कि हमने कोई स्टेटमैंट नही बदली और न ही अपनी तरफ से कोई फाइंडिंग्ज दी है। आनॅ रिकार्ड हरियाणा मे जो कर्ज माफ हुए थे उनके बारे में व्यक्तिगत रुप से रणदीप सिंह सुरजेवाला जी के कहने पर नही माना बल्कि एम डी, हरको बैंक, एम डी हरियाणा एग्रीकल्चर एंड रुरल डिवैल्पमैंट बैंक, एम डी हरियाणा ि ाडयूल्ड कास्टस फाइनैंस एंड डिवैल्पमैंट कार्पोरे ान और एम डी बैकवर्ड क्लासिज एंड इकोनेामिक वीकर सैक ान कल्याण निगम से स्टेटमैंट लेकर रिकार्ड की है उसके मुताबिक ही वैरीफाई करके 1987 की फिगर दी है और 1990 की फिगर के बारे में सैंट्रल गवर्नमैंट के फाइनैंस सैंक्रेटरी की रिपोर्ट आई, उसमें जो हरियाणा का भोयर बनता है उसके मुताबिक जो लगभग 65 करोड के कर्ज माफ किए, वह फिगर भी हमने उसमे ऐड की है। अपनी तरफ से कोई फिगर नही दी। उस कमेटी के आनरेबल मैम्बर श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान जी भी बैठे है, अरजन सिंह भी बैठे है, फूलचंद मुलाना जी भी बैठे है। हमने अपनी तरफ से कोई फिगर चेंज नही की, कोई रिकार्ड नही बदला। ई वर सिंह

पलाका भी उस मीटिंग मे आए। हमने उन्हे समझाया कि अपने नेता को बुला लो। उनका फर्ज बनता है। स्पीकर सर, हमोर से जो प्रयास हो सके, हमने किए है। जो हम आन रिकार्ड बात ला सके, वह लाए है सर, इस रिपोर्टस मे हमने कोई पक्षपात नही किया। न हमारे उपर कोई राजनैतिक दबाव था और न हमने किसी अन्य राजनैतिक दबाव मे आपको यह रिपोर्टस पे ा की है। राजनीतिक छवि की जो भाई बात कर रहे थे। मै तो वर्श 1977 मे जब चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री थे तब उनके अपोजी ान मे विधायक था। पांच साल श्री औम प्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री रहे उस समय भी मै विरोधी पक्ष मे विधायक था। आज जनता के सहयोग से फिर मै विधायक बना और सरकार में मंत्री हूं। हम कभी कोई राजनीतिक लाभ उठाने के लिए रिपोर्ट मे हेर फेर नही करते। हमने तो ईमानदारी से प्रयास किया है। उसके मुताबिक रिपोर्ट पे ा की है। इस रिपोर्ट पर फैसला तो स्पीकर सर, आपने करना है। हम यह चाहते है कि हाउस की आप सलाह लें कि इतना महत्वपूर्ण समय आपने दिया, इस सदन की कमेटी बनाई गई और कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सदन के सामने रखी है। उसको ये माने नही और सदन से उठकर चले जाए। इस पर जरुर थोडा बहुत एक ान लेना चाहिए ताकि आपके द्वारा बनाई गई कमेटी के फैसले के आगे हाजिर होकर अपनी बात कहे।

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय मांगेराम गुप्ता ने चर्चा की और काफी देर से

माननीय सदस्य विभिन्न मुद्दो पर चर्चा कर रहे थे। एक ऐसा मुद्दा इस सदन मे उठा था मै सदन की तरफ से जो कमेटी ने कार्य किया है उसकी सराहना करता हूं और sense of the House. जो भी फैसला करेंगे वह ठीक है। लेकिन एक बात इस कमेटी की रिपोर्ट मे आई है वह यह है कि कम से कम जो झूठ कई दिनो से चल रही थी और लोगो के समझ नही आ रही थी। कमेटी की रिपोर्ट ने उसका दूध का दूध और पानी का पानी करने का काम किया है। लोग झूठी बात कह कर सत्ता मे आते थे कमेटी ने उनको एक्सपेाज किया है और आगे से भी सभी साथियो से मेरा निवेदन है कि चाहे वे पक्ष मे है या विपक्ष में है। लोगो ने हमारे को नुमाईंदा चुनकर भेजा है। हमारी जिम्मेदारी है, जिम्मेवारी से पद पर आकर झूठी बात कहना, सबसे गलत बात है। यह इस कमेटी ने साबित किया है। इस कमेटी की रिपोर्ट से हमारे सभी साथियो को भी यह ग्रहण करना चाहिए कि जो भी बात हम सदन के पटल पर कहें बिल्कुल सत्य कहें और लोगो को गुमराह करने के लिए कोई बात नही कहें। आज हरियाणा के लोग इस बात को समझ गये है कि किस प्राकर से उनको गुमराह किया गया था, किस प्रकार से गुमराह करके सत्ता हथयाई गई थी। सत्ता अपनाने के बाद क्या क्या कार्य किए? कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है मै उसकी सराहना करता हूं। सारे हाउस से भी मै निवेदन करता हूं कि इस कमेटी की रिपोर्ट की सराहना की जाए ताकि आगे प्रस्ताव रखा जा सके।

श्री अध्यक्षः कितना ही डिसक ान कर दे अगर कोई रिबेलियन मैनर मे एक्ट करेगा तो उसका क्या कोई ईलाज है?

Finance Minister (Sh. Birender Singh): Sir, I have to make a suggestion. Now, the Committee's Report is before the House and the Committee, headed by Sh Mange Ram Gupta, has clearly mentioned that whatever has been said by Sh Om Parkash Chautala was false. Shri Om parkash Chautala misled the House and Sir, for misleading the House and making a false statement, there is a breach of privilege of the House and I think he should be punished for such act. There may be situations when we may also quote some figures that may not be correct. it may not ber out intention but sometimes it can be quoted inadvertenly. The way Sh. Om Parkash Chautala presented the figures, he presented his case that is such and such year, this was the figure. He ever quoted Rs. 14537 crores that means, he wanted to camouflage the entire untruth and he wanted to mislead, the House on this very basis and this is not only the House which has been misled, the team of Sh Om Parkash Chautala, they were doing it for the last more two decades. They were giving the impresson to the people of Haryana that they are the sole champion of the peasantry of Haryana which they have never been the worthy sole champion but thjey were the champion of their family to make to see that their family prosperous. They never bothered about the kisans, they never bothered about the plight of the Kisans. This is the only Congress Party, we never made such long promises but out leader Smt. Sonia Ganshi, was the spirit behind this decision of waiving the loans of Rs. 60000 crores of the farmers. Sir, I would go to

this extent that he should met with the harsh punishment from this House.

श्री अध्यक्षः आपके दोस्त ने, आपके प्रैडीसैसर ने इनको फंसा दिया, उसने एक दिन पहले अखबार मे कोई ब्यान दे दिया और वह झूठी खबर इस बेचारे ने पढ दी कि इतने कर्जे माफ हुए।

मुख्यमंत्री (चौ0 भुपेन्द्र सिंह हुडडा): अध्यक्ष महोदय, यह खबर तो लोगो को गुमराह करने वाली बात कही गई है और जान बूझकर गुमराह करने के लिए कही गई है।

श्री अरजन सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहां तक चेयरमैन साहब ने रिपोर्ट दी, उस कमेटी मे हमें भी मैम्बर बनाया गया था। जो रिपोर्ट दी गई है वह चेयरमैन साहब ने आपके सामने रख दी है। मै एक बात जरुर कहूंगा कि आज जिस तरीके से हाउस को चलाया जा रहा है। जैसी दरियादिली आपने दिखाई, जेसे आप पत्थर मारने वाले को फल दे रहे है। इससे बहुत बढिया मैसेज पब्लिक मे जा रहा है। मै तो एक बात कहूंगा कि इन्होने झूठ बोला और पहले भी इन्होने झूठ बोल बोल कर पब्लिक का नुकसान किया। आप कोई कमेटी बनाकर इसकी भी पूरी इन्कवायरी करवाएं और पूरी जानकारी दे। मेरे पास सी0 डी0 पडी है जिसमे इन्होने कहा है कि हम कर्जे माफ करेंगे, हम कर्जे माफ करेंगे। इन्होने कोई कर्जा माफ नही किया बल्कि इन्होने पब्लिक पर कई गुणा बोझ डाल दिया। लोगो को पता था कि हमारे कर्जे माफ होंगें लेकिन कर्जे माफ होने में डिले हो गई। लोग भोले थे

उन्होने सोचा कि चौधरी देवीलाल जी ने 20 हजार रुपये कर्जा माफ करने का नारा दिया है इसलिए उन्होने सोचा कि 20 हजार में से 10 हजार की पी लो और 10 हजार फिर भी बच जाएंगे। लेकिन कर्जा माफी होने में फिर डिले हो गई। फिर लोगो ने सोचा कि 5 हजार की और पी लेते है, 5 हजार फिर बचेंगे लेकिन कर्जा माफी मे फिर डिले हो गई। फिर भोले भाले लोगो ने सोचा कि 20 हजार कर्जा माफी होना है बाकी के 5 हजार की भी पी लेते है। इस दौरान उनको पीने की आदत पड गई। इस आदत के कारण उन्होने अपने खुड भी बेचकर पीना भुरु कर दिया। इस तरह से इनहौने भोले भाले लोगो को झूठे नारे देकर बहकाया और उनका नुकसान करवाया। आज जो ये लोग यहां हाउस को देखने के लिए आए है, ये भाले नही है और ये अनपढ नही है। ये सारे इस चीज को देखने आए है कि सरकार की नीयत क्या है? अध्यक्ष महोदय, इन्कवायरी वही व्यक्ति कर सकता है जिसका दिल साफ हो और जिसकी नीयत साफ हो। किसी औरत का बेटा मिठाई ज्यादा खाता था। वह अपने बेटे को किसी संत के पास ले गई और कहने लगी कि मेरा बेटा मिठाई ज्यादा खाता है जिससे इसका नुकसान ज्यादा हो रहा है और यह मिठाई खाने से हट नही रहा है। उस संत ने कहा कि आज से 20 दिन बाद आना। वह औरत 20 दिन बाद फिर उस संत के पास गई और कहने लगी कि कोई झाडा लगा दो या कोई दवाई दे दो। उस संत ने उस लडके को कहा कि बेटै मिठाई नही खाया करते। उस औरत ने उस संत से कहा कि यही बात कहनी थी तो आप 15 दिन

पहले कह देते। मै इतनी दूर से पैसा खर्च करके यहां आई हूं इसलिए उसी दिन आप यह बात कह देते तो उस संत ने कहा कि उस दिन तक मै मिठाई खाता था इसलिए पहले मैने छोडी है तभी मै कह रहा हूं। मुख्यमंत्री जी खुद ठीक है इसलिए इन्कवायरी कर रहे है। इनकी सरकार मे तो बहुत कमियां थी, इन्होने बोर्डो पर कुछ न कुछ लिखवा कर बहुत पैसा खर्च कर दिया उसकी भी इन्कवायरी होनी चाहिए। किसी ने उन बोर्डो को नही पढा। ये लोग बोर्ड पढना नही जानते है। ये सोर हालात से वाकिफ है, इनहे सब पता है कि कौन हमारा फायदा कर रहा है और किसने हमारा नुकसान किया है। इन सारी बातो को देखकर ही यह रिजल्ट आया है। इन सारी बातो को देखकर ही यह रिजल्ट आया है। मै इनकी किसी बात पर टिप्पणी नही करता, मै तो सिर्फ इतना ही कहूंगा कि इनका रिजल्ट याद रखना। जनता सब जानती है, ऐसा कोई भला करने वाला नही है, किसी का गुणगान करने की जरुरत नही है। हर आदमी को पता है कि हम किस हालत मे थे और किस हालात मे हमज ा रहे है। इनकी सी डी मेरे पास पडी है, मै दिखा सकता हूं जिसमे ये भाशण दे रहे है और कह रहे है कि मै उस आदमी को आदमी नही मानता जिसके डर से रात को कोई चारपाई से नीचे न गिरे। अध्यक्ष महोदय, यह आदमी की भाशा नही है बल्कि हैवान की भाशा है। इन्होने पब्लिक का जितना नुकसान किया है उसकी इस सरकार ने इन्कवायरी करवाई इस बात की हम सराहना करते है और इसका भरपूर मौका दिया कि कुछ कहें लेकिन फिर भी उन्होने कोई ठोस बात नही की।

इसका यही मतलब है कि उन्हे पता चल गया था कि पब्लिक के सामने वे दो द ाको तक जो झूठ बोलते रहे थे वह सारी बात अब खुल चुकी है। मै तो यही कहना चाहूंगा कि जो इस प्रकार के जिम्मेदार व्यक्ति हो पूर्व मुख्यमंत्री भी रह चुके हो उन्हे इस महान सदन मे इस प्रकार की गलतब्यानी नही करनी चाहिए। इसमे आप तीन बातें कर सकते है कि एक तो आप ब्रीच आफ प्रिविलेज इनके खिलाफ लेकर आयें, दूसरा पूरा हाउस उनकी इस कार्यवाही को कंडैम करे और तीसरी बात यह है कि उनको रिप्रीमैंड करे। यह sense of the House है कि क्या किया जा सकता है। ये तीनो बाते इसमे होनी चाहिए ताकि आगे से कोई जिम्मेदार व्यक्ति हाउस मे आकर इस प्रकार की कोई बात न करे। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष मे रहते हुए हम यहां पर नेम होते रहे है और दूसरे साथियो द्वारा रिक्वैस्ट किए जाने के बाद भी कभी भी हमें वापिस नही बुलाया गया। पांच मिनट से उपर कभी हमें बोलने नही दिया लेकिन आपने फिराखदिली दिखाते हुए कई बार विपक्ष के साथियो को नेम होने के बाद वापिस बुलाया और दो बार आपने हाउस एडजर्न किया उसके बावजूद भी उन्होने यहां आकर कोई वि ोश बात नही की। मै समझता हूं कि ये एक्सपोज हो चुके है। इनके खिलाफ कोई कार्यवाही होनी चाहिए। स्पीकर सर, यही बात मै कहना चाहता हूं।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, हाउस के तकरीबन सभी सदस्यो ने अपनी राय जाहिर की है और

मुझे नही लगता कि बाकी किसी सदस्य की राय भी इससे अलग है। Speaker Sir, therefore, I wanto to move a resolution.

Mr Speaker: Alright.

Power Minister (Sh Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That Sh Om Parkash Chautala, MLA may be censured for his false and incorrect statement made knowingly and deliberately before the House during his speech on Governor's Address on 12.03.2008 by quoting incorrect figures of loan waived during the year 1987-88 and the Central Scheme of 1990 qua Haryana Share. Thsu, he may be censured for his improper and highly objectionable conduct and for misleading the House on this account.

Mr Speaker: Motion moved-

That Sh Om Parkash Chautala, MLA may be censured for his false and incorrect statement made knowingly and deliberately before the House during his speech on Governor's Address on 12.03.2008 by quoting incorrect figures of loan waived during the year 1987-88 and the Central Scheme of 1990 qua Haryana Share. Thsu, he may be censured for his improper and highly objectionable conduct and for misleading the House on this account.

Mr Speaker: Question is-

That Sh Om Parkash Chautala, MLA may be censured for his false and incorrect statement made knowingly and deliberately before the House during his speech on

Governor's Address on 12.03.2008 by quoting incorrect figures of loan waived during the year 1987-88 and the Central Scheme of 1990 qua Haryana Share. Thsu, he may be censured for his improper and highly objectionable conduct and for misleading the House on this account.

The motion was carried.

विधान कार्य–

दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 2008

13:00 बजे

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Sh. Birender Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation Bill (No. 2) Bill 2008.

Sir I beg to move-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

श्री एस एस सुरजेवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, मै ि ाक्षा के बारे में संक्षेप मे यह कहना चाहूंगा कि सरकार ने जो

सेमैस्टर सिस्टम इंट्रोडयूस किया है यह बहुत अच्छा है लेकिन इसकी पोजी ान यह है कि मैट्रिक के बाद 10 जमा 1 और 10 जमा 2 की जो दो क्लासिज है जो हर स्टूडैंट को पढनी पडती है चाहे कोई मैडीकल, नान मैडीकल, कामर्स या आट्र्स का स्टूडैंट हो। 10 जमा 2 की परीक्षा पास करने के बाद चाहे उनकी कोई भी पोजी ान हो, चाहे कितने भी मार्क्स क्यों न हो, वह सब बेकार है। जो दो साल की पढाई है उसको कंसिडर नही किया जाता और आगे एडमि ान के लिए अलग से एंट्रैस एग्जाम होते है। उन एंट्रैस एग्जाम के लिए बडे बडे भाहरो मे टयूटोरियल कालेजिज और टयू ान सैन्टर खुले हुए है, वे तैयारी करवाते है। ये इंस्टीच्यूट कोचिंग के लिए बहुत ज्यादा फीस ऐंठते है जिसको हमारे गावों के गरीब लडके–लडकियां वहन नही कर सकते। पैसे खर्चने मे हमारे गावं के लडके–लडकियां भाहर वाले अमीरो के बच्चो का मुकाबला नही कर सकते। आपने देखा होगा कि गावों में कई बार किसी गरीब परिवार का बच्चा पूरे प्रान्त मे या जिले मे प्रथम आता है लेकिन यह जरुरी नही है कि जब वह एंट्रैस मे जायेगा तो उसका एडमि ान हो जायेगा। वहां उसका एडमि ान नही हो सकता और जो 10 जमा 2 तक की पढाई की थी वह बेकार जाती है। अगर 10 जमा 2 के रिजल्ट के आधार पर एडमि ान दे तो गावों के गरीब लडके–लडकियां भी इसमे दाखिला ले सकते है। मै यह चाहूंगा कि सरकार को इस मामले मे भारत सरकार को भी रिक्मैंड करना चाहिए क्योंकि यह ने ानल लैवल का एंट्रेस टैस्ट है बलिक हमें अपनी स्टेट मे भी हॉयर

क्लासिज के लिए यह एंट्रैस टेस्ट खत्म करना चाहिए और 10 जमा 2 के आधार पर ही एडमि ान होना चाहिए। अगर यह एडमि ान 10 जमा 2 के आधार पर होगा तो जो लडके लडकियां मैरिट मे आते है उनका एडमि ान हो जायेगा। मै यह भी कहना चाहूंगा कि 10 जमा 2 की पढाई करने मे जो 2 साल लगते है उसका कोई फायदा नही होता। इसका फायदा बडे बडे भाहरो मे रहने वाले बच्चे ही उठा पाते है। वे भ्रुरु से ही इन कोचिंग्स को ज्वाईन कर लेते है और अल्टीमेटली उनको ही उसका फायदा होता है। अध्यक्ष महोदय, मै यह भी कहना चाहूंगा कि इस वक्त जो मार्क्स का सिस्टम है, जो डिविजन का सिस्टम है, चाहे फर्स्ट डिविजन हो, सैंकिड डिविजन हो थर्ड डिविजन हो या पास मार्क्स हो, यह बहुत पुराना है, इस पर पुनर्विचार करने की जरुरत है। जो लोग हमारी ि ाक्षा से जुडे हुए है, जो युनिवर्सिटीज मे ऐजुके ान को देख रहे है मै इस हाउस के माध्यम से उनको कहना चाहूंगा कि यह सिस्टम अंग्रेजो के समय का चला आ रहा है जिसमें सिर्फ 33 परसैंट वाले को ही पास कर दिया जाता है और यह सिर्फ क्लर्क पैदा करती है। आज ये बेमानी है। मै यह कहना चाहूंगा कि 50 प्रति ात मार्क्स लाने वाले ही पास होने चाहिए और जो उसकी क्वालिफाई नही कर सकते उनके लिए दूसरे एवैन्यूज है। आई टी आई और दूसरी जुनियर ट्रेनिंग्ज के लिए चांसिज है और वे अपना काम कर सकते है। बजाये इसके कि 35 प्रति ात मार्क्स लेकर वे बेकार घुमते रहे या कालेज मे जाए या पोस्ट ग्रजुऐ ान कालेज मे जाएं। अध्यक्ष महोदय, मै यह

प्रपोज करता हूं कि 50 प्रति ात पास मार्क्स होने चाहिए और 75 प्रति ात मार्क्स से फर्स्ट डीवीजन होनी चाहिए। इस प्रकार से इसमें चेंज करने की जरुरत है और उससे नीचे लोवरन डिवीजन होनी चाहिए। इस प्रकार से इसमें चेंज करने की जरुरत है। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे कहना चाहता हूं कि हाउस मे एक बडी चर्चा चलती है कि गावों मे डाक्टर्ज नही जाते है। इसके कारण है कि जहां पर वे 5–6 साल भाहर मे पढते है या किसी बडी युनिवर्सिटी मे पढते है जहां पर बडे बडे भाहरो और मैडिकल कालेजो मे वे पढते है वहां हर सुविधा उपलब्ध है। उसके बाद उनकी भाादी हो जाती है तो उनकी बीवी भी बहुत पढी लिखी होती है। उसके बाद इतना गैजेट्स उनके ससुराल वाले दहेज मे देते है। स्पीकर सर, गावों मे तो बिजली नही है इसलिए उनका टी वी, फ्रीज, वा ाग म ीन और ए सी आदि काम नही करते है। नॉर्मली वे गावों मे नही जाते और भाहरो मे ही रहते है, या छुटटी ले`लते है या फिर नौकरी तो किसी ाहर में करते है और तन्ख्वाह गांव से लेते है। अध्यक्ष महोदय, मै यह प्रपोज करुंगा कि सरकार को इस प्रकार के रुरल डाक्टर्ज मुकरर्र करेन चाहिए जो गांव के बैकग्राउंड से हो और गावों मे ही रहे। बजाए इसके ि कवे 5–6 साल तो एम बी बी एस की पढाई करे और उसके बाद दो अढाई साल पढाई करके दूसरी डिग्रीयां यानि पोस्ट ग्रजुऐ ान की डिग्री लें। जो रुरल डाक्टर्ज तैयार किए जाए उन्हे छः महीने की या जितनी मुनासिब समझे उनको ट्रेनिंग देकर गावों मे लगाया जाए। वे लोग कोई काम्पलीकेटिड आपरे ान न करे और ऐसे

केसिज को बडे अस्पतालो मे रैफर कर सकते है। गांव के गरीब आदमी को कम से कम उनकी सेवाएं मिल सकती है क्योंकि गांव के गरीब आदमी महंगा डाक्टर अफोर्ड नही कर सकते है। रुरल डाक्टर्ज होने से वे महंगे डाक्टरो की लूट से भी बचेंगे। इनि ियल प्रिलिमिनरी इलाज तथा छोटी छोटी दवाईयो के लिए वे रुरल डाक्टर्ज के पास जा सकते है। बहुत सी छोटी छोटी बीमारियां है जिनका इलाज गावं मे ही हो सकता है। गांव मे काम करने वाले डाक्टर्ज को रुरल डाक्टर्ज की पोस्ट दे दी जाए और उनकी पढाई और कोर्स भी थोडा डिफरैंट हो और उसको सिक्वीज कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से गांव के लोगो को मैडिकल की सहुलियत मिल सकती है। तीसरी बात मै यह कहना चाहूंगा कि अन–आर्गेनाईज्ड सैक्टर ऐसा है जिसमे आपके बे ुमार लोग अन–आर्गेनाइज्ड सैक्टर मे काम करने वाले है उनके लिए कोई कानून नही है, उनको कोई राईट नही है, उनकी कोई प्रोटैक ान नही है। रेहडी वाला है, छाबडी वाला है रिक ाा चलाने वाला है, खच्चर रेहडा चलाने वाला है, इनके लिए पार्किग के लिए तथा अपना काम धंधा करने के लिए कोई जगह नही है। स्पीकर सर, इस प्राकर के जो छोटे छोटे काम करते है या कुछ चीजे बेचते है उनके लिए म्यूनिसिपल काउंसिल या म्युनिसिपल कमेटी मे कोई जगह मुकर्रर नही है जहां पर वे लोग अपना रोजगार चला सके। स्पीकर सर, म्यसूनिसीपल कमेटियो के लोग इनसे मंथली लेते है इनसे पैसा लेते है। पुलिस वाले भी इनको बहुत एक्सप्लायंट करते है और कई दफा उनका पूरा

छाबडा या टोकरी उल्ट देते है ओर इस प्रकार उनके पेट पर लात मारते है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहूंगा कि 3–4 बातें अन–आर्गेनाईज्ड लोगो के लिए करनी जरुरी है। नंबर एक तो हर भाहर मे अनिवार्य होना चाहिए कि म्यूनिसिपल काउंसिल और म्यूनिसिपल कमेटी इनके लिए कोई जगह मुकरर्र करेगी। इसके लिए बस अडडे के पास, रेलवे स्टे ान के पास या किसी और मुनासिब जगह पर उनको जगह दी जाए जहां पर उनका सामान बिक सकता है। लोग उनसे सामान खरीदते है। उन गरीब लोगो की भांटिंग होती रहती है। हर साल या छठे महीने उनको लाईसैंस लेना पउता है, तहबाजारी देनी पडती है। अध्यक्ष महोदय, यह सारा कानून चेंज होना चाहिए, खत्म होना चाहिए और उन लोगो को भाहर मे कोई परमानैंट जगह दी जानी चाहिए उनको भौडज वगैरह भी प्रोवाईड करवाये जाने चाहिए। जो रिक ाा वाले है या रेहडी वाले है अथवा रेहडी खच्चर चलाते है उनके लिए पार्किंग मुकर्रर करना जरुरी है। अध्यक्ष महोदय, मै इसके दो और बातें जरुर कहूंगा। एक तो इन को सेा ाल बैनिफिट जरुर मिलने चाहिए। अगर किसी का कोई एक्सीडैंट हो जाता है तो उनके इलाज के लिए मैडिकल ट्रीटमैंट के लिए सरकार उसका बीमा करवा दें। इन सबका मैडिकल ट्रीटमैंट बीमा सरकार को करवाना चाहिए जैसे और भी बहुत से गरीब लोगो का करवाते है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इनके बच्चो की ऐजुके ान के लिए हैं एस सी, बी सी और दूसरे गरीब बच्चो को वजीफा दिया जात है, किताबे दी जाती है, बस्ते दिये जाते है। उन गरीब बच्चो का क्या

होगा, आज उनके लिए कोई भी सहुलियत नही है। मेरा कहना है कि उनको भी एट पर ट्रीट करना चाहिए। मैडिकल मे और पढाई मे इन गरीब बच्चो को भी सहूलियतें देनी चाहिए। पुलिस भी इन गरीब लोगो को तंग नही करे इसलिए इनको प्रोटैक ान देनी चाहिए। ये गरीब लोग झोटा गाडी खच्चर आदि पर अपना सामान लेकर आते है और उनको सामान उतारे के लिए भी कोई जगह नही मिालती है जिसकी वजह से बहुत क्योस पैदा होता हैं इसी तरह स`अब हिंदुस्तान मे मल्टीने ानल कंपनियां छोटे स्टोर लेकर आ रही है।

श्री अध्यक्षः आपने यह बात पहले भी कह दी है। आप इसको रिपीट न करे। अब आप बैठें।

श्री एस एस सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरी यह बात नही आई है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन मे बताना चाहूंगा कि जो रिटेल का काम करते है उनकी संख्या 8 करोड के करीब है। सर, न तो किसी सोसाईटी के पास और न ही सरकार के पास इन रिटेलर्ज का कोई सैंसेक्स है, कोई फिगर नही है ि कवे कितने है और कैसे गुजारा करते है। यह जो मल्टीने ानल कंपनियां रिटेल भााप्स खोल रही है, यह रिटेलर्ज के लिए बहुत बडा थ्रैट है इस संबंध मे सरकार को नीतिगत फैसला लेने के बारे मे सोचना चाहिए। धन्यवाद।

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाज (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, माननीय सुरजेवाला साहब इस सदन मे सबसे सीनियर सदस्य है, मिनिसटर भी रह चुके है और आज एम एल ए है। इनकी पता नही क्यों प्राईवेट डाक्टर्ज के बारे मे गलत धारणा बनी हुई है। मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि पूरी दुनिया मे डाक्टर बनना सबसे मु ि कल काम है।

श्री अध्यक्षः भारद्वाज जी आप उनसे कुछ न कहें। आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलें। (विघ्न)

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, जितनी सेवा प्राईवेट डाक्टर्ज करते है उनती सेवा तो सरकारी डाक्टर्ज भी नही कर सकते है। मैने सरकारी नौकरी भी की है और प्राईवेट प्रैक्टिस भी कर रहा हूं। मैने दो जगहो पर काम करके देखा है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब मै आपकी बात से एग्री करता हूं। प्राईवेट डाक्टर और वकील दोनो की बहुत सेवा करते है। इसमे पैसा भी बहुत है और इजजत भी है। डाक्टर साहब आप प्वायंट पर आए। एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलें।

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, अभी पिदले दिनो 21, 22 ओर 23 तारीख की छुटटी थी। मैने इन तीनो दिनो मे वहां पर खुब काम किया है। अध्यक्ष महोदय, 24 तारीख को मुझे हाउस मे आना था और उस दिन प्र न काल के दौरान मेरा पहला प्र न लगा हुआ था। मै 11 बजे तो आप्रे ान थियेटर मे

था उसके बाद मै भाादी में गया फिर वहां से चलकर यहां तक पहुंचा था। यहां पर मेरा पहला प्र न लगा हुआ था।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, यह सब करना पडता है। आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलें। अगर आप इस तरह से डिबेट करेंगे तो यह ठीक नही है।

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः सर, मै एप्रोप्रिए ान बिल पर ही बोल रहा हू। यह जो यहां पर अढाई साल और 6 महीने के कोर्स करने की बात की जा रही है तो मै यह कहना चाहूंगा कि यह सुझाव सही नही है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, इस बारे मे ंफाईनैंस मिनिस्टर जी जवाब देंगे। आप एप्रोप्रिएशन बिल पर बोलें।

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः सर, सुरजेवाला जी ने प्राईवेट डाक्टरो के बारे में बात कही है। मै उस बारे मे ंअपनी बात कह रहा हूं।

Mr. Speaker: आप एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलें। Please specity your demand and speak. (विघ्न) नही नही। आप बैठ जाएं। प्रोफैसर छतर पाल जी आप बोलें। प्रोफैसर साहब बोलते हुए आप समय का ध्यान रखना।

प्रो0 छतर पाल सिंह (घिराय): स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलने का मौका

दिया। सर, मै डिमांड नं0 10 पर बोलना चाहता हूं। मेरी मैडीकल और पब्लिक हैल्थ से संबंधित बात है। विलेजिज की बहुत डिमांडज है कि कही पर पी एच सी खोली जाए, कही ंपर पी एच सी से सी एच सी अपग्रेड की जाए और कही ं पर सब–हेल्थ सेंटर खोले जाए। स्पीकर सर, मेरी कांस्टीच्यूएंसी मे रायपुर, फरीदपुर, खेदड भगाणा, लाडवा, बावडा, खैरी, कंडूल, भाटला, बातक ऐसे गावं है जहां पर इस तरह की डिमांडज ऐग्जिस्ट करती है। विभाग की तरफ से तो पुराने नोर्म्ज ही चले आ रहे है किइतनी पोपुले ान पी0 एच0 सी0 से सी0 एच0 सी0 अपग्रेड ान के लिए चाहिए, इतनी पोपुले ान नयी पी0 एच0 सी0 खोलने के लिए चाहिए, इतनी पोपुले ान नये सब–हैल्थ सैंटर खोलने के लिए चाहिए। स्पीकर सर, एनवायरमैंट बहुत ज्यादा प्रदूशित होता जा रहा है। अब पेस्टीसाईडस खेत के खाद्यान्न मे बहुत ज्यादा इस्तेमाल किए जाते है जिसके कारण बहुत बुरी तरह से बीमारियां बढले लग रही है। मेरी गुजारि ा है कि सरकार इस बारे मे नोर्म्ज मे रिलैक ोसन देकर देहातो के अंदर ज्यादा से ज्यादा पी0 एच0 सी0, सी0 एच0 सी0 और सब–हैल्थ सैंटर्ज खोलने की तरफ ध्यान दें।

श्री अध्यक्षः प्रोफैसर साहब, आप तो सीनियर मैम्बर है इसलिए आपको पता होना चाहिए कि ऐप्रोप्रिए ान बिल पर किस तरह की बात बोलनी है। ऐप्रोप्रिए ान बिल के द्वारा डिफरैंट डिमाण्उज के लिए जो फंडज की ऐलोके ान की गयी है उसमे

अगर आपको यह दिखाई देता है कि प्रदे ा किस दि ाा मे जा रहा है और आपका सुझाव यह है कि इस हैउ मे अगर इस लाईन मे इतना प्रोविजन और बढा दें या इसमे अलग से बजट रख दें क्योंकि यह खर्च होना है।

प्रो0 छतर पाल सिहः स्पीकर सर, यदि आप इनके लिए रिलैक्से ान देंगे तो आपको इनको और ज्यादा ऐप्रोप्रिएट बनाने के लिए पैसा तो बढाना ही पडेगा। यही मेरा सुझाव है कि यदि आप इसके लिए रिलैक ोसन देंगे तो ज्यादा सब–हैल्थ सैंटर्ज, पी0 एच0 सी0, सी0 एच0 सी और खोलनी पडेगी, अपग्रेड करनी पडेगी।

श्री अध्यक्षः प्रोफैसर साहब, आप चेयर के माध्यम से फाईनैंस मिनिस्टर को एड्रेस करें क्योंकि यह हैल्थ का ऐप्रोप्रिए ान बिल नही है।

प्रो0 छतर पाल सिंहः स्पीकर सर, हैल्थ की डिमांड होगी तो पैसा फाईनैंस मिनिस्टर ही देंगे। हैल्थ मिनिस्टर साहिबा भी यही बैठी है और फाइनैंस मिनिस्टर भी बैठे है। हम सभी देहात को रिप्रेजैंट करते है इसलिए सबके एरियाज मे एक ही प्रोब्लज है। मेरी गुजारि ा है कि हैलथ मिनिस्टर इस बारे में गौर करेगी। हमारे फाइनैंस मिनिस्टर साहब तो बहुत लिबरल है वे हाउस मे ऐ योर करते रहे है कि पैसे की कमी नही है अगर

पंजाब भी मांगे तो हम देना चाहते है। मेरी गुजारि ा है कि हैल्थ मिनस्टिर इसको और ज्यादा ऐप्रोप्रिएट बनाने के लिए ध्यान दें।

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): मै आपके माध्यम से माननीय सदसय को बताना चाहती हूं कि हमारा जो यह विभाग है यह एक तरह से वर्ल्ड आर्गेनाईजे ान से जुडा हुआ है। जो नार्म्ज तय किए जाते है उनको हम तय नही करते बल्कि पूरे दे ा मे भारत सरकार इनको तय करती है। पूरे देश मे एक से ही नार्म्ज है। केवल पहाडी इलाको के लिए कुछ आबादी में छुट दी गयी है बाकी दे ा के किसी भी हिस्से के लिए नार्म्ज एक से ही है उनके लिए आबादी मे छुट नही दी गयी है। जो मिनीएयर प्रोग्राम है इसके तहत भारत सरकार हमें कुछ पैसा देकर हमारी मदद करती है।

प्रो0 छतर पाल सिंहः स्पीकर सर, मेरी गुजारि ा है कि जिन आव यकताओ का इ ाारा मैने विभाग की तरफ किया है उन आव यकताओ को दिमाग मे रखकर विभाग सुझाव दे। यदि विभाग इन आव यकताओ को ठीक समझता है तो नार्म्ज मे रिलैक्से रन करने के लिए, नार्म्ज रि–ऐस्टेबिलिश करने के लिए वर्ल्ड हैल्थ आग्रेनाईजे ान को भी लिख सकता है और यहां पर आप कानून के अंदर परिवर्तन कर सकते है। स्पीकर सर, अब मै डिमांड नं0 17 पर अपनी बात कहना चाहता हू। एक केस मेरे नोटिस मे ऐसा अया है कि ऐग्रीकलचर विभाग से संबंधित है। दो डिप्टी डायरैक्टर्ज है जिनको हरियाणा पब्लिक सर्वि कमी ान ने

नियुक्त किया है। औम प्रका ा पुत्र श्री भूखराम और धर्मपाल पुत्र श्री तेलूराम। ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब इसको देखें कि इनकी रिक्वीजिट क्वालिफिके ान थी या नही **********

श्री अध्यक्षः प्रो छतर पाल सिंह जी अब जो कुछ कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। आपको अर्पोचुनिटी दी थी। if you have the tendency to snatch the right of others then it is not a right practice and it is not a good practice. Please take your seat.

श्री हर्श कुमार (हथीन): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे ऐप्रोप्रिए ान बिल पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। मै इस बारे में सुझाव देना चाहूंगा कि जहां तक ि ाक्षा की बात है। दलित वर्ग और कमजोर वर्ग के बच्चो को सरकार ने रियायतें दी है। इसमे कोई दो राय नही है, यह सराहनीय है। लेकिन ये जो मिड डे मिल स्कीम है या जो ए आई सैंटर चल रहे है। इनकी वजह से गावों मे ि ाक्षा का स्तर उस तेजी से नही सुधर रहा जिस तेजी से सुधरना चाहिए। इस क्षेत्र मे कुछ सुधार लाने के लिए मै इस बारे में कुछ सुझाव देना चाहूंगा। जिस तरह से सरकार ने दलित और कमजोर वर्ग के बच्चो को रियायतें दी है इसी तरह से देहात मे जो हमारे टीचर्ज है उनके बच्चो को भी उसी तरह से रियायतें दें लेकिन उसमे एक भार्त यह होनी चाहिए कि जो मास्टर स्कूल में पढाते है उनके बच्चे भी सरकार स्कूलो मे पढें। अगर ऐसा किया जाएगा तो कम से कम देहात मे इस बात से ि ाक्षा स्तर मे कुछ तो सुधार होगा।

जितने भी सरकार ि ाक्षक है मै दावे के साथ कह सकता हूं 90 परसैंट टीचर्ज के बच्चे पाईवेट स्कूलो मे पढते है तो गांव के स्कूलो मे टीचर्ज को गप ाप के अलावा कोई दूसरा काम नही रह जाता। मिड–डे मिल या फिर सर्व ि ाक्षा अभियान के तहत जो स्कूलो मे कमरे वगैरह बने है उनही कामो मे टीचर्ज ज्यादा रहते है। बच्चो की पढाई की तरफ उनका ध्यान नही रहता है। ये भार्त लगाई जाएगी तो लाजिमी तौर से देहात मे बच्चो की ि ाक्षा का स्तर भी सुधरेगा और वे ि ाक्षा के क्षेत्र. मे आगे आएंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरा एक निवेदन और है कि हमारा मेवात का इलाका है। वह बहुत पिछडा हुआ इलाका है। वहां एजुके ान नही है। वि ोश तौर से वहां पर लडकियों के लिए एजुके ान नही है। वहां पर नर्सिंग ट्रेनिंग सैंटर खोल रखा है लेकिन उस नर्सिंग ट्रेनिंग सैंटर मे क्वालिुिके ान पूरी न होने की वजह से वहां ऐडमि ान पूरे नही होते। उसमे दसवी ंपास की क्वालिफिके ान रखी गई है। मेरा सुझाव है कि दसवी ंकी जगह उस क्वालिफिके ान को आठवी ंपास रख दी जाए। आठवी के साथ जो एक साल का नर्सिंग को कोर्स है उसको दो साल या तीन साल का कर दिया जाए। नर्सिंग की ट्रेनिंग के साथ साथ दसवीं की ऐजुके ान तक कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी दी जाए तो जितनी पी0 एच0 सी0 और सी0 एच0 सी0 है जिनमे आ ाा वर्कर और हैल्थ वर्कर की पोस्टें खाली पडी है उनके लिए वहां टीम की कमी है। डाक्टर देहात मे नही आते है और पी0 एच0 सी0 व सी0 एच0 सी0 मे भी डाक्टर्ज की पोस्टे खाली पडी हुई है। सरकार इस

काम मे प्राइवेट लोगो को ठेक पर लगा रही है लेकिन इसमे अभी अपेक्षित कामयाबी नही मिली है। इसका कारण यह है कि हमारे यहां जो नीचले लैवल का स्टाफ है वह वहां नही है। इसके लिए कोई ट्रेनिंग भुरु की जाए और इलाके का भी फायदा होगा। इन भाब्दो के साथ आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री नरे ा यादव (अटेली): स्पीकर सर, बहुत बहुत धन्यवाद आपने मुझे एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलने के लिए समय दिया। मै अपने हल्के की कुछ बातें रखना चाहूंगा। स्पीकर सर, हल्के के बारे में बताना चाहूंगा कि मेरे इलाके मे कांटी गांव के लिए एक पी0 एच0 सी0 खोलने के लिए पास हुई थी।

श्री अध्यक्ष: कांटी के बारे मे तो आपने क्वै चन भी किया था और उसका स्पैस्फिक रिप्लाई भी आ गया।

श्री नरे ा यादव: स्पीकर सर, बाछौद की पी0 एच0 सी0 का उद्धाटन हो चुका है लेकिन वहां पर काम भुरु नही हुआ है। दूसरा अटेली मण्डी के पास जो कालेज है उसके पास 20 एकड जमीन खाली पडी हुई है वहां पर खेल स्टेडियम खोलने की माग आई है। वहां खेल स्टेडियम बनाया जा सकता है। स्पीकर सर, मेरे हल्के के 3–4 स्कूल ऐसे है जो अपग्रेड होने बहुत जरुरी है। नीम का राणा जोकि इण्डस्ट्रीयल जौन है, एक खेडी गांव का स्कूल है, एक तिगराम और चन्दपुरा गांव का स्कूल

है और पांच गावों के बीच मे कोई प्लस टू का स्कूल नही है। इसी प्रकार बिजली के लिए बार बार लिखकर दिया है। बार बार प्रस्ताव भी आ जाता है। बिजली के तार और खम्बे बदले जा रहे है। लेकिन जब भी ग्रिवैंसिज कमेटी की बात आती है तो कह दिया जाता है कि 10–15 दिन मे बदल दिए जायेंगे। फिर मीटिंग मे यह बात आती है कि स्पीड से काम किया जाए। तार और खम्बो की कई गावों मे इतनी ज्यादा प्राब्लम हो रही है कि कई खम्बे तो धरो के बीच मे आ गये है कही तो करंट से आदमी मर रहे है और कहीं करंट से प ा मर रहे है। बार बार कहने के बावजूद अधिकारी इस तरफ कोई ध्यान नही देते। हम गावों मे दौरा करने के बाद लोकल अधिकारियो को कामो की लिस्ट बनाकर देते है बकायदा लिखि तमे भी देते है उस समय कम से कम उन कामो को टाईम बाउंड किया जाए और उन कामो का जवाब हमारे पास आ जाए। अधिकारियो को उस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि 30–35 साल पहले तारे और खम्बे लगे थे। इसी तरह से ट्रा ुसफामर्ज जलते थे। मंडियाली काण्ड जले हुए ट्रा ुसफार्मर को लेकर हुआ था। क्योंकि उस समय यही सुना जाता ाि कि उस गांव मे ट्रांसफार्मर जल गया। लेकिन आज यह सुनने मे नही आत कि किसी गांव मे ट्रा ुसफार्मर जला हुआ नही मिलता है। स्पीकर सर, मेरा आपसे निवेदन है कि जो तार खम्बे है वे कई गावो मे नीचे लटके हुए है। इस बारे में हमने लिख कर भी दिया है। माननीय मंत्री जी, चौधरी साहब हमारी ग्रिवैंस कमेटी के चेयरमैन है वे हमारे एरिया मे जाते रहते है इनको भी हमने लिख

कर लिस्ट दी है और कैप्टन अजय सिंह यादव भी माका मिलता है तब जाते रहते है इनके माध्यम से लिसट दी गई लेकिन उस लिस्ट पर कार्यवाही करके कोई हमारे पास जवाब नही आता। स्पीकर सर, यह जरुर हो कि जो विधायक लिखकर देता है उसको जवाब तो मिलना चाहिए। कई सडके ऐसी है जिनमे ज्यादा खडडे हो गये है एक मे तो स्कूल बस भी गिर गई थी। मै आपके माध्यम से एक बात कहना चाहूंगा कि जिला लैवल पर या लोकल लैवल पर अधिकारियो को ये निर्दे ा दिए जायें कि जब भी माननiीय सदस्य लिखकर देते है उन कामो पर कार्यवाही करके सदस्यो को सुचित किया जाए इस बात पर ध्यान दिया जाए। नरेगा स्कीम के तहत हमारे पास खुब पैसा है जितना चाहे ले सकते है। जो ठेकेदारी सिस्टम मे हम काम करवा रहे है, उसमे देरी हो रही है क्योंकि इसमे जिम्मेवारी फिक्स नही हो पाती। आज मै आवे के साथ कहता हूं कि हमारे जिले के जितने बी डी ओज है, जितने एक्सीयन पंचायती राज है, जितने हमारे जे ई है वे सब खाली बैठैं है। चूंकि हमारे जिले मे इस स्कीम के अलावा दूसरी कोई स्कीम नही है और बी आर जी एफ स्कीम भी अभी तक महेन्द्रगढ मे नही आई है। हमारे सारे कर्मचारी खाली बैठें है। मै कहना चाहूंगा कि जोहडो की खुदाई का काम, मिटटी गिराने का काम जैसी दूसरी स्कीमो के लिए भी नरेगा स्कीम से थोडा पैसा दिया जाए। जिला लैवल पर जैसे जिला परिशद है उनके साथ उस एरिया के एम एल ए की कमेटी बना दे। उसमे पंचायत समिति के मैम्बर्ज को भी भाामिल कर दे चूंकि उनके पास भी

कोई काम नही है। यह कमेटी अपने अपने हल्के के पार्शदो से और पंचायत समिति के मैम्बर्ज से कामो की लिस्ट ले और कहे कि आपके फलां गांव मे नहर का काम है, आप कमेटी के साथ चलकर इस काम को देखोगे और फलां फलां आदमी कमेटी के मैम्बर्ज है। अध्यक्ष महोदय, इससे इनका अधिकारियो पर भी थोडा कंट्रोल रहेगा और पैसा सही काम मे लग जाएगा और काम भी हो पाएंगे।

श्रीमती गीता भुक्कल (कलायत अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। जैसा कि हमारी सरकार ने वर्श 2008 को ि ाक्षा वर्श मनाने का फैसला लिया है, हम इसकी सराहना करते है। आजादी के तकरीबन 60 साल हो गए है और आंकडे देखें तो ड्राप आउट की समस्या अभी भी बहुत गंभीर बनी हुई है। आज बहुत सी स्कीमो की घोशणा की गई। हमारी सरकार ने सेमैस्टर सिस्टम की घोशणा की है। मै यह कहना चाहूंगी कि आज सरकार द्वारा अच्दे स्टैप्स उठाए जा रहे है जिनका अच्छा नजीता निकल रहा है। हमारी सरकार ने फैसला लिया है कि बच्चो को मुफ्त कापी किताबे दी जाएंगी, मुफ्त बस्ता दिया जाएगा। सबसे जरुरी बात मै कहना चाहूंगी कि जब सरकारी किताबें बांटनी हाती है तो जब फर्स्ट सैमेस्टर भाुरु होता है उसी समय किताबें दी जानी चाहिए क्योंकि बच्चो को किताबे न सेमैस्टर भाुरु होता है उसी समय किताबे दी जानी चाहिए क्योंकि बच्चो को किताबे न

मिलने की वजह से उनका फर्स्ट सैमेस्टर निकल जाता है और दूसरे समैस्टर मे किताबे मिलती है जिसकी वजह से अच्छे नजीते नही निकलते है। अक्सर देखा गया है कि गांव मे मा बाप को पता नही चलता था कि उनके बच्चे कहां स्टैण्ड करते है उनका किस सब्जैक्ट मे इंट्रस्ट है। जब 10वीं या 8वीं की बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट आता है कई पेरंटस को तो तब पता चलता है कि उनका बच्चा बडा होि ायर था, फर्स्ट डीवीजन मे पास हुआ है। कई पेरेंटस को तब पता चलता है कि उनका बच्चा अंग्रेजी मे कितना नालायक है। भ्ाूपेन्द्र सिंह हुडडा जी ने ि ाक्षा मे वि ोश तोर पर प्रावधान किए है तो मै कहना चाहूंगी हम यह सुनिि चत करे कि हम पहली क्लास से ही रिपोर्ट कार्ड देंगे ताकि पेरेंटस चाहे वे अनपढ है उनको पता चल सके कि हमारा बच्चा क्या कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जो स्कीमें दी है उनमे ंअगर अच्दे रिजल्ट नही आ रहे है तो उनका रिव्यू किया जाना चाहिए। हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे मे सभी सदस्यो ने अपनी अपनी बातें रखी। CHCs, PHCs की अपग्रेडे ान की बात की गई। मेरा कहना है कि जो PHCs चौपालो म`चल रही है, नई PHC बनाने की बजाय जो 15–15 साल सें चल रही है, जैसे हमारे सीसर गांव मे 15 सालो स`चल रही है, वहां स्टाफ भी है और डाक्टर्ज भी है लेकिन ऐसी कोई व्यवस्था नही है कि वहां हास्पीटल चलाया जा सके। इसलिए मै सरकार से कहना चाहूंगी कि वहां पर एक हास्पीटल बनाने का प्रावधान किया जाए। इंदिरा गांधी पेयजल स्कीम के तहत सभी एस सी बस्तियो मे पानी पहुंचाने का और

पाईपें बिछाने का काम किया गया है। क्योंकि गलियो की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई थी, अब वे बिल्कुल उखड गई है इसलिए उन8को उखडवाकर कोई ऐसा प्रावधान किया जाए कि उन गलियो को सी0 सी0 की गलियां बना दिया जाए। धन्यवाद।

श्री फुल चन्द मुलाना (मुलाना अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपनी सरकार का और केन्द्र की सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि हमारे ने ानल हाई–वे मे सुधार हुआ है। व्हीकल्स की संख्या बहुत बढी है। हर रोज फैक्ट्रीयां जितने व्हीकल्ज बनाती है वे सारे रोडस पर आते है। ने ानल हाई वे एथोरिटी आफ इंडिया है उनके बैरियर्ज से जो भी व्हीकल गुजरता है उसके टोल टैकस देना पडता है। वहां पर बैरियर्ज पर लम्बी लम्बी लाईनें लग जाती है और जाम भी लगते है। उसमे करप ान भी बहुत होता है। रात के समय मे तो डुप्लीकेट पर्चियां काटी जाती है इसमें मेरा सुझाव है कि जिस प्रकार पैट्रोल पर सैस लगा हुआ है या गाडियों की रजिस्ट्रे ान के समय भी व्हीकल्ज टैक्स लिया जाता है अगर नै ानल हाई–वे आथेरिटी आफॅ इंडिया के लिए भी नै ानल हाई–वे एथोरिटी आफ इंडिया के नाम से अलग से सैस व्हीकल रजिस्ट्रे ासन के समय ही ले लिया जाये तो अच्छा होगा। इससे करप ान भी कम होगी और रोड पर जाम भी नही लगेगा। मेरे ख्या लमे आजकल हर गाडी कही न कही पर उन बैरियर्ज से होकर गुजरती है। अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा प्वायंट यह है कि जो आपकी और

हमारी चिंता है कि आज के दिन चाहे पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट हो, चाहे पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट हो और चाहे पी0 डबल्यू0 डी0 (बी0 एण्ड आर) डिपार्टमैंट हो यानि कि हर विभाग मे सारे काम ठेकेदारो के माध्यम से करवाये जाते है। जो हमने 5–6 हजार इंजीनियर लगा रखे है ये केवल सुपरवाईजरी करने के लिए रखे हुए है। जो ठेकेदार बीच मे काम छोडकर भाग जाते है उनके खिलाफ भी हम कोई कार्यवाही नही कर सकते। इसलिए स्टेट के हित मे मै यही सुझाव देना चाहता हूं कि सभी विभागे मे पहले की तरह विभागीय स्तर पर काम करवाना चाहिए औार ठेकेदारी सिस्टम को बंद करना चाहिए ताकि जो हमारे अधिकारी आज मौज मार रहे है उनकी जिम्मेदारी बने।

श्री रणधीर सिंह बरवाला (बरवाला): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस बिल पर बोलने के लिए समय दिया आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से मांग भी करता हूं और सुझाव भी देता हूं कि मलेरिया विभाग गावों और भाहरो मे मच्छर मारने के लिए मई, जून और जुलाई के अंदर दवाई का स्प्रे करता है। लेकिन अब गांव और भाहरो मे दो समय मच्दर पैदा होते है। फरवरी और मार्च के महीने मे भी मच्छर बहुत होते है। इसलिए मै सरकार से मांग करता हूं कि मच्दर मारने वाला स्प्रे साल मे दो बार किया जाना चाहिए। एक बार फरवरी और मार्च मे तथा दूसरी बात मई से जुलाई के महीने में स्प्रे करना चाहिए ताकि लोगो को मच्छरो से छुटकारा मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, दूसरा मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हू कि बरवाला मे सी एच सी के लिए पैसे देकर वहां पर आपरे ान थियेटर बनवाया है। मेरी मुख्यमंत्री जी से मांग है कि बरवाला की सी एच सी को जनरल हास्पीटल बनवाया जाये। वह जनरल हास्पीटल के सारे नार्म्ज पूरे करता है वहां की आबादी 50 हजार के करीब है।

श्री अर्जन सिंह (छछरौली): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी के ध्यान मे लाना चाहूंगा कि गावों के अंदर नालियो का पानी सडको पर छोड दिया जाता है। इसका मेन कारण यह है कि वहां पर पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नही होती। इसलिए मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि पांच सात गावों के लिए एक नाला बनाया जाना चाहिए जिसमे वे गांव अपना गंदा पानी डाल सकें।

श्री सुखबीर सिंह फरमाना (रोहट): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस बिल पर बोलने के लिए समय दिया मै आपका धन्यवाद करता हूं। मौजुदा सरकार बहुत अच्छे और ईमानदारी से कार्य कर रही है। मै मुख्यमंत्री जी से मांग करुंगा कि मेरे हलके मे बधाना से रोहट की सडक जल्दी से जल्दी बनवाई जाये। स्पीकर सर, सरकार द्वारा हमारी लगभग सभी मांगे मान ली गई है और सभी काम बढिया तरीके से हो रहे है। क्योंकि एक ईमानदार मुख्यमंत्री की यह एक बढिया सरकार है और माननीय मुख्यमंत्री जी की कथनी और करनी मे कोई अंतर नही है। इसके अतिरिक्त

मै अपने हल्के की एक मांग आपके माध्यम से सरकार के ध्यान मे लाना चाहूंगा। यहां पर मेरे हलके के एक बुजुर्ग बैठे है उन्होने मुझसे बधाने से रोहट का रास्ता जो कि मार्कटिंग बोर्ड के तहत आता है उसको बनवाने का निवेदन किया है। स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से सरकार से इस रास्ते को बनवाने का अनुरोध करुंगा। इसके अलावा मै एक बात जोहडो के बारे में कहना चाहता हू। जोहडो मे हमारे प ा पानी पीते है और हमारे हरियााणा प्रदे ा मे काफी मात्रा मे प ाुधन है। इसलिए सरकार द्वारा जोहडो का निर्माण भी किया जाना चाहिए इसके लिए मै वित्त मंत्री जी से बजट मे प्रावधान करने का भी अनुरोध करुंगा। इसके लिए भी मै अलग से बजट दिया जाना चाहिए कि नाले खोदकर जोहडो को भरा जाये।

श्री राधे याम भार्मा अमर (नारनौल): स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। स्वास्थय विभाग के डाक्टरो के बारे में मै एक सजै ान देना चाहूंगा। इसमे मेरा सुझाव यह है कि सरकार को ग्रामीण डाक्टरो की भर्ती के लिए अलग से स्पे ाल एडवरटाईजमैंट निकालनी चाहिए और उसमे उनको दो हजार या चार हजार या जैसा भी सरकार उचित समझे उनको ज्यादा तन्ख्वाब प्रोत्साहन के तौर पर भी देनी चाहिए। इसके अलावा एक भार्त यह भरी होनी चाहिए कि जो ग्रामीण क्षेत्र के तहत निकली वैकेंसी पर डयूटी ज्वाईन कर उसकी भाहरी क्षेत्र मे ट्रांसफर भी

नही होगी। जिससे वे वहां पर रुक कर सेवा कर सकें। स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त एक दूसरी छोटी सी बात मै यह कहना चाहूंगा कि सन् 1975 मे स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, चीफ मिनिस्टर और मिनिस्टरो का वेतन 12 हजार रुपए था और अब यह 20 हजार रुपए हो गया है।

Mr. Speaker: Is there any other Member, who want to speak on the appropriation Bill.

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, सभी मैम्बर्ज की मं ाा यह है कि बिना रिप्लाई के ही ये सब बिल पास हो जायें। मै अपने सारे सदन का, विधान सभा के सभी कर्मचारियो का और जिन्होने बजट बनाने मे मेरी मदद की, मेरे विभाग के कर्मचारियो और अधिकारियो का एक अच्छा बजट बनाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं और उम्मीद करता हूं कि इस बजट मे जो दि ाानिर्दे ा है आने वाले पूरे साल के दौरान हम उनको पूरा करेंगे ताकि हरियाण प्रगति के पथ पर पूरे तौर पर अग्रसर हो सके। इसके अतिरिक्त मै बजट के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूं क्योंकि उनके बगैर तो गाडी चलती ही नही।

श्री अध्यक्ष: क्या स्पीड ब्रेकर आ जाते है?

श्री बीरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, स्पीड ब्रेकर तो नही आते लेकिन ऐसा है कि मुख्यमंत्री जी के पास 39 या इससे ज्यादा विभाग है। सारे 80 के करीब विभाग है। जितना समय माननीय

मुख्यमंत्री जी ने दिया है इतना समय कोई और मुख्यमंत्री नही दे सकता। क्योंकि मैने तीन चार मुख्यमंत्रियो के साथ काम किया है और उनकी कार्यप्रणाली को देखा। श्री बंसी लाल जी के साथ भी मै रहा और बहुत नजदीक से उनकी कार्य ौली देखी, श्री भजन लाल जी के साथ भी मै रहा और इसके साथ ही विपक्ष मे बैठकर भी मैने बहुत से मुख्यमंत्रियो की कार्य ौली देखी है। एक बात मै मुख्यमंत्री जी के बारे मे जरुर कहना चाहूंगा कि इनको तो मनाया जा सकता है और इनको हम यह कह सकते है कि यह काम हमको करना है। बहुत से मुख्यमंत्रियो के बारे में हमने यह देखा है कि वे किसी काम को करने के लिए हां भी कह देते थे और काम करते भी नही थे। मै जब 1991 मे विधान सभा के लिए निर्वाचित हुआ तो उस समय मै कांग्रेस पार्टी का प्रदे ा अध्यक्ष था और श्री भजन लाल जी उस समय मुख्यमंत्री बनाये गये। उन्होने यही इस हाउस मे विधान सीाा के प्रथम सै ान के दौरान यह ब्यान दिया कि हम 6 महीने के अंदर अंदर एस वाई एल की खुदाई पूरी कर देंगे। जब एक साल बीत गया उस समय भी मै पार्टी अध्यक्ष था तो मैने कहा कि चौधरी साहब प्रदे ा मे भी लोग पूछेगें और विधान सभा मे भी लोग पूछेंगे कि जो आपने 6 महीने के अंदर एस वाई एल की खुदाई की बात कही थी वे कौन से 6 महीने। पहले एक यह भी नजरिया था और एक यह भी नजरिया है कि हम नि ाना तय कर लें ओर उस पर खरे उतरे। लक्ष्य पर खरा उतरेन मे मै मुख्यमंत्री जी को पूरे मार्क्स दे सकता हूं। इनकी यह कोि ा ा रहती है कि लक्ष्य पर ये पूरे उतरे। पहले

मुख्यमंत्रियो मे और आज के मुख्यमंत्रियो मे यही फर्क है। हमने एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म कमि ान बनाया है उसका भी यही मानना था कि काम की गति धीमी है, अ बवह तो दलाल साहब पर निर्भर करता है ि कवे इसके लिए क्या कर सकते है? मैने तो अपने भाशणा मे भी इसलिए हमारी ब्यूरोक्रेसी की बडी तारीफ की थी, इसलिए की थी कि काम की रफ्तार कुछ तेज हो जाये।

श्री अध्यक्षः तो क्या फैक्च्यूअल पोजी ान कुछ और थी?

श्री बीरेन्द्र सिंहः फैक्चूअल पेाजी ान तो यह है कि अब हमारा माइंड सैटअप ऐसा बन गया है। अब हम बुरा ही नही मानते कि यह काम इतनी देर से रुका हुआ है। हम कहते है कि हो जायेगा। फाईल भेजी है फिर नोटिंग होगी। अध्यक्ष महोदय, मै इस बात पर कोई टिप्पणी नही करना चाहता। आपने मुख्यमंत्री जी ने और सभी ने यह फैसला किया कि एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म कमि ान बनना चाहिए और अब उसमे ही ये सब बातें तय होंगी। मै फिर यही बात कहूंगा कि हमारे साथियो ने, हमारे मंत्रीगण ने हमारा साथ दिया। अध्यक्ष महोदय, मै तो एक बात और कहना चाहता हूं कि अब समय आ गया है कि हमें इस चक्कर मे नही पडना चाहिए कि प्लान एस्टीमेट क्या है? अगर हमारे पास पैसा है तो हमें काम करना चाहिए। अगर ज्यादा पैसा खर्च होता है तो हो जाए, हम पैसा देंगे। अगर कोई स्कीम ऐसी है जो एक साल मे पूरी होनी हो और हम उसके 3 साल तक सस्पैंड ओवर करते रहे

तो फिर लोग भी यही समझते है कि यह तो बननी ही थी तो फिर राजनीतिक लोगो को उसका क्रेडिट नही मिलता। अगर आप लोग कह कर आयें कि यह काम 3 महीने मे हो जायेगा या 3 साल मे हो जायेगा और वह काम उस समय मे पूरा हो जाये तो वे लोग समझते है कि हमारे जो एम0 एल0 ए0 है वे इससे भावनात्मक रुप से जुडे हुए है और इन्होने इसको पूरा किया है। इस तरह की जो योजनाएं है जो हैल्थ डिपार्टमैंट से संबंधित है, जो सो ाल वैल्फेयर डिपार्टमैट से संबंधित है उनमे आप लोगो का सहयोग बहुत जरुरी है। चाहे कोई विपक्ष का विधायक है, चाहे हमारा अपना साथी है उससे यह भी होगा कि जो अधिकारी है या कर्मचारी है उनको यह भय रहेगा कि अगर हम ऐसा करेंगे तो हमारे विधायको को या हमारे दूसरे साथियो को इसका पता लग जायेगा। लेकिन बदकिस्मती यह है कि हमारे पास पैसा होते हुए भी काम करने वाला नही है। अध्यक्ष महोदय, जैसे मुलाना जी कह रहे थे कि यह ठेकेदारी प्रथा भी गलत है। मै अपने गांव की बात बताता हूं। मेरे दो गांव है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इनको आद र्ा गांव बनाना है क्योंकि यह उनका नानका भी है। मेरा जो डूमरखां गांव है उसके ठेकेदार ने काम भ्ाुरु नही किया। मैने एक दिन पुलिस को कहा कि उसके बुलाओ और उसके खिलाफ केस दर्ज करो, वह लोगो को बहुत परे ाान करता है। तो जो पंचायती राज का एक्सियन था उसने कहा कि अगर इसके साथ आप ऐसा करेंगे तो सब काम ठप हो जायेगा और हम कुछ भी नही कर पाएंगे। अब समय आ गया है जब हमें इस बात का

फैसला करना पडेगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली बोर्ड मे 5 हजार इंजीनियर्स, एस डी और और जे ई है लेकिन काम फिर भी सारा ठेके पर हो रहा है। सिर्फ यही डिपार्टमैंट नही है और भी बहुत सारे डिपार्टमैंट ऐसे है। तो ये पॉलिसी डिसीजन हमोर को लेने पडेंगे। अगर वे इंजीनियर्स सिर्फ सुपरविजन के लिए बने है then we would like to have officers from business administration जिन्होने एम0 बी0 ए0 किया हुआ है। फिर हमें इंजीनियर्स की क्या जरुरत है?

श्री फुल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, यह ठेकेदारी प्रथा बंद हो जाये और डिपार्टमैंटल काम भ्ाुरु किया जाये।

Mr. Speaker: Hon'ble Finance Minister of Haryana Government is saying this. God will not come for the rescue of anybody. You should make the detailed plan and execute it.

Finance Minister (Sh. Birender Singh): Speaker Sir, I can collect the funds for the State. I can disburse the funds for the State but that is to be decided by the different departments how they want to move. But this is my apprehension that this may be one of the bottlenecks where wre are suffering. सर, ये बेसिक बातें है जिनको हमें तय करना चाहिए और हम इसमे लगे हुए है। मै यह नही कहता कि हमने प्रयास नही किये है, हमने प्रयास किये है। स्पीकर सर, बहुत से साथियो ने सुझाव दिये है। माननीय श्री सुरजेवाला जी ने बहुत अच्दे सुझाव दिये है, डा0 ि ाव भांकर भारद्वाज जी, श्री हर्श कुमार जी, श्री नरे ा यादव जी, श्री राधे याम भार्मा जी ने बहुत

ही अच्दे सुझाव दिये और श्री सुखबीर फरमाना जी ने कहा है कि तालाब भरवाएं जाने चाहिए। चौधरी रणधीर सिंह जी ने भी बहुत अच्दे सुझाव दिये है और बहुत सी चीजें हमारे माननीय साथियो ने यहां पर प्रस्तुत की है। (विघ्न)

श्री रणधीर सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। हमारे यहां फरवरी और मार्च मे मच्छर होते है। (विघ्न) मच्छर केवल हमारे यहां नही होते बल्कि सारे हरियाणा मे ही होते है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कहकर अपनी बात समाप्त करुंगा। श्री राधे याम भार्मा जी ने भी अच्छे सुझाव दिये है। डा0 ि ाव ांकर भारद्वाज जी और श्री भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी ने कहा है कि जो रुरल एरिया के डाक्टर्ज है वे स्पैसिफिकली रुरल डाक्टर्ज इम्पलाईज होनी चाहिए। इसके लिए इन्होने बडे अच्दे सुझाव दिये है। एक तो यह सुझाव दिया है कि उनको कुछ स्पे ाल एलाउंस दिया जाए ताकि वे गावों मे टिक सके। स्पीकर सर, कोई माने या न माने आज के दिन जो भी डाक्टर्स गावेां मे पोस्टिंग करवाते है वे भी कही और डैपुटे ान पर काम करते है। उनका डैपुटे ान भी हम लोग ही करवाते है। मंत्री लोग या एम0 एल0 एज0 कहते है कि यह मेरा खास आदमी है उसको दूर मत रखो। वह डाक्टर तनख्वाह तो गांव से लेगा लेकिन काम बडे भाहर मे करेगा। (विघ्न) स्पीकर सर, चाहे मै सत्ता पक्ष मे था चाहे मै पिछले करीब 20 साल से यही स्थिती देख रहा हूं। स्पीकर सर, मै यह कहता हूं कि आने वाले समय मे

रुरल डाक्टर्ज का एक अलग से कार्डर होगा जो गांव मे लगाएं जाएंगे वरना आप चाहे कुछ भी कर लें वे वहा ंपर नही रहेंगे या फिर हम इस सिस्टम को बंद करके रैफरल सिस्टम को स्ट्रांग बना दें। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी आदमी की थोडी सी भी तकलीफ हो तो इतना अच्छा रैफरल सिस्टम हो कि उसके भाहर के किसी बडे होस्पीटल म ंले जाने का काम किया जाए तभी हम इस बारे में कुछ कर सकते है। इसके साथ ही साथ मै यह कहना चाहूंगा कि पोस्ट ग्रेजुऐट का कोर्स करने के लिए You cannot believe जो पी0 जी0 कोर्स करने वाले है। (विघ्न) मेरे नोटिस मे है कि प्राइवेट डाक्टर्ज दो दो करोड रुपए लेते है। अध्यक्ष महोदय, अगर हम ऐसा प्रोविजन कर दे कि जो डाक्टर एक खास अवधि के लिए गांव मे रहेगा उसको पी जी कोर्स के अंदर रिजर्वे ान दे दिया जाए तो आप देखना कि इससे रुरल डाक्टरो की संख्या भी बढ जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हमे इसके लिए कुछ ऐसा प्रलोभन देना होगा या कुछ ऐसी बात करनी पडेगी जिससे डाक्टर्ज गावों मे टिक सकें। स्पीकर सर, ये कुछ ऐंसी बातें थी जो हमारे साथियो ने रखी। अध्यक्ष महोदय, मै एक बार फिर आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने कुछ नई परंपरांए डाली है। अध्यक्ष महोदय, आज पहली मुझे यह अहसास हुआ है कि out of way मै इन लोगो की मदद करता था और भाायद आप भी नाराज होते हौंगे और भाई रणदीपन सिंह जी को भी भाायद मुझ से नाराजगी होती होगी लेकिन आज जिस तरह का उनका बिहेव था, उनका बर्ताव

था उसके देखते हुए मै आज आपका पक्षधर हूं और उनके खिलाफ हूं।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stands part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That the Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move the Bill be passed.

Finance Minister (Sh Birender Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा स्टेट बोर्ड आफ टैक्नीकल ऐजुके ान बिल, 2008

Mr. Speaker: Now the Technical Education Minister will introduce the Haryana State Board of Technical Education Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Urban Development Minister (Sh A.C. Chaudhary): Sir, I beg to introduce the Haryana State Board of Technical Education Bill, 2008.

Sir, I beg to move-

That the Haryana State Board of Technical Education Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana State Board of Technical Education Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana State Board of Technical Education Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Clause 2 of clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Sub Clause 2 of clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause 3 of clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Sub Clause 3 of clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause 2 to 48

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 to 48 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That the Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Technical Education Minister will move the Bill be passed.

Urban Development Minister (Sh A. C. Chaudhary): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसीलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैडमैंट बिल, 2008

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduct the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment be taken into consideration at once.

14:00 बजे

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै सदन के सभी सम्मानित सदस्यो को बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसेलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैडमैंट बिल, दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (एलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) सैंकेण्ड अमैडमैंट बिल, हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (एलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) थर्ड अमैडमैंट बिल, दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली स्पीकर्ज एंड डिप्टी स्पीकर्ज सैलरीज एंड एलाउंसिज (अमैडमैंट) बिल तथा दि हरियाणा सैलरीज एंड एलाउंसिज आफ मिनिस्टर्ज (अमैडमैंट) बिल ये पांच डिफरैंट–डिफरेंट बिलज आये है। स्पीकर सर, माननीय सदस्य जिसमे इंडियन ने ानल लोकदल के साथी डाक्टर सु ील इन्दौरा, डा0 सीता राम, भारतीय जनता पार्टी के गौतम साहब,

नरे ा मलिक, बी0 एस0 पी0 के अरजन सिंह, ने ानेलिस्ट कांग्रेस पार्टी के सुखबीर सिंह फरमाणा और इंडीपैंडंटस राधे भयाम भार्मा, चौधरी तेजेन्द्र पाल मान साहब और बहुत से कांग्रेस के सदस्य माननीय मुख्यमंत्री जी से मिले थे। सभी साथियो का एक मत था कि जो हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली के सदस्य है उनकी मुखतलिफ सुविधाएं और एलाउंसिज वर्शो से नही बढे है इसलिए इन सबको बढाना चाहिए। स्पीकर सर, यह भी तर्क दिया गया कि जो नैक्स्ट पे कमी ान आया है जिसके लिए 1500 करोड रुपए से भी अधिक का प्रावधान बजट मे रखा गया है तो कम से कम सदन के जो सम्मानित सदस्य है उनको भी पूरी सुविधाएं मुहैया करवायी जाएं। इसलिए इसके तहत ही आज मुखतलिफ बिलज आये है। हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी ने निर्णय लिया है कि मुखतलिफ बिलो के माध्यम से और कुछ रुल्ज मे अमैडमैंट करने के बाद ये सुविधाएं माननीय सदस्यो को दी जाए। स्पीकर सर, मै इन सब बिलज के बारे में एक ही कडी बात बता देता हू। सरकार के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि हाउस बिल्डिंग एडवांस का जो बिल इस समय अंडर कंसीड्रेसन है, वह 25 लाख रुपये प्रति सदस्य है। मै राधे भयाम भार्मा जी का जो इस समय व्यस्त है, ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा िकइस बिल के माध्यम से हाउस बिल्डिंग एडवांस 25 लाख रुपए से बढाकर 40 लाख रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा मोटर कार एडवांस एम0 एल0 एज0 को जो 6 लाख रुपये था उसको अब सरकार ने 6 लाख से बढाकर इस लाख रुपये कर दिया है। इसके लिए

अमैडमैंट आफ सै ान 3 आफ हरियाणा एक्ट 9 आफ 1979 आने लग रहा है। इसके अलावा जो डेली अलाउंस 600 रुपये है उसको भी माननीय सदस्यो ने मुख्यमंत्री जी को कहा था कि इसको भी बढाया जाए तो इसको बढाकर अब एक हजार रुपये डेली कर दिया गया है। इसके लिए अमैडमैंट आफ सैक ान 5 आफ हरियाण एक्ट 2 आफ 1975 हम लेकर आए है। इसी तरह से जो कांस्टीच्युएंसी एलाउंस सदस्यो का पहले 8 हजार रुपये प्रति महीना था उसके भी बढाने की मांग आयी थी। इसको भी एक हजार रुपये से बढाकर तीन हजार रुपये महीना कर दिया है। इसके लिए हम रुल्ज मे अमैडमैंट करेंगे। छठा बिल यह है कि जो माइलेज एलाउंस है जो पहले दस रुपये किलोमीटर सारे सदस्यो को आने जाने के लिए मिलता था, जब सारे सदस्यो ने कहा कि डीजल पैट्रोल के दाम कई बार बढ चुके है और पिछली बार आठ से दस रुपये भी हमारी कांग्रेस किलोमीटर करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए रुल्ज मे नैसेसरीज अमैडमैंट लेकर हम आएंगे। जो सातवां बिल पैं ान का है वह तो हम पहले ही पास कर चुके है। इसको 600 रुपये महीने से बढाकर हम एक हजार रुपया महीना कर चुके है। स्पीकर सर, ये सात भिन्न भिन्न मदो के अंदर माननीय सदस्यो के पैसे बढाए गए है। मुझे लगता है कि एक मत से हमें इस बात का स्वागत भी करना चाहिए और मुख्यमंत्री जी और सरकार का धन्यवाद भी करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः पंडित जी, यह बिल लोन पर था क्या आपको इस पर कुछ कहना है।

श्री राम कुमार यादवः नही सर।

श्री नरे ा यादव (अटेली): अध्यक्ष महोदय, पंजाब सरकार अपने सभी विधायको को गाडियां देती है। लोन भी बहुत ज्यादा दिये जाते है गाडी भी टूट जाती है तो यह एक प्रकार से बराबर ही पडता है। मेरी रिक्वैस्ट है कि सरकार के पास फाइनैंस की भी इस समय कमी नही है इसलिए सभी विधायको को गाडियां दे दी जाए।

श्री आनंद सिंह डांगी (महम): अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस बिल के माध्यम से सदस्यो को काफी सहूलियतें दी गई है। जैसे बिल्डिंग लोन, कार लोन बढाया है, पैं ान बढाई है, लेकिन दो चीजो मे फर्क आ गया है जो वेतन था वह जैसे स्पीकर और डिप्टी स्पीकर महोदय का 12 हजार रुपये से बढाकर 20 हजार रुपये कर दिया गया है लेकिन एम0 एल0 ए0 का जहां 8 हजार रुपये निर्वाचन क्षेत्र भत्ता मिलता है उसे बढाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है यह अंतर थोडा सा ठीक नही है। मै यह तो नही कहता कि हमारा भी 20 हजार रुपये भत्ता कर दो लेकिन इतना जरुर कहूंगा कि 8 हजार से बढाकर 15 या 16 हजार तो अव य किया जाना चाहिए। यह जरुरी चीज है।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, चौधरी आनंद सिंह डांगी और सभी सदस्यो की तरफ से इस बारे में मांग आई है। निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 80 हजार रुपये से बढाकर 10 हजार रुपये करने का सरकार ने निर्णय लिया है। अभी अभी मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि इसके बारे में हम अनाउंसमैंट कर देंगे। यह भत्ता 10 हजार से बढाकर 12 हजार रुपये किया जाता है।

श्री अध्यक्ष: मुख्यमंत्री जी, इसमे आनरेबल मैम्बर्ज की जो चिंता है वह यह है कि कन्यादान और उसके अलावा स्पोर्टस की पर्चियां भी कटती है वह कम से कम 1100 और 2100 रुपये की कटती है और इसके अतिरिक्त आनरेबल मैम्बर्ज का चाय पानी पर भी डेली बहुत खर्च होता है। इस बारे मे सदन के सदस्यो की फीलिंग्स का भी थोडा ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिंह हुडडा): अध्यक्ष महोदय, सभी सदस्यो की भावनाओ की कद्र करते हुए निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 15 हजार रुपये कर देंगे।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) सैकिण्ड अमैडमैंट बिल, 2008

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Secons Amendment Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Second Amendment Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Secons Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Secons Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Secons Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs minister will move that the Bill be passed.

Power Minister (Sh Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

गुरु जम्भे वर युनिवर्सिटी आफ साईंस एंड टैक्नोलोजी हिसार (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now, the Technical Education Minister will introduce Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar (Amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Urban Development Minister (Sh. A.C. Chaudhary): Sir, I beg to introduce Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I begt to move-

That Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That Guru Jambheshwar University of Science and Technology Hisar (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by Clause.

Clause 2 to 7

Mr. Speaker: Question is-

That the Clauses 2 to 7 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Cluase 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Technical Education Minister will move that the Bill be passed.

Urban Development Minister (Sh. A. C. Chaudhary): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा देवी लाल युनिवर्सिटी सिरसा (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now the Education Minister will introduce Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Education Minister (Sh Mange Ram Gupta): Sir, I beg to introduce Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 to 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 to 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Bill be passed.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will introduce the Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to introduce the Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker:. Motion moved-

That the Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker:. Question is-

That the Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 to 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 to 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Bill be passed.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

भगत फुल सिंह महिला वि वविद्यालय खानपुर कलां (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will introduce Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2008, and will also move the motion for its consideration.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to introduce Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker:. Motion moved-

That Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker:. Question is-

That Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 to 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 to 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Bill be passed.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि कुरुक्षेत्र युनिवर्सिटी (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr Speaker:. Now, the Education Minister will introduce the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to introduce the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Kurukshetra University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker:. Motion moved-

That the Kurukshetra University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Question is-

That the Kurukshetra University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 to 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 to 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Bill be passed.

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली स्पीकर्स एंड डिप्टी स्पीकर्स सैलरीज एंड अलाउंसिज (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr Speaker:. Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker:. Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा सेलरीज एंड अलाउंसिज आफ मिनिस्टर्ज (अमैडमैंट) बिल, 2008

Mr Speaker:. Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker:. Motion moved-

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Question is-

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) थर्ड अमैडमैंट बिल, 2008

Mr Speaker:. Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and pension of Members) Third Amendment Bill, 2008 and will move the motion for its consideration.

Power Minister (Sh Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and pension of Members) Third Amendment Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and pension of Members) Third Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and pension of Members) Third Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and pension of Members) Third Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr Speaker:. Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Mr Speaker:. Hon'ble Members, I have received a notice of amendment from the Parliamentary Affairs Minister in Clause 2. He may move his amendment.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

"That in Clause 2 of the Bill for the words, 'ten thousand rupees' the words, 'fifteen thousand rupees', shall be substituted."

Mr Speaker:. Motion moved-

"That in Clause 2 of the Bill for the words, 'ten thousand rupees' the words, 'fifteen thousand rupees', shall be substituted."

Mr Speaker: Question is-

"That in Clause 2 of the Bill for the words, 'ten thousand rupees' the words, 'fifteen thousand rupees', shall be substituted."

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clauses 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

पंडित भगवत दयाल भार्मा युनिवर्सिटी आफॅ हैल्थ साईंसिज रोहतक बिल, 2008

Mr Speaker: Hon'ble Members, now, the Health Minister will introduce Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak Bill, 2008 and will also move the motion for its consideration.

Health Minister (Bahin Kartar Devi): Sir, I beg to introduce Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak Bill, 2008.

Sir, I also beg to move-

That Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Motion moved-

That Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak Bill be taken into consideration at once.

Mr Speaker: Question is-

That Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Sciences Rohtak Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Sub Clause (2) of Clause 1

Mr Speaker: Question is-

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clauses 2 to 54

Mr Speaker: Question is-

That clauses 2 to 54 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Mr Speaker: Question is-

Sub Clauses (1) of Clause 1

That Sub Clauses (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr Speaker: Now, the Health Minister will move that the Bill be passed.

Health minister (Bahin Kartar Devi): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

प्रो0 छतरपाल सिंह (धिराय): अध्यक्ष महोदय, इस बात के लिए मुख्यमंत्री जी की दाद देनी पडेगी कि जब से हमारी सरकार सत्ता मे आई है टैक्नीकल एजुके ान यूनिवर्सिटी, जनरल एजुके ान युनिवर्सिटी, महिला एजुके ान युनिवर्सिटी और अब रोहतक के अंदर जो पी0. जी0 आई0 था उसको भी आप हैल्थ युनिवर्सिटी बनाने जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ठीक बात है ओर मै इसकी तारीफ करता हूं लेकिन जो integerated system of medicine की बात है वह इस युनिवर्सिटी के अंदर रखी गई है। अध्यक्ष महोदय, इसके अंदर आपने जनरल मैडिसन के अलावा आयुर्वेद, युनानी, सिधा, होम्योपैथी, नैच्यूरोपैथी, योगा and such other disciplines are included in this university. अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री की जितनी तारीफ की जाये उतनी कम है। आजकल स्वास्थय के प्रति चिंता ज्यादा है। इसमें पब्लिक हैल्थ सैंटर की व्यवस्था भी रहेगी, ऐसा इसमें द ार्या गया है। Speaker Sir, Health Services with special focus on social and economic relevance of such research and with emphasis of occupational environment health issue affected the people. अध्यक्ष महोदय, इसमे मेरा एक सुझाव है कि ऐनिमल साईंस के लिए भी व्यवस्था रहे जो रिसर्च के लिए और प्रैक्टिकल प्रपजिज के लिए, स्टूडैंट्स के लिए बहुत जरुरी रहेगा। इसके भाायद यह छूट गया है। मेरी स्वास्थय मंत्री जी से गुजारि ा है कि ऐनिमल साईंस सैंटर को भी इसमें भाामिल किया जाये ताकि इस युनिवर्सिटी का मकसद हम अच्दी तरह से पूरा कर सकें।

Mr Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद

Mr Speaker: Hon'ble Members, before I adjourn the House sine-die. I would like to thank all the Hon'ble Member of the House for the cooperation extended by them to me in the smooth conduct of the proceedings of the House. I am also thankful to the press representatives as well as the media persons of the television and radio stations who were engaged in connection with the proceedings of the House.

I would also like to thank all the Govt. Officers/Officials concerned with the business of the House.

I am also thankful to all my officers and officials of Haryana Vidhan Sabha Secretariat for their whole hearted assistance.

Shri Randeep Singh Surjewala: Mr Speaker Sir, on behalf of the entire House as also on behalf of the Government, we want to thank you for making this one of the most momerable Sessions of the Haryana Legtislative Assembly as also among the longes ever Sessions of the Haryana Legislative Assembly. Sir, the way you gave chance to everybody to express their opinion freely and fairly, the way you upheld the highest traditions of parliamentary democracy, the way you involved opposition members in the debate, the way you gave the chance to all of us to raise issues of public

as also grievances qua their constituencies as also gave your valuable advice to us on energy conservation only this morning. Sir, this does indeed make this Session even more memorable. स्पीकर सर, आपने जो नई परम्पराएं कायम की है तीन तीन बार एक एक सदस्य को समय देकर, सत्र के अंदर प्राईवेट मैम्बर डे रख कर, रैजोल्यू ान पर चर्चा करवाकर बजट पर बहुत लम्बी चर्चा करवा कर तथा महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर लम्बी चर्चा करवा कर, डिमांडज पर एक पूरा दिन सिटिंग करवा कर, you have upheld the highest traditions of parliamentary democracy by this. We all thank you for this as also the staff and other officers/ officials of the Haryana Legislative Assembly, who provided us the requisite support. all the documents and all the necessary help to all the members at the relevant time.

Mr Speaker: Now, the House stands adjourned sine-die.

14:37 Hrs.

(The Sabha Then adjourned sine-die.)